किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 191 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) मंगलवार 21 अप्रैल 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

तेजी से शुरुआत, सुस्त अंदाज में खत्म हुआ कारोबार

पश्चिम एशिया तनाव और वैश्विक संकेतों के बीच शेयर बाजार सपाट बंद, दिनभर रहा उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान सीजफायर को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के कारण हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुआ। दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव का माहौल बना रहा और शुरुआती तेजी के बाद अंतिम सत्र में दबाव देखने को मिला।

कारोबार की समाप्ति पर 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मात्र 26.76 अंक या 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,520.30 पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का

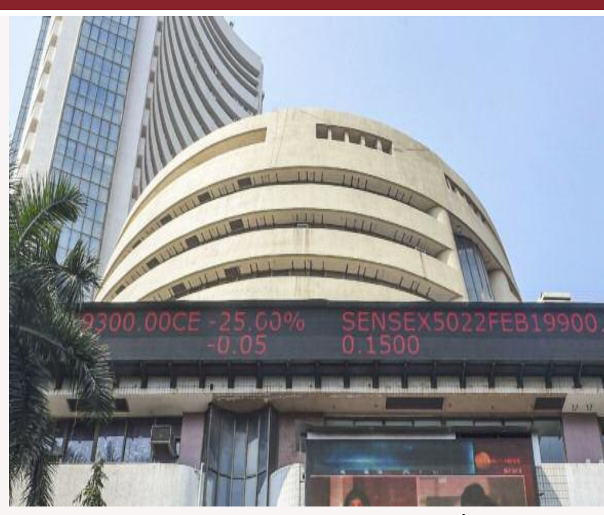

प्रमुख सूचकांक NIFTY 50 11.30 अंक या 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,364.85 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान सेंसेक्स 78,632.90 पर खुला और 78,942.45 का ऊपरी स्तर तथा 78,203.30 का निचला स्तर छूने के बाद कमजोर होकर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 24,391.50 पर खुला और 24,480.65 के उच्चतम तथा 24,241.25 के न्यूनतम स्तर तक गया।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका-ईरान तनाव को लेकर बनी अनिश्चितता के चलते निवेशकों में सतर्कता रही, जिससे बाजार अपने दिन के उच्च स्तर से फिसलकर सपाट बंद हुआ।

इस दौरान व्यापक बाजार भी दबाव में रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.18 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.45 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी मीडिया, पीएसयू बैंक, ऑटो, ऑयल एंड गैस और फाइनेंशियल सर्विसेज में तेजी रही, जबकि एफएमसीजी, मेटल, फार्मा, प्राइवेट बैंक, रियल्टी और आईटी सेक्टर में बिकवाली हावी रही। निफ्टी-50 में ट्रेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील, एसबीआई, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और ग्रासिम इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंडाल्को, टीएमपीवी, एलएंडटी, एचडीएफसी लाइफ, एचसीएल टेक और बीईएल में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। (इनपुट-आईएएनएस)

संस्कृत में अधिक काम होना देश के लिए उपलब्धि होगा: मुरली मनोहर जोशी

संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय उद्घाटन में बोले वरिष्ठ भाजपा नेता, बोले—यह विश्व की प्राचीन धरोहर भाषा

नई दिल्ली। संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी ने संस्कृत भाषा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि देश में अधिकांश कार्य संस्कृत में होने लगें तो यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी संस्कृत को राष्ट्रीय भाषा बनाने का प्रयास किया था।

जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी

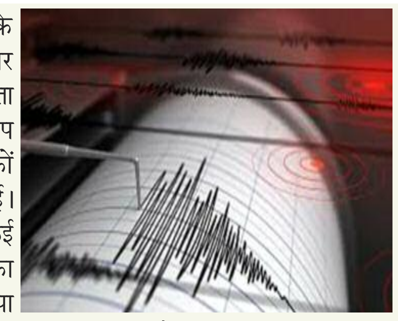

टोक्यो। जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर सोमवार को 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने से तटीय इलाकों में दहशत फैल गई। भूकंप के तुरंत बाद कई क्षेत्रों में सुनामी का अलर्ट जारी कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे तटीय क्षेत्रों को तुरंत छोड़कर ऊंचे और सुरक्षित स्थानों की ओर चले जाएं। जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र प्रशांत महासागर में सैनरिकु तट के पास था और इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप के तेज झटकों के बाद समुद्र में बड़ी लहरों की आशंका जताई गई है और करीब तीन मीटर तक ऊंची सुनामी आने की चेतावनी दी गई है। सबसे अधिक खतरा इवाते, आओमोरी और होक्काइडो प्रांतों में बताया जा रहा है। इन इलाकों में प्रशासन ने तुरंत लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के निर्देश जारी किए हैं। कई तटीय इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर स्थानांतरित किया जा रहा है। भूकंप के बाद आपात स्थिति को देखते हुए सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इमरजेंसी टास्क फोर्स का गठन किया है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें और प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें।

सामाजिक और स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए नोएडा के नीरज शर्मा सम्मानित

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने किया सम्मानित

समाज जागरण

नोएडा। सेक्टर-55 निवासी एवं आरडब्ल्यूए-55 के सचिव नीरज शर्मा को सामाजिक और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। लखनऊ स्थित होटल हिल्टन गार्डन इन में आयोजित 'तहलका संवाद - देश की चर्चा' कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

नीरज शर्मा, जो ग्लोबैक्स फामेसी के निदेशक भी हैं, को उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक तथा उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय द्वारा

सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उनके द्वारा समाज सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

सम्मान प्राप्त करने के बाद नीरज शर्मा ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है और उनके कार्यों को मिली यह पहचान उन्हें आगे और अधिक समर्पण के साथ समाज सेवा करने के लिए प्रेरित करेगी।

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता को पहुंचाना है, और वे भविष्य में भी इसी दिशा में कार्य करते रहेंगे।

दिल्ली की हरियाली की रक्षा हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः सीएम रेखा गुप्ता

पेड़ों की अवैध कटाई रोकने के लिए सख्त एसओपी अधिसूचित, ग्रीन हेल्पलाइन भी पुनः सक्रिय

समाज जागरण

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि राजधानी की हरियाली की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने के लिए दिल्ली सरकार ने पेड़ों से जुड़े अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई हेतु व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अधिसूचित की है।

मुख्यमंत्री ने इस कदम को दिल्ली की हरित संपदा के संरक्षण और पेड़ संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय बताया। यह एसओपी Delhi Preservation of Trees Act, 1994 की धारा 33 के अंतर्गत वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा लागू की गई है। इस एसओपी के तहत पेड़ों की अवैध कटाई, क्षति और अनधिकृत गतिविधियों की रोकथाम के लिए एक मजबूत, पारदर्शी और समयबद्ध तंत्र स्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे हर उल्लंघन मामले में प्रभावी और जवाबदेह कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

त्वरित शिकायत और कार्रवाई व्यवस्था

सरकार ने नागरिकों की सुविधा के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन, ऑनलाइन पोर्टल और ऑफलाइन माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था की है। सभी शिकायतें रीयल टाइम में संबंधित फील्ड अधिकारियों तक पहुंचेंगी।

इसके लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) को सक्रिय किया गया है, जो शिकायत मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी और जियो-टैग्ड फोटो व वीडियो के माध्यम से साक्ष्य संकलित करेगी।

फील्ड स्तर पर सख्त प्रवर्तन

एसओपी के तहत वन विभाग के अधिकारियों को अधिक अधिकार दिए गए हैं। वे उल्लंघन रोकने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर सकेंगे, उपकरण जब्त कर सकेंगे और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय भी स्थापित कर सकेंगे।

24 घंटे निगरानी व्यवस्था

मुख्यालय स्तर पर फॉरेस्ट कंट्रोल रूम और डिवीजन स्तर पर डिवीजन कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जो चौबीसों घंटे निगरानी करेंगे।

ग्रीन हेल्पलाइन फिर से सक्रिय

मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्रीन हेल्पलाइन नंबर 1800118600 को पुनः सक्रिय कर दिया गया है। साथ ही ग्रीन हेल्पलाइन पोर्टल भी कार्यरत है, जिससे नागरिक आसानी से शिकायत दर्ज करा सकते हैं और उसकी स्थिति ट्रैक कर सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण पर सरकार का संकल्प

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री के 'प्रकृति के साथ विकास' विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार भी हरित और सतत विकास के लक्ष्य की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार राजधानी की हरियाली की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पेड़ संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त, पारदर्शी और समयबद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से भी पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

नोएडा में 51वें वार्षिक कार्यक्रम में साधनहीन विद्यार्थियों को मिली सहायता, मेधावियों का हुआ सम्मान

निःशुल्क पाठ्य सामग्री, छात्रवृत्ति व रजत पदक देकर विद्यार्थियों को किया गया प्रोत्साहित

समाज जागरण

नोएडा। प्यारेलाल भवन में आयोजित 51वें वार्षिक निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, स्टेशनरी एवं छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में साधनहीन विद्यार्थियों की सहायता की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि निगम पार्षद पंकज लूथरा ने किया।

मुख्य अतिथि ने परिषद द्वारा पिछले 51 वर्षों से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि परिषद दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर सराहनीय कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 12 विद्यार्थियों को रजत पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

परिषद के अध्यक्ष अशोक जैन (संस्थापक) ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके

उत्थान से ही राष्ट्र प्रगति करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों का उत्साह बढ़ाते हैं और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। महासचिव मनोज कुमार जैन ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के, जिनमें नोएडा के विद्यार्थी भी शामिल थे, 500 से अधिक साधनहीन छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। इसमें जीवन पब्लिशिंग हाउस द्वारा सहायक पुस्तकें, धर्मपाल सत्यपाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कॉपियां व रजिस्टर, विभिन्न परिवारों द्वारा स्कूल बैग, स्टेशनरी तथा मिठाइयां प्रदान की गईं।

इसके साथ ही लगभग 125 मेधावी, पितृहीन एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं को करीब तीन लाख रुपये मूल्य की छात्रवृत्तियां भी दी गईं। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय जादूगर राज कुमार की टीम द्वारा मैजिक शो प्रस्तुत किया गया, जिससे उपस्थित लोगों का मनोरंजन हुआ।

अंत में परिषद अध्यक्ष अशोक जैन ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली से दूर तमिलनाडु में केजरीवाल-स्टालिन की 'जुगलबंदी', क्या 2029 के बड़े मोर्चे की तैयारी ?

चेन्नई में रोड शो और साझा मंच से विपक्षी एकजुटता के नए संकेत, 'गवर्नेंस 2.0' पर जोर

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की मुलाकात और संयुक्त रोड शो ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। इसे केवल राज्य चुनाव तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए संभावित विपक्षी एकजुटता की शुरुआत के रूप में भी देखा जा रहा है।

चेन्नई की सड़कों पर आयोजित रोड शो में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के साथ मंच साझा किया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने केजरीवाल का स्वागत करते हुए उन्हें अपना "भाई" बताया और उनके संघर्षों की सराहना की।

केंद्र सरकार पर निशाना

रोड शो के दौरान स्टालिन ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ "झूठे मामले" दर्ज किए गए और उन्हें राजनीतिक रूप से परेशान किया गया। उन्होंने कहा कि सत्य को दबाया जा सकता है, पर पराजित नहीं किया जा सकता।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर साझा एजेंडा

केजरीवाल ने मंच से कहा कि वे और स्टालिन शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण को लेकर एक समान दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सुधारों की तरह ही तमिलनाडु में भी कल्याणकारी नीतियों को आगे बढ़ाया जा रहा है। दोनों नेताओं ने अपने-अपने राज्यों के शासन मॉडल को एक-दूसरे से सीखने की बात कही और इसे द्रगवर्नेंस 2.0द्ध की संज्ञा दी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मुलाकात केवल चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन की संभावित रूपरेखा भी हो सकती है। इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले एक नए "तीसरे मोर्चे" की शुरुआती कवायद के रूप में देखा जा रहा है। चेन्नई की यह राजनीतिक तस्वीर अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गई है, जहां दो अलग-अलग राज्यों के नेता साझा एजेंडे के साथ एक नई राजनीतिक दिशा का संकेत देते नजर आ रहे हैं।

"आरक्षण नहीं, समान अवसर चाहिए": अयोध्या में बोले बृजभूषण शरण सिंह

मंडल आयोग पर भी की टिप्पणी, कहा—वास्तविक जरूरतमंद आज भी वंचित

अयोध्या। आरक्षण व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सियासी बयान सामने आया है। अयोध्या में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि देश में आरक्षण नहीं, बल्कि सभी को समान अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मंडल आयोग का लाभ कुछ वर्गों तक सीमित रह गया, जबकि वास्तविक रूप से जरूरतमंद लोग आज भी उसके लाभ से वंचित हैं। बृजभूषण शरण सिंह ने यह भी कहा कि कई ऐसे लोग भी लाभान्वित हुए, जिन्होंने परिस्थितियों के अनुसार अपनी सामाजिक स्थिति में बदलाव किया।

तिलक वर्मा की तूफानी सेंचुरी, गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों पर बरसा कहर

मुंबई इंडियंस ने 200 रनों का लक्ष्य रखा, 45 गेंद में पूरा किया शतक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ तूफानी शतक जड़ दिया। तिलक ने मात्र 45 गेंदों में शतक पूरा कर इतिहास रच दिया और मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

तिलक वर्मा ने नाबाद 101 रनों की पारी खेली, जिसमें 7 छक्के और 8 चौके शामिल रहे। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी की

बदौलत मुंबई इंडियंस शुरुआती झटकों से उबरते हुए निर्धारित ओवरों में मजबूत स्कोर तक पहुंच सकी और गुजरात टाइटंस के सामने 200 रनों का लक्ष्य रखा।

तेज गेंदबाजों पर जमकर प्रहार

पारी के दौरान तिलक वर्मा ने गुजरात के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक अशोक शर्मा के ओवर में 26 रन बटोरे। इस ओवर में उन्होंने 3 छक्के और 2 चौके जड़कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

इसके बाद तिलक वर्मा शतक के करीब पहुंच गए और अंतिम गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा को चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया।

आज साइन होगी अमेरिका-ईरान डील? ट्रंप का बड़ा दावा, तेहरान से मिले मिले-जुले संकेत

पाकिस्तान में समझौते की चर्चा, मध्यस्थता के बीच शांति वार्ता पर नजरें

समाज जागरण

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच एक बड़ी कूटनीतिक हलचल देखने को मिल रही है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल बढ़ा दी है।

ट्रंप ने एक अमेरिकी मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में दावा किया है कि ईरान के साथ शांति समझौता आज ही पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में साइन हो सकता है। हालांकि ईरान की ओर से अब तक इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, जिससे स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

ट्रंप ने कहा कि मध्यस्थता के प्रयासों के चलते समझौता अंतिम चरण में है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही दोनों पक्ष इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में यह भी कहा कि अगर ईरान समझौते से पीछे हटता है तो उसके ऊर्जा ढांचे को गंभीर नुकसान उठाना पड़ सकता है।

गर्मी का कहर, पसीने की धारा में डूबा उत्तर प्रदेश

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश में अप्रैल का अंतिम सप्ताह आग की लपटों भरा साबित हो रहा है। सूरज की तपिश ने आम आदमी को घर की चौखट से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया है, लेकिन बाहर निकलते ही पसीने की धाराएं बहने लगती हैं। इंसान ही नहीं, सड़कों पर भटकते कुत्ते, पेड़ों की डालियों पर तड़पते पक्षी और खेतों में लू के थपेड़ों से परेशान पशु भी इस गर्मी के सितम से जूझ रहे हैं। मौसम विभाग की चेतावनी ने हड़कंप मचा दिया है, दोपहर के समय बेवजह बाहर न निकलें, वरना जान जोखिम में पड़ सकती है। राज्य में पारा 45 डिग्री को छू चुका है और आने वाले दिनों में 47-48 तक पहुंचने की आशंका है। अमीरों के पास एयर कंडीशनर और कूलर हैं, लेकिन गरीब जनमानस, जो झोपड़ियों में रहता है, वह इस भट्ठी जैसे मौसम से कैसे जूझ रहा है? सभी जिलों में ऐसे गर्मी से पीड़ित लोगों की दास्तान एक जैसी नजर आ रही है।

लखनऊ की सड़कें दोपहर में वीरान हो जाती हैं। राजधानी का तापमान 44 डिग्री पार कर गया है। यहां के झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में रहने वाले मजदूर रामू कहते हैं, साहब, दिन भर ठेला खींचते हैं, लेकिन दोपहर में छाया ढूंढते फिरते हैं। घर में तो पंखा भी गर्म हवा उड़ाता है। रामू जैसे हजारों लोग गर्मी से बचने के लिए पुराने कपड़ों से छत पर छाया बनाते हैं या नदी किनारे सोते हैं। बच्चे स्कूल से लौटते ही मिट्टी के घड़े से पानी पीते हैं। अमीर बस्तियों में कूलर की आवाज गूंजती है, लेकिन गरीबों के लिए एक गीला कपड़ा ही सहारा है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़ रहे हैं। पिछले तीन दिनों में 50 से ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं। महिलाएं रात को भी पसीने से तरबतर रहती हैं, नींद नहीं आती। वे कहती हैं, बच्चों को गोद में लेकर लेटती हैं, लेकिन गर्मी इतनी कि सांस लेना मुश्किल।

कानपुर में हालात और भयावह हैं। यहां का पारा 45.5 डिग्री तक पहुंच गया। चमड़ा उद्योग के मजदूरों का दर्द सबसे ज्यादा है। फूलपुर की तंग गलियों में रहने वाली शकुंतला बाई बताती हैं, घर में बिजली नहीं आती, पंखा चले तो भी क्या। दिन भर सड़क पर पानी बेचते हैं, लेकिन खुद को पानी नहीं मिलता। वे गर्मी से निपटने के लिए नीम की पत्तियां चबाती हैं और सिर पर गीला तौलिया बांधती हैं। बच्चे दोपहर में खेलना भूल गए हैं, बस घर के अंदर अंधेरे कमरे में दुबके रहते हैं। पशु चिकित्सालयों में गर्मी से मरते जानवरों की संख्या बढ़ रही है। कुत्ते और गायें लू के थपेड़ों से गिर पड़ी हैं। किसान खेतों में फसलें सूखते देख रो रहे हैं, लेकिन खुद भी डिहाइड्रेशन से जूझ रहे हैं। गंगा नदी किनारे लोग नहाने जाते हैं, लेकिन पानी भी गुनगुना हो चुका है।

वाराणसी के घाटों पर गर्मी ने घाटों को सुनसान कर दिया। पारा 46 डिग्री के करीब है। गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु अब सुबह जल्दी उतरते हैं, दोपहर में तो घाट खाली पड़े रहते हैं। काशी की गलियों में रहने वाले रिक्शा चालक रामप्रसाद कहते हैं, पैसेंजर नहीं मिलते, लेकिन भूखे नहीं सो सकते। गर्मी से सिर चकराता है, नमक-पानी का घोल पीते हैं। गरीब परिवारों में महिलाएं चूल्हा जलाना बंद कर देती हैं, बस ठंडे चावल खा लेती हैं। बच्चे स्कूल नहीं जाते, घर में लेटे रहते हैं। बुजुर्गों की हालत सबसे खराब है। वे छत पर सोने की कोशिश करते हैं, लेकिन हवा भी आग की तरह गर्म। गौशालाओं में गायें दम तोड़ रही हैं, चारा सूख चुका है। डॉक्टर सलाह देते हैं, नारियल पानी पिएं, लेकिन गरीबों के लिए वह भी महंगा साबित हो रहा है।

प्रयागराज में संगम का पानी भी गर्म हो गया है। कुंभ क्षेत्र के आसपास रहने वाले मजदूरों का जीवन नर्क बन गया। तापमान 45 डिग्री से ऊपर। झोपड़ियों में रहने वाली विधवा कमला कहती हैं, पति चले गए, अब ये गर्मी ही दुश्मन है। दिन भर पानी के टैंकर के इंतजार में खड़ी रहती हूं। बच्चे डायरिया से पीड़ित हो रहे हैं, अस्पताल भरे पड़े हैं। रात में भी नींद नहीं आती, लोग नदी किनारे इकट्ठा होकर हवा का इंतजार करते हैं। किसानों की फसलें जल रही हैं, आलू और गेहूं बर्बाद हो गए। पशु-पक्षी भी तड़प रहे हैं। स्थानीय लोग पुरानी परंपरा निभा रहे हैं, गर्मी से बचने के लिए गुड़-चने खाते हैं और सिर पर पगड़ी बांधते हैं।

आगरा में ताजमहल की संगमरमर की चादरें भी गर्म हो रही हैं। पारा 44.8 डिग्री। पर्यटन प्रभावित हो गया है, लेकिन गरीब दिहाड़ी मजदूरों का क्या? सिकंदरा की बस्तियों में रहने वाले मोहन लाल कहते हैं, एसी का सपना देखते हैं, लेकिन गीले कपड़े से काम चलाते हैं। शाम को पार्क में सोते हैं। महिलाएं सिर पर भुट्टा भूनकर बेचती हैं, लेकिन खुद भूखी रह जाती हैं। बच्चे दोपहर में छुप जाते हैं, खेलना बंद। अस्पतालों में इलेक्ट्रोलाइट की किल्लत हो गई है। खेतों में किसान मूंगफली की फसल बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन लू ने सब बर्बाद कर दिया। सड़कों पर कुत्ते बेहोश पड़े मिल रहे हैं।

मेरठ में गन्ने के खेत सूख रहे हैं। तापमान 45.2 डिग्री। उद्योग क्षेत्र के मजदूर दोपहर को छुट्टी ले लेते हैं, लेकिन गरीब किसान खेतों में ही डटे रहते हैं। लिसाड़ी गेट की झोपड़ियों में रहने वाली राधा कहती हैं, पंखा नहीं, बिजली बिल भर नहीं पाते। छत पर भूसे का पहाड़ा बनाया है। बच्चे स्कूल जाना छोड़ चुके हैं, घर में दुबके रहते हैं। रात को बिजली कट जाती है, तो गर्मी और बढ़ जाती। पशुओं को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है, ज्यादा पानी पिएं, लेकिन गरीबों के पास पीने का ही अभाव है।

झांसी में बुंदेलखंड की धरती तप रही है। पारा 46.5 डिग्री तक। यहां सूखे की मार पहले से थी, अब गर्मी ने काम तमाम कर दिया। महोबा रोड की बस्ती में रहने वाले किसान हरि सिंह बताते हैं, फसल मर गई, मजूरी भी नहीं मिल रही। गर्मी से बचने के लिए कीकर के पेड़ तले सोते हैं। महिलाएं चमेली के फूल तोड़कर बेचती हैं, लेकिन सिर पर गर्मी का बोझ। बच्चे डिहाइड्रेशन से गिर रहे हैं। गौशालाओं में हजारों पशु मर चुके हैं। नर्मदा नदी सूखी पड़ी है। लोग नींबू पानी बनाकर पीते हैं, लेकिन चीनी भी महंगी।

गोरखपुर में पूर्वांचल का पारा 44 डिग्री पार। बाढ़ के बाद अब गर्मी की बारी। कुशीनगर रोड पर झोपड़पट्टी में रहने वाली सुनीता कहती हैं, बच्चे रोते रहते हैं, ठंडक नहीं मिलती। नदी में नहाते हैं, लेकिन पानी गर्म। मजदूर ईंट भट्ठों पर काम करते हैं, लेकिन दोपहर बंद। अस्पतालों में सांप के काटने के साथ हीट स्ट्रोक के केस बढ़े। किसान धान की नर्सरी डालने से हिचक रहे हैं। पशु पानी के टैंकरों पर निर्भर।

अलीगढ़ और मुरादाबाद में भी यही हाल। अलीगढ़ में लॉक उद्योग ठप, मजदूर घरों में कैद। मुरादाबाद की गलियों में चमड़े के कामगार पसीने से लथपथ। हर जगह गरीब जनमानस घरेलू नुस्खों पर जी रहा है। गुलकंद खाना, प्याज का रस पीना, सिर पर ठंडा पानी डालना। बच्चे मिट्टी में लोटते हैं, ठंडक के लिए। महिलाएं रात भर जागती हैं, पति को ठंडा पानी पिलाती हैं। बुजुर्ग दुआ मांगते हैं, बारिश की। कुल मिलाकर इस गर्मी ने उत्तर प्रदेश को भट्ठी बना दिया है। गरीबों के पास न कूलर, न फ्रिज, बस इरादे की ठंडक। वे गीले कपड़े पहनते हैं, छाया तलाशते हैं, नमक चाटते हैं। लेकिन हद पार हो रही है।

भारतीय जहाजों पर फायरिंग के मायने ?

– महेन्द्र तिवारी

होर्मुज जलडमरूमध्य की भौगोलिक स्थिति इसे वैश्विक राजनीति के केंद्र में खड़ा करती है और 18 अप्रैल 2026 की घटना ने इस तथ्य को एक बार फिर निर्विवाद रूप से प्रमाणित कर दिया है। उस दिन की सुबह जब भारत के ध्वज वाले दो व्यापारिक पोतों पर ईरानी गनबोट्स द्वारा गोलाबारी की गई, तो यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक विशाल अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट का संकेत था। इस घटना के पीछे के सत्य को समझने के लिए हमें उस समय की जटिल भू-राजनीतिक परिस्थितियों और समुद्री व्यापार के महत्त्व को गहराई से देखना होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य एक ऐसा संकरा समुद्री मार्ग है जहां से विश्व की लगभग 20 प्रतिशत तेल और प्राकृतिक ईंधन की आपूर्ति होती है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए 90 प्रतिशत तक आयात पर निर्भर है, इस मार्ग की सुरक्षा सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हुई है। 18 अप्रैल को जब भारतीय तेलवाहक पोत लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर इस मार्ग से गुजर रहे थे, तब अचानक हुई फायरिंग ने वैश्विक बाजारों में हलचल मचा दी। यद्यपि इस हमले में किसी भी नाविक की जान नहीं गई और न ही पोत को कोई स्थायी क्षति पहुँची, परंतु इसके रणनीतिक परिणाम अत्यंत गंभीर थे। जहाजों के चालक दल ने जैसे ही आपातकालीन संकेत भेजे, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पोतों का मार्ग बदलना पड़ा और उन्हें सुरक्षित जलक्षेत्र की ओर वापस लौटना पड़ा। इस घटना का समय अत्यंत संवेदनशील था क्योंकि अप्रैल 2026 में ही अमेरिका ने ईरान के विरुद्ध कड़ा समुद्री प्रतिबंध और नाकाबंदी लागू की थी। इस वैश्विक दबाव के प्रत्युत्तर में ईरान ने घोषणा की थी कि यदि उसके आर्थिक हितों को अवरुद्ध किया गया, तो वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं रहने देगा। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय पोतों को लक्ष्य बनाना एक प्रकार का रणनीतिक संदेश था जो न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक

चेतावनी के समान था।

इस घटना की जड़ें मार्च 2026 से चली आ रही अस्थिरता में भी निहित हैं। उस महीने के दौरान भी कई अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर मानवरहित विमानों और प्रक्षेपास्त्रों से हमले हुए थे, जिसमें दुर्भाग्यवश कुछ भारतीय नाविकों को अपने प्राण गंवाने पड़े थे। उन घटनाओं के बाद से ही समुद्री बीमा कंपनियों ने इस क्षेत्र को उच्च जोखिम वाला क्षेत्र घोषित कर दिया था, जिससे माल ढुलाई की लागत में भारी वृद्धि हुई थी। 18 अप्रैल की फायरिंग ने इस असुरक्षा को और अधिक गहरा कर दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस पर अत्यंत तीव्र और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। नई दिल्ली में ईरान के राजदूत को तुरंत तलब किया गया और उन्हें भारत की गहरी चिंता से अवगत कराया गया। भारत के विदेश सचिव ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में बिना किसी संकोच के यह स्पष्ट किया कि भारतीय नाविकों और व्यापारिक हितों की सुरक्षा पर कोई भी समझौता संभव नहीं है। भारत का यह कड़ा रुख इस बात का प्रमाण था कि अब वह वैश्विक स्तर पर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सैन्य और कूटनीतिक दोनों मोर्चों पर सक्रिय है। इस संकट के दौरान भारतीय नौसेना ने अपनी तत्परता का प्रदर्शन करते हुए ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा को और अधिक विस्तारित किया। इस अभियान के अंतर्गत भारतीय युद्धपोतों को व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया ताकि वे बिना किसी भय के इस खतरनाक मार्ग को पार कर सकें। यह न केवल भारतीय जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने की रणनीति थी, बल्कि विश्व समुदाय को यह दिखाने का प्रयास भी था कि भारत अपनी समुद्री सीमाओं और व्यापारिक मार्गों की रक्षा करने में पूर्णतः सक्षम है।

ईरान के दृष्टिकोण का विश्लेषण करना भी यहाँ आवश्यक हो जाता है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, जो इस क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय है, ने इस मार्ग पर अपना कड़ा नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया है। कुछ गोपनीय विवरणों से यह भी संकेत मिले कि ईरान के भीतर प्रशासनिक और सैन्य नेतृत्व के मध्य इस विषय पर मतभेद थे कि इस जलमार्ग का उपयोग किस सीमा तक एक हथियार के रूप में किया जाना चाहिए। एक पक्ष जहां इसे कूटनीतिक सौदेबाजी का साधन मानता था, वहीं दूसरा पक्ष इसे पूर्णतः अवरुद्ध करने के पक्ष में था। इन आंतरिक विरोधाभासों ने स्थिति को और अधिक अनिश्चित बना दिया था। इस अनिश्चितता का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। अप्रैल 2026 के उन दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में अभूतपूर्व उछाल देखा गया, जिससे विश्व भर के शेयर बाजारों में अस्थिरता व्याप्त हो गई। भारत के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती थीः एक ओर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और दूसरी ओर ईरान के साथ अपने पारंपरिक मित्रवत संबंधों को बचाए रखना। भारत ने अपनी कूटनीति का परिचय देते हुए संतुलन बनाए रखा। उसने जहां फायरिंग की निंदा की, वहीं संवाद के द्वार भी खुले रखे। इसके परिणामस्वरूप ईरान ने भी बाद में नरम रुख अपनाते हुए भारत के साथ संबंधों की महत्ता को स्वीकार किया और वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने पर सहमति व्यक्त की।

यह संपूर्ण घटनाक्रम इस सत्य को उजागर करता है कि भविष्य में समुद्री मार्ग ही शक्ति प्रदर्शन के मुख्य केंद्र होंगे। अब युद्ध केवल भूमि तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आर्थिक नाकाबंदी और व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण आधुनिक युद्धनीति के प्रमुख अंग बन चुके हैं। 18 अप्रैल 2026 की उस घटना ने भारत को अपनी भविष्य की समुद्री रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए विवश किया है। भारत अब वैकल्पिक ऊर्जा मार्गों और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि किसी भी एक मार्ग की अस्थिरता देश की अर्थव्यवस्था को पंगु न बना सके। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समुद्री सुरक्षा के नियमों को कड़ाई से लागू करने के लिए भारत की आवाज अब पहले से कहीं अधिक बुलंद हुई है। यह फायरिंग केवल एक आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि एक नए युग की आहट थी जिसमें समुद्री संप्रभुता ही राष्ट्रों की वास्तविक शक्ति का निर्धारण करेगी। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट विश्व की प्रमुख शक्तियों के बीच चल रहे संघर्ष का एक छोटा सा अंश था, जिसने भारत को अपनी सुरक्षा तैयारियों और कूटनीतिक कौशल को परखने का एक गंभीर अवसर प्रदान किया। आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की स्थिरता ही यह तय करेगी कि वैश्विक व्यापार कितना सुरक्षित और निर्बाध रह पाता है।

(आलेख)

ज्ञान, संस्कार और चरित्र से ही श्रेष्ठ समाज और राष्ट्र का निर्माण।

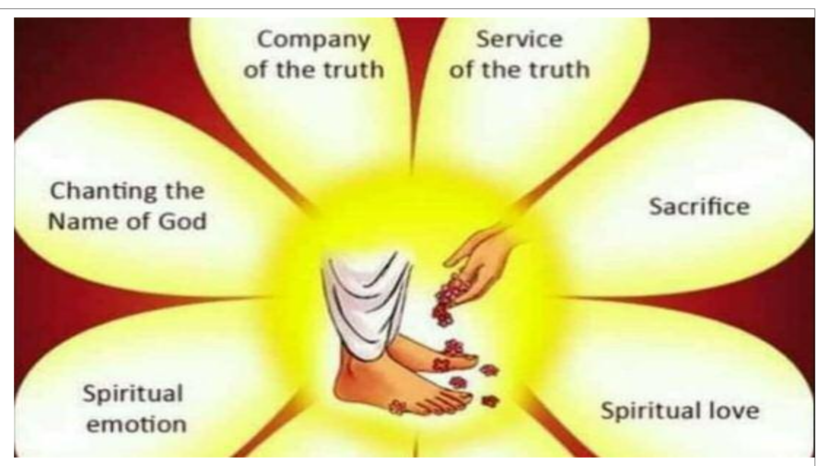

विचार और सिद्धांत व्यक्ति के अंदर की अतः प्रज्ञा होती है। और यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए अंतरात्मा को प्रभावित करती है और इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतःप्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर प्रस्फुटित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा धाराओं का उल्लंघन भी है।

किसी स्वस्थ,स्वतंत्र राष्ट्र के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारधारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार स्तंभकार,लेखक, चिंतक, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

छिपा है रेत में सिर...!

सवालों की धूप में हम सबने आँखें मूँद लीं,
रेत में सिर छिपाकर सच से ये दूरी चुन ली।
हर आवाज उठी थी अधिकारों के नाम पर,
गूँज बनकर रह गई सियासत के जाम पर।

महिलाओं के सपने 'आधे' क्यों तौले जाए?
बराबरी हक है उसे 33 पे क्यों रोका जाए?
दो दिन की बहसों में हम सच को भूल जाते,
भीड़ के शोर में अपने 'जमीर' को डुबा पाते।

सोशल की चकाचौंध में चेहरे सब चमकते हैं,
पर भीतर के अंधेरे कब किसे कहाँ दिखते हैं?
हर बार यही हो रहा थोड़ा शोर, फिर सन्नाटा,
जैसे कुछ हुआ ही नहीं, सभी कुछ था घाटा।

सवाल अभी जिंदा है, क्या हम सच में जागेंगे?
या फिर शुतुरमुर्ग बनकर हर बार यूँ ही भागेंगे?
रेत से सिर उठाओ हकीकत से आँख मिलाओ,
खामोशी भी अभी सबसे बड़ा 'जुर्म' हैं बताओ।

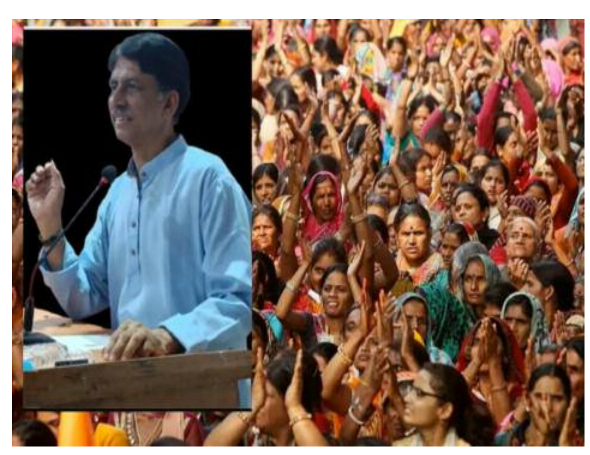

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
(स्व-रचित, मौलिक व अप्रकाशित)

21 अप्रैलः राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस]

जब व्यवस्था बोलती है, तो नाम सिविल सेवकों का होता है

प्रशासन नहीं, परिवर्तन का विज्ञानः सिविल सेवा दिवस

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस उस अदृश्य शक्ति का उत्सव है जो देश की शासन व्यवस्था को गति, स्थिरता और दिशा प्रदान करती है। 21 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिन उन सिविल सेवकों के योगदान को रेखांकित करता है, जो केवल प्रशासनिक पदों पर नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में कार्य करते हैं। ये अधिकारी योजनाओं को नीति-पत्रों से निकालकर समाज की वास्तविक जरूरतों से जोड़ते हैं और विकास को जमीनी स्तर पर जीवंत बनाते हैं। संकट की घड़ी हो या विकास की चुनौती, उनकी त्वरित निर्णय क्षमता और निष्ठा पूरे राष्ट्र को संतुलन और विश्वास देती है। यह अवसर हमें उनके मौन लेकिन प्रभावशाली योगदान को समझने और एक ऐसे प्रशासन के निर्माण का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है, जो अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और जनकेंद्रित हो। राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का ऐतिहासिक आधार उतना ही प्रेरक है जितना इसका वर्तमान संदेश। 21 अप्रैल 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने दिल्ली के मेटकाफ हाउस में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रथम बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने उन्हें ह्यदेश का स्टील फ्रेमह्ल (स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया) कहा, जो एक मजबूत, निष्पक्ष और ईमानदार प्रशासन की राष्ट्र निर्माण में अनिवार्य भूमिका को दशार्ता है। उनका यह संदेश सिविल सेवकों के लिए निर्भीकता, निष्पक्षता और जनसेवा की स्पष्ट दिशा बन गया। यह दिवस उसी विचार को जीवंत करता है, जब प्रशासनिक सेवाओं के महत्व को पुनः स्मरण करते हुए उनके योगदान को सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया जाता है तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका को और अधिक सशक्त करने का संकल्प लिया जाता है।

फाइलों के पीछे की फौजः जो भारत को हर दिन चलाती है

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का उद्देश्य सिविल सेवकों के योगदान को सम्मान देना ही नहीं, बल्कि उन्हें जनसेवा में अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनने की प्रेरणा देना है। इस अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/जिलों/संगठनों को प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं, जो उनके उल्लेखनीय प्रयासों और सफल क्रियान्वयन का सम्मान है। यह सम्मान न केवल उनकी मेहनत को मान्यता देता है, बल्कि पूरे प्रशासन तंत्र में बेहतर कार्य की प्रेरणा भी पैदा करता है। साथ ही यह दिन पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-केंद्रित शासन को मजबूत करने का संदेश देता है, ताकि सरकारी योजनाएँ बिना बाधा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सकें।

भारत जैसे देश में, जहाँ सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता अत्यधिक है, सिविल सेवकों की भूमिका केवल प्रशासन तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवनरेखा के समान है। वे नीतियों को लागू करने वाले साधारण कार्यकर्ता नहीं, बल्कि समानता, न्याय और सामाजिक सद्भाव के वास्तविक रक्षक हैं। विकास योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाना, वंचित और कमजोर वर्ग के अधिकारों को सुनिश्चित करना तथा समाज को एकता के सूत्र में बाँधना–ये सभी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ उनके कंधों पर होती हैं। संकट के समय उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। चाहे कोविड-19 जैसी महामारी हो, बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ हों या कोई अन्य राष्ट्रीय संकट, सिविल सेवक सदैव अग्रिम पंक्ति में रहकर देश को संभालते हैं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर सख्ती, विशेष अभियान चलाकर होगी कड़ी कार्रवाई

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। जनपद में मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर के प्रयोग से बढ़ते ध्वनि प्रदूषण पर अब परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में विशेष अभियान चलाकर नियम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (लखनऊ खंडपीठ) द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

जागरूकता और निगरानी दोनों पर जोर

अभियान के तहत ट्रांसपोर्ट यूनियनों, मोटर गैराज और वर्कशॉप संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही परिवहन विभाग के हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर आमजन से शिकायतें दर्ज कराने की अपील की जाएगी।

औचक निरीक्षण और सख्त कार्रवाई

विभाग द्वारा मोटर गैराज और वर्कशॉप का औचक निरीक्षण किया जाएगा। यदि कहीं मॉडिफाइड साइलेंसर या ध्वनि प्रदूषण बढ़ाने वाले उपकरणों की बिक्री या फिटिंग पाई जाती है तो संबंधित संचालकों पर मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें भारी जुमार्ना भी शामिल होगा।

वाहन स्वामियों पर भी होगी कार्रवाई

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अनधिकृत रूप से वाहन में बदलाव करने वाले मालिकों पर भी कार्रवाई की जाएगी। सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे वाहन चलाने पर चालान के साथ-साथ ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही भी की जाएगी।

इसके अलावा मॉडिफाइड साइलेंसर पाए जाने पर संबंधित वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र (आरसी) के निलंबन की कार्रवाई भी प्राथमिकता पर होगी।

जन-जागरूकता भी अभियान का हिस्सा

परिवहन विभाग ने कहा कि प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे ताकि लोगों को समझाया जा सके कि मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग न केवल अवैध है, बल्कि यह ध्वनि प्रदूषण और सड़क सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अभियान की नियमित समीक्षा की जाएगी।

श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य को लेकर जिलाधिकारी की स्वास्थ्य विभाग एवं निजी अस्पताल संचालकों के साथ बैठकें जारी

औद्योगिक इकाइयों, कंस्ट्रक्शन साइट और लेबर कॉलोनी में नियमित मेडिकल कैंप लगाने के दिए निर्देश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जनपद में श्रमिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं नोएडा के निजी अस्पताल संचालकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक सेक्टर-27 स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि गौतमबुद्धनगर को उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में जाना जाता है, जहां बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं और लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। ऐसे में श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

निजी अस्पतालों की सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर

जिलाधिकारी ने निजी अस्पताल संचालकों से अपील की कि वे अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड का उपयोग कर औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित करें। उन्होंने महिला श्रमिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

गंभीर बीमारियों की जांच पर विशेष फोकस

उन्होंने कहा कि मेडिकल कैंपों में श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए नेत्र परीक्षण के साथ-साथ ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच की व्यवस्था भी होनी चाहिए। इसके अलावा मिनी ओपीडी, मोबाइल मेडिकल वैन और नेत्र जांच शिविर के माध्यम से जरूरतमंदों को चश्मा एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए।

कंस्ट्रक्शन साइट्स पर स्वास्थ्य सेवाएं अनिवार्य

जिलाधिकारी ने कंस्ट्रक्शन साइट्स पर कार्यरत श्रमिकों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर और मोबाइल मेडिकल सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में निजी अस्पताल सक्रिय सहयोग करें।

माइक्रो प्लान और नोडल अधिकारी की व्यवस्था

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सभी निजी अस्पताल स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर विस्तृत माइक्रो प्लान तैयार करें तथा प्रत्येक अस्पताल में एक नोडल अधिकारी नामित कर सूची उपलब्ध कराएं, ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं अस्पताल संचालकों से सुझाव भी प्राप्त किए गए, जिनके आधार पर जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय राणा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंदन सोनी सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

अवैध शस्त्र के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद

जारचा पुलिस की कार्रवाई, 315 बोर का अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस मिला

गौतमबुद्धनगर। थाना जारचा पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता

से अवैध शस्त्र के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी को ग्राम ऊंचा अमीरपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान दीपक शर्मा पुत्र धनेश शर्मा, निवासी ग्राम खंगोड़ा, थाना जारचा, उम्र 22 वर्ष के रूप में हुई है। बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

ईएसआईसी अस्पताल में श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। जनपद के श्रमिकों को बेहतर, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने सेक्टर-24, नोएडा स्थित ईएसआईसी अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण करते हुए सेवाओं में सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के उपरांत आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रशासन एवं चिकित्सकों के साथ मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने उपचार की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकीय स्टाफ की स्थिति, समयबद्ध इलाज व्यवस्था तथा आपातकालीन सेवाओं के संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

विभिन्न विभागों का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने ओपीडी, दवा वितरण केंद्र, इमरजेंसी वार्ड, प्रयोगशाला और कैंटीन सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से संवाद कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी भी ली।

गुणवत्तापूर्ण सेवाओं पर जोर

उन्होंने कहा कि श्रमिकों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने डॉक्टरों की नियमित उपलब्धता, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की कार्यशीलता तथा दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही जिलाधिकारी ने कैंटीन में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता, पैकेज्ड खाद्य सामग्री की एक्सपायरी डेट की नियमित जांच और सतत निगरानी सुनिश्चित करने को भी कहा।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि अस्पताल की सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, ईएसआईसी निदेशक, एसीएमओ तथा वरिष्ठ चिकित्सक एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

दिव्यांगजन हेतु कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत शिविरों का होगा आयोजन

21 अप्रैल से 12 मई तक विभिन्न विकासखंडों एवं नगर पंचायतों में लगेंगे चिन्हांकन शिविर

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने जानकारी दी कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित "कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना" के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों के लिए जनपद में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ऐसे दिव्यांगजन, जिन्हें पिछले तीन वर्षों में सहायक उपकरण प्राप्त नहीं हुए हैं (संस्थागत रूप से अध्ययनरत छात्रों को छोड़कर), वे इस योजना के लिए पात्र होंगे।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

पात्र लाभार्थी विभाग की वेबसाइट https://divyangjanup.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा आवश्यक प्रपत्र डाउनलोड कर शिविरों में जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त चिन्हांकन शिविरों के माध्यम से भी आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन शिविरों में दिव्यांग पेंशन, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना तथा यूडीआईडी कार्ड से संबंधित जानकारी एवं आवेदन की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

शिविरों का कार्यक्रम

शिविरों का आयोजन प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक किया जाएगा–

21 अप्रैल 2026: विकासखंड परिसर दादरी

25 अप्रैल 2026: विकासखंड परिसर बिसरख

28 अप्रैल 2026: विकासखंड परिसर जेवर

06 मई 2026: नगर पंचायत दनकौर परिसर

12 मई 2026: नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय, सेक्टर-19 नोएडा

इन सभी शिविरों में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

आवश्यक दस्तावेज

शिविर में लाभार्थियों को दिव्यांग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र (बीपीएल), निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर के साथ उपस्थित होकर पंजीकरण कराना होगा।

अधिकारियों ने दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

श्रमिकों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु कार्यालय अपर श्रमायुक्त में कॉल सेंटर स्थापित

हेल्पलाइन नंबर और ईमेल के माध्यम से दर्ज होंगी शिकायतें, शीघ्र समाधान का दावा

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। जनपद के श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए कार्यालय अपर श्रमायुक्त, गौतमबुद्धनगर में कॉल सेंटर की स्थापना की गई है। यह कॉल सेंटर जी-25ए, सेक्टर-03, नोएडा स्थित कार्यालय में संचालित होगा।

अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी ने जानकारी दी कि श्रमिक अपनी शिकायतें हेल्पलाइन नंबर 0124-126892 अथवा ईमेल complaint.dlcnoida@gmail.com के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य श्रमिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना और शिकायत निस्तारण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना है। अधिकारियों के अनुसार कॉल सेंटर के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाएगा, जिससे श्रमिकों को विभागीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण की संशोधित समय-सारणी जारी

21 अप्रैल से 10 जून 2026 तक चलेगा पुनरीक्षण कार्य, अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे कार्यालय

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ने जनपद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम की संशोधित समय-सारणी जारी कर दी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 अप्रैल 2026 से 28 मई 2026 तक मतदाताओं का डी-डुप्लीकेशन एवं कम्प्यूटरीकरण का कार्य किया जाएगा।

इसके पश्चात 29 मई 2026 से 09 जून 2026 तक मतदान केंद्रों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों की वार्ड मैपिंग, मतदाता सूची का क्रमांकन, एसवीएन आवंटन, मतदाता सूची का डाउनलोड एवं फोटो प्रतियों की तैयारी की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। अंत में 10 जून 2026 को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन जनसामान्य के लिए किया जाएगा।

अवकाश के दिनों में भी कार्य जारी रहेगा

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान आने वाले सभी सार्वजनिक अवकाश दिवसों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे, ताकि निर्धारित समय-सारणी के अनुसार कार्य समय पर पूर्ण किया जा सके।

प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न हो। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर की बैठक में अवैध नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिछले माह अवैध नशे के स्रोतों के विरुद्ध की गई प्रवर्तन कार्रवाई की समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान समाज कल्याण विभाग, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, जीएसटी विभाग, आबकारी विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों ने अवैध नशे के खिलाफ की गई छापेमारी और कार्रवाई की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

समन्वित कार्रवाई पर जोर

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ आपसी समन्वय बनाकर प्रभावी और निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण के लिए मजबूत सूचना तंत्र और संयुक्त अभियान आवश्यक है।

जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जनपद में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को अवैध नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया जाए, ताकि समाज में नशे की प्रवृत्ति को रोका जा सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, एसीपी कल्पना गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, ड्रग इंस्पेक्टर जय सिंह, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के नरेंद्र खारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में माटीकला आधारित उद्यम स्थापित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत 10 लाख रुपये तक ऋण एवं 25 प्रतिशत सब्सिडी का लाभ

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। जनपद में माटीकला आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अंतर्गत इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित इस योजना के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में माटीकला से संबंधित उद्यम स्थापित करने के लिए बैंक के माध्यम से अधिकतम 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही सभी वर्गों के पुरुष एवं महिला लाभार्थियों को 25 प्रतिशत मार्जिन मनी (सब्सिडी) भी प्रदान की जाती है।

प्रशिक्षण की भी सुविधा

योजना के अंतर्गत मिट्टी से बने उत्पाद जैसे बर्तन, खिलौने, मूर्तियां, गिलास, सजावटी सामान, गमले एवं घड़े आदि के निर्माण के लिए कारीगरों एवं उद्यमियों को 03 दिवसीय, 07 दिवसीय एवं 15 दिवसीय प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

पात्रता मानदंड

आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए तथा वह कम से कम 5वीं कक्षा उत्तीर्ण या साक्षर होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक का जनपद गौतमबुद्धनगर का निवासी होना अनिवार्य है।

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि

इच्छुक अभ्यर्थी केवल ऑनलाइन माध्यम से upmatikalabord.in वेबसाइट पर जाकर 30 मई 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। वेबसाइट पर योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, कक्ष संख्या 206-207, विकास भवन सूरजपुर, गौतमबुद्धनगर में संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा 9580503196 एवं 9599355293 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

जनपद में शराब दुकानों व बारों का आकस्मिक निरीक्षण, नियमों के पालन पर सख्ती

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशों के क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी के पर्यवेक्षण में जनपद में व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत दिनांक 19/04/2026 को आबकारी निरीक्षकों द्वारा देशी शराब की दुकानों, कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप, प्रीमियम रिटेल शॉप एवं बार अनुज्ञापनों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही कैंटीनों की भी गहन जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान सभी दुकानों पर नियमों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की गई तथा गोपनीय टेस्ट परचेज भी कराए गए, ताकि बिक्री व्यवस्था की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

अधिकारियों ने सभी अनुज्ञापियों और विक्रेताओं को निर्देशित किया कि प्रत्येक दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग रियल टाइम में संचालित रहे और सभी बिक्री अनिवार्य रूप से पीओएस मशीन के माध्यम से ही की जाए।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। (सौजन्यः सूचना विभाग,

नोएडा में बजरंग दल का विशाल विरोध प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

हिंदू समाज की सुरक्षा, लव जिहाद व अवैध धर्मांतरण पर सख्त कानून की मांग

समाज जागरण

नोएडा। नोएडा महानगर के बजरंग दल संयोजक विनोद चौहान के नेतृत्व में राष्ट्रीय एवं सामाजिक व्यवस्था को लेकर एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन शहर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में कथित रूप से बढ़ रही कट्टर मानसिकता और हिंदू समाज की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर किया गया।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बिजली घर के सामने एकत्रित हुए। यहां से 'जय श्रीराम' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ विशाल मार्च निकाला गया। कार्यक्रम के समापन पर हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया।

सुरक्षा और संस्कृति की रक्षा का संकल्प

बजरंग दल संयोजक विनोद चौहान ने कहा कि राष्ट्र, संस्कृति और समाज की सुरक्षा के लिए उनका संकल्प अटल है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की बहन-बेटियों की सुरक्षा और अस्मिता के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद मंत्री दिनेश महावर ने कहा कि लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कठोर कानून और त्वरित कार्रवाई आवश्यक है।

ज्ञापन सौंपा गया

प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें विभिन्न सामाजिक और सुरक्षा संबंधी मांगें रखी गईं।

शांतिपूर्ण आयोजन की सराहना

कार्यक्रम के समापन पर अनिल चतुर्वेदी ने पुलिस प्रशासन द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि पूरे आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने में नोएडा पुलिस का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजीव, प्रचार प्रसार प्रमुख राहुल द्विवेदी, सह संयोजक विनोद बोक्सर, एम.के. श्रीवास्तव, अमर सिंह परिहार, ब्रह्मपाल सिंह, लगनी देवी, अभिषेक गुप्ता, बृजेश पंडित सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनपद में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 30 पौवा देशी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

गौतमबुद्धनगर में आबकारी विभाग का प्रवर्तन अभियान जारी, बीटा-2 क्षेत्र में हुई कार्रवाई

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर के मार्गदर्शन तथा जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में जनपद में अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 एवं थाना बीटा-2 की संयुक्त टीम द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। टीम ने एओएचडब्ल्यूओ ट्विन टावर सोसाइटी के पीछे ग्रीन बेल्ट क्षेत्र से एक व्यक्ति को अवैध शराब की बिक्री करते हुए पकड़ा। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नईम पुत्र बली अहमद के रूप में हुई है, जिसके कब्जे से 30 पौवा देशी शराब (200 एमएल प्रति पौवा, कुल मात्रा लगभग 6 लीटर) बरामद की गई।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना बीटा-2 में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

पुरानी रंजिश में दो पक्षों के बीच विवाद, चार लोग शांति भंग की आशंका में हिरासत में

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने ढौकलपुरा गांव से चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। थाना जारचा क्षेत्र के ग्राम ढौकलपुरा में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद और मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों को काफी समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वे नहीं माने और और अधिक आक्रामक होकर झगड़े पर उतारू हो गए। मौके पर बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने से शांति भंग होने की आशंका उत्पन्न हो गई। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें जयचन्द, सतीश, रामकुमार और शिवम शामिल हैं, जो सभी ग्राम ढौकलपुरा थाना जारचा के निवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को शांति भंग होने एवं संज्ञेय अपराध की आशंका के आधार पर संबंधित धाराओं के अंतर्गत हिरासत में लिया गया है।

नामजदगी को लेकर विवाद, दो युवक शांति भंग की आशंका में हिरासत में

गौतमबुद्धनगर, 20 अप्रैल 2026। थाना जारचा क्षेत्र के ग्राम बिसाहड़ा में नामजदगी को लेकर दो पक्षों के बीच सड़क पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों में बहस और झगड़े की नौबत आ गई, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे शांत नहीं हुए और और अधिक आक्रामक होकर आपस में झगड़ने पर उतारू हो गए। मौके पर लोगों की भीड़ बढ़ने लगी, जिससे शांति भंग होने की आशंका उत्पन्न हो गई। स्थिति को नियंत्रित करते हुए पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया। इनमें विकास और देव प्रताप उर्फ देवा शामिल हैं, जो ग्राम बिसाहड़ा थाना जारचा के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को शांति भंग होने एवं संज्ञेय अपराध की आशंका के आधार पर संबंधित धाराओं में हिरासत में लिया गया है।

अक्षय तृतीया पर जरूरतमंद लोगों को दी गई सामग्री

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद जॉयंट्स ग्रुप ऑफ फिरोजाबाद सशक्त नारी द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जरूरतमंदों के लिए सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री, कपड़े, मटका एवं चटाई आदि का दान दिया गया।

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए कार्य करते हुए राहगीरो को गन्ने का रस पिलाकर उन्हें ठंडक और राहत प्रदान की गई।

साथ ही ग्रुप की सदस्याओं ने अपने-अपने घरों में कार्य करने वाले सहायको को भी आवश्यक वस्तुएँ दान स्वरूप प्रदान कीं।

इस अवसर पर फेडरेशन उपाध्यक्ष श्रीमती सौम्या चौहान, यूनिट डायरेक्टर प्राची अग्रवाल, फेडरेशन ऑफिसर श्रीमती वर्तिका जैन का सहयोग रहा।

कार्यक्रम में ग्रुप की अध्यक्षा निधि जैन

प्रशासनिक निदेशिका मेघा जैन, वित्त निदेशिका अनु जिंदल और समूह की सदस्याओं प्रीति गर्ग, ऋचा गर्ग, पूजा मित्तल, दिव्या दुबे, जूही अग्रवाल एवं शिवाली जैन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव: परशुराम शिविर में हवन-पूजन, भव्य फूल बंगला सजाया गया।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर महर्षि भगवान परशुराम जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में रामलीला मैदान स्थित भगवान परशुराम शिविर में विधिवत हवन-पूजन का आयोजन किया गया तथा प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिलाध्यक्ष पंडित शिव कुमार शर्मा एडवोकेट के निर्देशन में संपन्न हुआ।

हवन-पूजन का अनुष्ठान पंडित आचार्य राकेश राजोरिया द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया।जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति देकर समाज की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर विशेष रूप से परशुराम शिविर को आकर्षक एवं भव्य फूल बंगले

से सजाया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र शर्मा उर्फ वेवी का सम्मान भी किया गया

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष पंडित शिव कुमार शर्मा, महिला जिलाध्यक्ष पंडित मिथलेश शर्मा, महर्षि भगवान परशुराम शोभायात्रा अध्यक्ष पंडित सुनील वशिष्ठ, संयोजक लक्ष्मण तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष पंडित संदीप तिवारी,पंडित उमाकांत पचौरी,पंडित श्रीमती कमलेश शर्मा, पंडित मीनाक्षी मिश्रा, पंडित योगेंद्र मोहन शर्मा, पंडित प्रशांत वशिष्ठ, पंडित शुभम शर्मा बिट्टू,पंडित अश्वनी राजोरिया, पंडित आशीष दीक्षित, पंडित नरेंद्र वशिष्ठ, पंडित तरुण उपाध्याय, पंडित सारांश उपाध्याय और पंडित राजेश शर्मा समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसी क्रम में एक विशेष अवसर पर जिला ब्राह्मण महासभा फिरोजाबाद (पंजीकृत) द्वारा वरिष्ठ पत्रकार पंडित महेंद्र शर्मा जी के सेवा निवृत्त होने पर उनका सम्मान किया गया। इस दौरान उन्हें शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया, जिस पर उपस्थित जनों ने उनके योगदान की सराहना की। इस आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का संदेश भी दिया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता देखने को मिली।

जनगणना प्रशिक्षण के दौरान अनुपस्थित रहने पर होगी कड़ी कार्रवाई-सीडीओ

समाज जागरण

फिरोजाबाद। महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में चल रहे तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध जिला प्रशासन ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विशु राजा ने प्रशिक्षण सत्र से अनुपस्थित रहने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों के खिलाफ जनगणना अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रशिक्षण के प्रथम दिन ही सभी कार्मिकों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी गई थी, साथ ही उन्हें अवगत कराया गया था की जनगणना जैसा राष्ट्रीय कार्य अनिवार्य है, इसमें किसी भी प्रकार की अनुपस्थिति या लापरवाही पाए जाने पर सीधे जनगणना अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को बख्शा नहीं जाएगा, प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य कार्य को त्रुटिहीन बनाना है, ऐसे में अनुपस्थिति सीधे तौर पर कार्यों में बाधा डालने के समान है।

छत पर सो रही युवती से छेड़छाड़, विरोध पर दी जान से मारने की धमकी

दैनिक समाज जागरण

संभल/असमोली। थाना क्षेत्र के एक गांव में युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गांव के ही एक युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी एक युवती 19 अप्रैल 2026 की रात करीब 2:30 बजे अपने घर की छत पर अकेली सो रही थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस का ही एक युवक घर में घुस आया और उसे बुरी नीयत से दबोचकर छेड़छाड़ करने लगा।

युवती द्वारा विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया।

घटना के बाद पीड़िता सुबह असमोली थाने पहुंची और पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की हैं।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप दो दिन पहले ही जेल से आया था मृतक

दैनिक समाज जागरण

संभल/असमोली। थाना क्षेत्र के गांव देहरी जग्गू की मिलक में सोमवार सुबह करीब 8.00 बजे पखड़ के पेड़ पर एक युवक का शव लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और पुलिस भी तत्काल पहुंच गई।

ग्रामीणों के अनुसार, कुछ लोग सुबह जंगल की ओर गए थे, तभी उन्होंने ऋषि पाल के खेत में खड़े पखड़ के पेड़ पर शव लटका देखा। सूचना पर अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को भी जानकारी दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया। ग्रामीणों ने मृतक की पहचान खेमपुर कपिल (पुत्र पप्पू) के रूप में की। मृतक की बुआ शशिबाला ने बताया कि कपिल

उनका भतीजा है और शव उनकी ही खेत पर खड़े पखड के पेड़ से लटका मिला।

मृतक की मां प्रेमवती ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले कपिल का गांव मिलक निवासी संजय की पुत्री पायल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी मामले में कपिल जेल चला गया था और 17 अप्रैल 2026 को ही करीब 500 दिन बाद जेल से जमानत पर वापस घर आया था।

परिजनों के मुताबिक, 19 अप्रैल को कपिल गांव तलवार में तिलक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। शाम को घर लौटने के बाद रात करीब 8 बजे वह घर से निकला, लेकिन वापस नहीं आया। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। सोमवार सुबह उसके शव मिलने की सूचना मिली।

मृतक की मां ने आरोप लगाया कि पायल के परिजनों ने कपिल को बुलाकर उसकी हत्या की और शव को फांसी पर लटका दिया। यही आरोप मृतक की बुआ शशिबाला ने भी लगाए हैं।

वहीं दूसरी ओर, पायल ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि रविवार शाम कपिल का फोन आया था, जिसमें वह उसके भाई को धमकी दे रहा था। इसके बाद उसने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। उसने घटना से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया।

पायल की मां सरोज और ताई मुन्नी देवी ने भी सभी आरोपों को गलत बताया और कहा कि उनके परिवार का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। घटना की सूचना पर एसपी कुलदीप कुमार भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

एएसपी उत्तरी कुलदीप कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल में लगी आग, चार बीघा फसल जलकर राख

दैनिक समाज जागरण

संभल। असमोली थाना क्षेत्र के गांव गुमसानी में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब 11000 वोल्ट की बिजली लाइन से निकली चिंगारी ने गेहूं की खड़ी फसल को आग के हवाले कर दिया।

गांव निवासी लियाकत पुत्र रहमान के खेत के ऊपर से गुजर रही 11000 की हाईटेंशन लाइन में करीब 3:00 बजे अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे निकली चिंगारी नीचे गेहूं की फसल पर गिर गई, जिससे देखते ही देखते आग फैल गई। आग इतनी तेजी से फैली कि किसान कुछ समझ पाते, उससे पहले ही करीब चार बीघा गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई।

घटना की सूचना तुरंत विद्युत विभाग को दी गई। वहीं मौके पर क्षेत्रीय लेखपाल भी पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है।

पीड़ित किसान लियाकत ने प्रशासन से मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से उचित जांच कराकर पीड़ित को आर्थिक सहायता दिलाने की अपील की है।

कार की टक्कर से बाइक सवार महिला और पुरुष की मौत

समाज जागरण

फिरोजाबाद सिरसागंज थाना क्षेत्र में रविवार देर रात कोरारा-बटेश्वर मार्ग पर कार ने बाइक सवार प्रोफेसर और स्टाफ नर्स को रौंद दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक कार को छोड़कर भाग गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर आई। चिकित्सकों ने दोनों कोऔ परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवा दिया। जहां मृतकों के परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए। जिनमें कोहराम मच गया

शिकोहाबाद के नई बस्ती निवासी 45 वर्षीय विनय कुमार शर्मा पुत्र अवधेश कुमार शर्मा पालीवाल कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर तैनात थे। वे रविवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय निवासी 45 वर्षीय स्टाफ नर्स नीलम सिंह पत्नी चंद्रभान सिंह के साथ सिरसागंज गए थे। रात दो बजे दोनों लोग बाइक से शिकोहाबाद वापस लौट रहे थे। उसी दौरान कोरारा-बटेश्वर मार्ग पर अमौर नहर के निकट सामने तेज गति से आ रही कार ने उन्हें रौंद दिया। हादसे में बाइक और कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह देखकर चालक कार मौके पर छोड़कर भाग गया। सूचना मिलने पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस घायलों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शवों को मोर्चरी में रखवा दिया। जहां सोमवार सुबह जानकारी होने पर मृतकों के परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए। जहां शवो को देख संबंधित परिजनों में कोहराम मच गया विनय के परिजनों ने बताया कि वे अविवाहित थे। उनके पिता की दो साल पूर्व बीमारी से मौत हो गई थी। वह दो भाईयों में सबसे बड़े थे और छोटा भाई इंदौर में नौकरी करता है। वह घर पर अपनी मां के साथ रहते थे। स्टाफ नर्स के परिजनों ने बताया कि उनके पति मेडिकल कॉलेज के जिला अस्पताल में चीफ फार्मासिस्ट थे। दो माह पूर्व उनकी बीमारी के चलते मृत्यु हो गई थी। स्टाफ नर्स अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी को रोता बिलखता हुआ छोड़ गई है। थाना प्रभारी वैभव कुमार सिंह ने बताया कि कार ने बाइक सवार एक महिला और व्यक्ति को रौंद दिया है। जिससे दोनों की मौत हो गई है। कार को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर के आधार पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों के शवों परिजनों को सौंप दिए हैं।

स्मार्ट मीटर पर यूपीपीसीएल की बड़ी पहल, उपभोक्ताओं के लिए जारी हुई विस्तृत गाइडलाइन

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने प्रदेशभर में लगाए जा रहे स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं की समस्याओं, शंकाओं और भ्रांतियों को दूर करने के लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। इस पहल का उद्देश्य नई व्यवस्था को सरल बनाना और उपभोक्ताओं को तकनीकी जानकारी के साथ जागरूक करना है।

विभाग के अनुसार स्मार्ट मीटर आधुनिक तकनीक से लैस होता है, जो बिजली की खपत को मापने के साथ-साथ स्वतः रीडिंग विभाग तक भेजता है। इससे मीटर रीडर की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

यूपीपीसीएल ने स्पष्ट किया है कि पुराने उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर लगाना पूरी तरह निःशुल्क है, जबकि नए कनेक्शन पर नियमानुसार शुल्क लिया जाएगा। विभाग ने यह भी बताया कि स्मार्ट मीटर लगने से बिजली दरों में कोई वृद्धि नहीं होगी। प्रीपेड मोड अपनाने वाले उपभोक्ताओं को 2 प्रतिशत तक की छूट भी मिलेगी।

स्मार्ट मीटर के जरिए उपभोक्ता अपने दैनिक बिजली खर्च पर नजर रख सकेंगे और फिजूलखर्ची पर नियंत्रण कर पाएंगे। रिचार्ज की सुविधा मोबाइल ऐप, डिजिटल भुगतान माध्यमों, जन सुविधा केंद्रों और विभागीय काउंटरों के जरिए उपलब्ध होगी। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे “UPPCL Smart App” डाउनलोड कर सभी सेवाओं का लाभ उठाएं।

गाइडलाइन के अनुसार बैलेंस खत्म होने पर तुरंत बिजली नहीं काटी जाएगी। उपभोक्ताओं को 30 दिन का ग्रेस पीरियड और इसके बाद 3 दिन का इमरजेंसी क्रेडिट मिलेगा। साथ ही रात 6 बजे से सुबह 8 बजे तक, रविवार, दूसरे शनिवार और सार्वजनिक अवकाश के दिन बिजली आपूर्ति बाधित नहीं की जाएगी।

पुराने बकाया बिल को पोस्टपेड एरियर के रूप में दशार्या जाएगा, जिसकी वसूली रिचार्ज के माध्यम से किस्तों में की जा सकेगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि बकाया होने पर तत्काल बिजली नहीं काटी जाएगी।

साइबर ठगी से बचाव के लिए यूपीपीसीएल ने उपभोक्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने कहा है कि फर्जी कॉल या संदेशों से सावधान रहें और केवल अधिकृत माध्यमों से ही भुगतान करें।

किसी भी समस्या या शिकायत के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन नंबर 1912 उपलब्ध है, जहां शिकायत दर्ज कराने पर उसका ट्रैक भी किया जाएगा। इसके अलावा व्हाट्सऐप सेवाओं के माध्यम से भी सहायता प्रदान की जा रही है।

सौर ऊर्जा उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर नेट मीटरिंग सुविधा से लैस है, जिससे अतिरिक्त उत्पादित बिजली का समायोजन बिल में किया जा सकेगा।

यूपीपीसीएल ने कहा है कि स्मार्ट मीटर से बिजली व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी, गलत बिलिंग की शिकायतें कम होंगी और उपभोक्ताओं को अपने खर्च की सटीक जानकारी मिलेगी। विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से नई व्यवस्था को अपनाने और किसी भी समस्या पर अधिकृत माध्यमों से संपर्क करने की अपील की है।

आचार्य चाणक्य का जीवन 'वित्तीय शुचिता' का भी आदर्श सन्देश देता है - डॉ. शमशेर जमदग्नि

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर 'डॉ. शमशेर जमदग्नि कहते हैं यह कोई जादू-टोना नहीं है। जब आप आए, मैं राज्य का कार्य कर रहा था एवं दीपक भी राज्य के पैसों से भरे गए तेल वाला जल रहा था। मैंने यह मानते हुए कि आपकी भेंट राज्य के महामंत्री से नहीं, बल्कि ब्राह्मण चाणक्य से है, वह दीपक बुझा दिया एवं अपने पैसों से भरे गए तेल वाला दीपक जला लिया। इस दौरान जब राज्य के कार्यों से संबंधित चर्चा हुई तो दीपक भी राज्य के पैसों से भरे हुए तेल वाला जलाया गया एवं जब व्यक्तिगत वार्ता हुई तो दीपक भी अपने पैसों से भरे हुए तेल वाला जलाया गया। यही आदर्श राजनीति है कि अपना काम तो अपना खर्च एवं राज्य का काम तो राज्य का खर्च।'

'भारतवर्ष के महानतम राजनीतिक चिन्तक आचार्य चाणक्य द्वारा उपरोक्त ऐतिहासिक कथन सिकंदर महान के सेनापति सेल्युकस को उस भेंट वार्ता के दौरान कहा गया था, जब सिकंदर महान के आदेशानुसार उनका सेनापति सेल्युकस आचार्य चाणक्य से मिलने उनके पास गया था और यह देखकर डर गया था कि आचार्य चाणक्य कभी एक दीपक जला रहे हैं एवं कभी दूसरा दीपक जला रहे हैं, अर्थात वे मुझ पर जरूर कोई जादू-टोना कर रहे हैं एवं इस कारण मैं किसी गंभीर संकट में न फंस जाऊ।'

भारतमातरम राष्ट्रपीठ, नई दिल्ली के सूत्रधार डॉ. शमशेर जमदग्नि (अपर आयुक्त, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश) - भारतवादी साहित्यकार, नई दिल्ली द्वारा दिनाँक 19.04.2026 को भगवान श्रीपरशुरामजी के अवतारोत्सव एवं अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क, मुम्बई में श्री समर्थ व्यायाम मन्दिर, मुम्बई द्वारा आयोजित '52वें समर्थ वार्षिक क्रीड़ा ग्रीष्म प्रशिक्षण शिविर-2026' के ध्वजारोहण के शुभ अवसर पर 'मुख्य अतिथि' के रूप में अपने विशिष्ट संबोधन का श्रीगणेश उपरोक्त ऐतिहासिक प्रसंग से किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ.जमदग्नि द्वारा सन्देश दिया गया कि हमारा महान राष्ट्र भारतवर्ष आचार्य चाणक्य जैसे राष्ट्रनायकों की शिक्षा एवं चिंतन पर आधारित विश्व का महानतम राष्ट्र है और आचार्य चाणक्य का जीवन एवं चिंतन हमें अनेक महत्वपूर्ण शिक्षाओं के साथ 'वित्तीय शुचिता' का भी आदर्श सन्देश प्रदान करता है, जिसके लिए उपरोक्त एकमात्र ऐतिहासिक प्रसंग ही पर्याप्त है। फलतः, हम भारतवादियों को ऐसे आदर्श संदेशों को न केवल ग्रहण करना चाहिए, बल्कि ऐसे शिविरों के माध्यम से उन्हें अपने जीवन में स्थायी स्थान भी प्रदान कर देना चाहिए, ताकि अपना महान राष्ट्र भारतवर्ष निकट भविष्य में पुनः विश्व-गुरु के रूप में प्रतिष्ठापित हो सके।

सम्प्रति समर्थ वार्षिक क्रीड़ा ग्रीष्म प्रशिक्षण शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे श्री स्वप्निल नंदकुमार वाडेकर - संस्थापक अध्यक्ष, वेद प्रतिष्ठान, मुम्बई द्वारा भी 'अक्षय तृतीया' की हार्दिक शुभकामनायें के साथ आयोजक मंडल को ऐसे उपयोगी शिविरों के आयोजन के लिए अपना हार्दिक साधुवाद प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि सम्प्रति महत्वपूर्ण शिविर का आयोजन श्री उदय विश्वनाथ देशपांडे (पदमश्री), जो श्री समर्थ व्यायाम मन्दिर, मुम्बई के महासचिव हैं, द्वारा किया गया है, जिसमें सैंकड़ों की संख्या में बाल एवं बालिकाएं 'स्वस्थ तन संग स्वस्थ मन' की जीवनोपयोगी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा आग से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह ने बताया कि शासन द्वारा आग से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, ताकि आमजन बचाव के उपाय अपना कर अपनी जान व माल की सुरक्षा कर सकें। उन्होंने आग से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि घर की वायरिंग की समय-समय पर जांच कराए, आई०एस०आई० मार्क वाले उपकरणों का ही उपयोग करें, एक ही साकेट में अधिक उपकरण न लगाए, गैस सिलेंडर को सीधा रखे, पाइप एवं रेगुलेटर की नियमित जांच करें, रसोई में अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से रखें, घर में छोटे बच्चों को माचिस व लाइटर से दूर रखें तथा सोते समय सभी विद्युत उपकरण बंद कर दें।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक दुकान / प्रतिष्ठान में अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से रखे, फायर एक्सटिंग्विशर की वैधता की नियमित जांच करते रहें, विद्युत तारों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखें, अवैध कनेक्शन से बचें, दुकान के बाहर अतिक्रमण न करें, ताकि आपातकालीन वाइडन आसानी से पहुंच सकें। आपातकालीन निकास एवं मार्ग को खुला रखें, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें, फसल अवशेष को जलाने से बचें। खेतो के आस-पास पानी की व्यवस्था रखें, बिजली के तारों के नीचे सूखी घास व फसल का भंडारण न करें।

उन्होंने जाम सामान्य को सूचित करते हुए कहा कि आग लगने की स्थिति में तुरंत फायर ब्रिगेड (101) एवं स्थानीय प्रशासन को सूचित करें, घबराएं नहीं, शांत रहकर सुरक्षित स्थान की ओर निकले, लिफ्ट का प्रयोग न करें, केवल सीढ़ियों का उपयोग करें, यदि कपड़ों में आग लग जाए तो रूके, लेटे तथा धुएं से बचने के लिए झुककर / घुटनों के बल चलें, आस-पास के लोगो को सचेत करें एवं सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में सहयोग करें। उन्होंने यह भी बताया कि आग लगने की स्थिति में पानी का प्रयोग विद्युत आग में न करें, अफवाहों पर ध्यान न दें एवं भीड़ न लगाएं, गैस रिसाव के समय बिजली के स्विच आन/आफ न करें तथा बिना प्रशिक्षण के आग बुझाने का प्रयास न करें विशेषकर रसायनिक आग को बुझाने का प्रयत्न न करें।

8 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख, किसान नेपाल की आंखों के सामने उजड़ गई सालभर की मेहनत

दैनिक समाज जागरण

संभल (असमोली)। असमोली थाना क्षेत्र के गांव खासपुर में सोमवार देर रात करीब 9 बजे एक दर्दनाक घटना ने किसान परिवार की जिंदगी को झकझोर कर रख दिया। अज्ञात कारणों से गेहूं के खेत में लगी आग ने एक गरीब किसान की सालभर की मेहनत को चंद मिनटों में राख कर दिया। गांव निवासी किसान नेपाल पुत्र प्रेमपाल ने करीब 7 हजार रुपये प्रति बीघा के हिसाब से 8 बीघा खेत किराए पर लेकर खेती की थी। कर्ज लेकर और दिन-रात मेहनत करके उन्होंने गेहूं की फसल तैयार की थी। यह फसल ही उनके परिवार की उम्मीद और सहारा थी।

सोमवार दोपहर करीब 3 बजे नेपाल ने गेहूं की फसल काटकर खेत में इकट्ठा कर दी थी। इसके बाद वह घर खाना खाने चले गए। रात करीब 9 बजे जब वह मशीन लेकर गेहूं निकालने खेत पर पहुंचे, तो वहां का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। खेत में आग धधक रही थी और पूरी फसल जलकर राख हो रही थी।

नेपाल की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। आग ने लगभग पूरी फसल को अपनी चपेट में ले लिया था।

इस घटना के बाद किसान नेपाल पूरी तरह टूट गए हैं। उनकी मां चंद्रावती और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जलीलपुर में भीषण आग से गरीब परिवार तबाह, लाखों का नुकसान

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर चांदपुर, जनपद बिजनौर के चांदपुर क्षेत्र के गांव जलीलपुर में रविवार सुबह भीषण आग लगने से एक गरीब परिवार पूरी तरह तबाह हो गया। आग की इस घटना में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया, जबकि एक भैंस की मौत हो गई और अन्य पशु गंभीर रूप से झुलस गए।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी चंद्रपाल पुत्र जग्गन के कच्चे मकान (छप्पर की झोपड़ी) में सुबह करीब 10 बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया।

आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि उस पर काबू नहीं पाया जा सका।

सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और घर का सारा सामान जल चुका था। घटना की सूचना पर जलीलपुर पुलिस चौकी की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

इस हादसे में एक भैंस की मौत हो गई, जबकि एक गाय, कटरा और कटिया झुलस गए। इसके अलावा 15 मुर्गी के बच्चे भी आग की चपेट में आ गए। आग से करीब 15 कुंटल गेहूं, कपड़े, बर्तन, बिस्तर, भूसा-चारा, दो रिक्शे, सोने-चांदी के जेवर तथा करीब 50 हजार रुपये नकद जलकर नष्ट हो गए।

घटना के बाद पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

लापरवाही से ट्रेक्टर में मारी टक्कर, युवक की मौत परिजनों में कोहराम

समाज जागरण शामली। (फुरकान जंग)

थाना कांधला के ग्राम गंगेरू के निवासी मनोज ने शहर कोतवाली में एक तहरीर देते हुए एक स्कोर्पियो चालक पर लापरवाही से ट्रेक्टर में टक्कर मार दिए जाने से भाई की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कराया है।

कांधला थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी मनोज ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गत दिवस उसका भाई अंकित और अन्य साथी ट्रैक्टर से काम के लिए घर जा रहे थे, तभी बलवा रेलवे पुल के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना के कारण ट्रैक्टर पलट गया और अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में सरवेश पुत्र बिशन सिंह भी घायल हो गए। ट्रैक्टर की सीट पर बैठे अंकित को स्कॉर्पियो की टक्कर से गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हुई है। पुलिस ने मनोज की तहरीर पर स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूर्यदेव ने दस्तक दी और देखते ही देखते गर्मी का प्रकोप बढ़ा

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

सोमवार को तेज धूप और भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। सवेरे से ही आकाश में तेज धूप के साथ सूर्यदेव ने दस्तक दी और देखते ही देखते गर्मी का प्रकोप बढ़ता गया। दिन भर की तपिश ने सड़कों पर लोगों का चलना मुश्किल कर दिया। तेज धूप और गर्म हवाओं के थपेडों के कारण सडके वीरान नजर आई।

पिछले दो दिनों से भीषण गर्मी का प्रकोप छाया हुआ है। सोमवार को धूप की तीव्रता ने लोगों को बेहाल कर दिया। मौसम विभाग ने इस दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री सैल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया। तेज धूप और गर्मी के कारण सड़कों पर भीषण सन्नाटा देखा गया, और लोग घरों से बाहर निकलने में कतराते नजर आए। दोपहर होते-होते तापमान और बढ़ गया, जिससे लोग अपनी सेहत के प्रति सचेत हो गए। इस तपिश से राहत पाने के लिए लोग सिर पर गमछा या छाता रखकर बाहर निकले। वहीं, गर्मी से निपटने के लिए गन्ने का रस, जलजीरा, नींबू पानी और कोल्ड ड्रिंक्स की दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ लग गई। चिकित्सकों ने भी बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी है। चिकित्सक डा. दीपक कुमार ने कहा कि अधिक गर्मी से बचने के लिए पर्याप्त पानी पीना, धूप में अधिक समय तक न रहना और ठंडी चीजों का सेवन करना जरूरी है। गर्मी का यह प्रकोप अभी और बढ़ सकता है, और आने वाले दिनों में अधिक तापमान रिकॉर्ड किए जाने की संभावना है।

दुकान पर बैठे भाइयों के साथ मारपीट, मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

कैराना। दुकान पर बैठे दो सगे भाइयों के साथ मारपीट की गई। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मोहल्ला दरबारकलां निवासी सुहैल ने मुकदमा दर्ज कराया है। बताया है कि उसकी बेदोवाला कुआं स्थित कपड़े की दुकान है। आरोप है कि आसपास के कुछ युवकों ने एक गैंग बना रखा है, जो आए दिन बाजार में दबंगई करते हुए दुकानदारों के साथ गाली-गलौज करते हैं। रविवार शाम करीब पांच बजे सुहैल अपने भाई तौसीफ के साथ दुकान पर बैठा था। तभी आलम, मुस्तफा व सल्लू निवासीगण अंसारियान बेदोवाला कुआं अपने साथियों के साथ लाठी-डंडे, चाकू व सरिये लेकर दुकान में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। उसके भाई को भी पीटा गया। आसपास के दुकानदारों व राहगीरों के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट करने पर चार के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

समाज जागरण

कैराना। मारपीट करने के मामले में चार आरोपियों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई। गांव गोगवान निवासी ऋतिक ठाकुर ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे उसकी चाची सोनिया, दादी और चचेरा भाई आर्यन गांव के पास स्थित देवस्थान पर दीप जलाने गए थे। आरोप है कि वहां गांव के ही कंवरपाल, उसकी पत्नी ओमवती और बेटे सोनू व मोनू ने उनके साथ मारपीट कर दी। घटना में आर्यन और दादी को चोटें आई हैं। पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

जनगणना के लिए प्रशिक्षण कार्य का शुभारंभ

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) भारत सरकार के जनगणना 2027 कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से तहसील स्तर पर प्रशिक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।

सोमवार को तहसील में एसडीएम शिवाजी यादव की अध्यक्षता में जनगणना के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। क्षेत्र में 148 प्रगणकों/सुपरवाइजरों को प्रतिदिन तीन बैचों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुल 12 बैचों के जरिए 596 प्रगणकों/सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण 20 अप्रैल से चार मई 2026 तक संचालित होगा। प्रशिक्षण के दौरान मकान सूचीकरण, मकान गणना तथा अन्य जनगणना से संबंधित कार्यों के विषय में विस्तृत जानकारी दी जा रही है, जिससे जनगणना कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। इस दौरान तहसीलदार/चार्ज अधिकारी अर्जुन चौहान, नायब तहसीलदार सतीश यादव व रजिस्ट्रार कानूनगो कुलदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

दावत खाकर लौट रहे दो युवकों के साथ मारपीट, कार्रवाई की मांग

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे के मोहल्ला रायजादगान में वलीमे की दावत में शामिल होने आए बुढ़ाना निवासी दो युवकों के साथ मारपीट हो गई ।मारपीट में दोनों युवक घायल हो गए। पीड़ितों ने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मुजफ्फरनगर जनपद के कस्बा बुढ़ाना निवासी नसीम का पुत्र रिहान और समीर का पुत्र इरफान कस्बे के मोहल्ला रायजादगान में हसीन के यहां आयोजित वलीमे की दावत में शामिल होने आए थे। आरोप है कि रविवार की देर शाम दावत से लौटते समय जब दोनों युवक कस्बे की नहर पुलिया के पास पहुंचे, तभी कई अज्ञात लोगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल दोनों युवकों ने किसी तरह मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद परिजन घायलों को लेकर थाने पहुंचे, जहां अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने पीड़ितों को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

28वें विशाल भण्डारे का आयोजन आगामी 21, 22, 23 और 24 अप्रैल को

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)मानव सेवा ईश्वर सेवा उत्थान समिति द्वारा जय बाबा बदरी विशाल धाम में 28वें विशाल भण्डारे का आयोजन आगामी 21, 22, 23 और 24 अप्रैल को किया जाएगा। इस भण्डारे का मुख्य आकर्षण भगवान बदरी विशाल के कपाट का प्रातः 6:15 बजे दर्शन होगा, जो 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। भगवान बदरी विशाल के धाम में आयोजित इस भण्डारे की यात्रा सोमवार को शामली से रवाना हुई। यात्रा को शहर के मंडी मार्श गंज से एसडीएम निधि भारद्वाज ने झंडी दिखाकर रवाना किया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि चारों दिवस बद्रीनाथ धाम पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यात्रा में अरविन्द कुमार गर्ग, सुशील कुमार गर्ग, अंकूर अग्रवाल, विनित गोयल, विपिन कुमार, श्रावण कुमार, राघवेंद्र गर्ग, राहुल तायल, विमल, सोमी तायल, सौरव, अर्जुन, प्रवीण जैन और भीम सैनी मौजूद रहे। भण्डारा 21 अप्रैल को शाम से शुरू हो जाएगा और 24 अप्रैल तक श्रद्धालुओं को निरूशुल्क प्रसाद वितरण किया जाएगा।

विद्यार्थियों व अभिभावकों के सम्मान समारोह का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)शहर के बीएसएम स्कूल में सोमवार को कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों व अभिभावकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को आकर्षक पुरस्कार, प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिन्ह और छात्रवृत्ति राशि से सम्मानित किया गया।

सोमवार को समारोह की शुरूआत ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ हुई, जिसमें विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद, कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, मैनेजर छाया सिंह, चेयरमैन सूर्यवीर सिंह और उप प्रधानाचार्या आशु पंडित द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्र-छात्राओं को आकर्षक पुरस्कार, प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिन्ह और छात्रवृत्ति राशि से सम्मानित किया गया। जियमें प्रथम कैटेगरी में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 65,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। द्वितीय कैटेगरी में 80 से 89 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 11,000 की प्रोत्साहन राशि दी गई। तीसरी कैटेगरी में 70 से 79 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 5,100 की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। इस दौरान टॉपर्स को मंच पर आमंत्रित कर उन्हें स्कॉलरशिप चेक, प्रमाणपत्र और स्मृति-चिन्ह प्रदान किए गए। मैनेजर छाया सिंह और चेयरमैन सूर्यवीर सिंह ने विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना की और उन्हें बधाई दी। समारोह के समापन पर विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

बिडौली पुल पर खडे किसानो से वार्ता को पहुँचें प्रशासनिक अधिकारी

- क्रय केन्द्रो पर फसल बेचने को राजी किया

समाज जागरण

झिंझाना यूपी-हरियाणा सीमा के बिडौली पुल पर अपनी अपनी फसल को हरियाणा की मंडियो मे बेचने के लिए पॉच दिनो से खडे किसानों से मिलने के लिए एसडीएम सहित खाद्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुँचें और पुल पर खडे किसानों से वार्ता करके फसलो को क्रय केन्द्रो पर बेचने के लिए राजी किया। अधिकारियों की वार्ता से किसानों अपनी फसलो से लदे वाहनो को लेकर पुल से चले गये।

मेरठ करनाल हाईवे पर हरियाणा बार्डर बिडौली पुल पर पिछले पॉच दिनों से एक दर्जन से अधिक किसान टैक्टर-ट्रालियो मे अपनी फसलो को लेकर खडे है। हरियाणा सरकार द्वारा अन्य प्रदेशो के किसानों की फसल को खरीदने पर रोक लगा रखी है। जिसके कारण करनाल प्रशासन ने जिले के किसानो को सीमा पर ही रोक दिया है। जिससे किसान परेशान है सोमवार को एसडीएम ऊन विनय प्रताप सिंह भदौरिया खाद्य विभाग के अधिकारियों के संग मौके पर पहुँचें और करीब दो घंटे तक किसानों से वार्ता करके समस्या जानी।

खाद्य विपणन अधिकारी प्रज्ञा शर्मा ने बताया कि किसानो से वार्ता हुई है। मौके पर अधिकांश किसान हरियाणा के मिले,जिन्होने यूपी मे ठेके पर खेती की हुई है। उन्होने बताया कि आढती से पैसे उधार लेकर इस्तेमाल करते है। अगर समय से फसल नही जायेगी तो उधार लिए गए पैसे पर ब्याज बढ जायेगा। अधिकारियों ने किसानो से वार्ता की और क्रय केंद्रो की व्यवस्था से अवगत कराते हुए क्रय केन्द्रो पर फसलो को बेचने के लिए राजी किया । वार्ता के बाद किसान अपने अपने वाहनो को लेकर पुल से चले गए। इस दौरान खाद्य विभाग से एएमओ भूपेंद्र सिंह,कानूनगो कोमिन्द्र कुमार व हल्का लेखपाल मौजूद रहे। मामले मे एसडीएम ने कोई भी जानकारी देने से इंकार कर दिया। पुल पर खडे किसानो मे इरशाद अजीजपुर, बाल्ला, पूमा सिंह काला माजरा, अजीज सिंह कालामजरा,पुन्ना बिडौली,धर्म सिंह कमालपुर,महेन्द्र मन्नूगढ,प्रेम सिंह मन्नू गढ आदि शामिल रहे।

क्रय केन्द्रो पर समस्या हो तो प्रशासन को अवगत कराये किसान

बिडौली पुल पर हरियाणा जाने की उम्मीद लगाकर खडे किसानो से वार्ता करने के लिए एसडीएम सहित प्रशासनिक अमला बिडौली पुल पर पहुँचा और किसानो से समस्या जानकर समाधान कराया गया। कानूनगो कोमिन्द्र कुमार ने बताया कि किसानो को किसी भी प्रकार की कोई समस्या क्रय केन्द्रो पर आती है तो वह तहसील प्रशासन अथवा खाद्य विभाग के अधिकारियो को अवगत करा सकतें है। उनकी समस्याओं को गम्भीरता लेकर कार्यवाही की जायेगी।

इन्होंने कहा

हम लोगो ने केरटू क्रय केन्द्र का भी निरीक्षण किया था। इसके बाद पुल पर खडे किसानो से वार्ता की,जहॉ सामने आया कि किसानो ने आढतियो से ब्याज पर पैसा लिया है ,जिस कारण हरियाणा मे फसल बेचना चाहते है। किसानो को जिले के क्रय केंद्रो पर फसल बेचने के लिए राजी कर लिया गया है। सभी किसान पुल से चले गए है।

प्रज्ञा शर्मा,खाद्य विपणन अधिकारी शामली

रेलवे ट्रैक पर चौकीदार की ट्रेन से कटकर मौत, हादसा या आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे के रेलवे स्टेशन के समीप सोमवार को ट्रेन से कट कर करीब 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।पुलिस द्वारा मृतक की पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। जैसे ही घटना की खबर परिवार तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया। परिजन और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल है। सोमवार को दिल्ली से सहारनपुर जा रही एक ट्रेन की चपेट में आकर 35 वर्ष से व्यक्ति की मौत हो गई स्टेशन में आसपास मौजूद लोगों में सनसनी फैल गई। जानकारी के बाद मौके पर जीआरपी पुलिस पहुंची जिन्होंने शव की शिनाख्त मुजफ्फरनगर के गांव जोला निवासी इनाम के रूप में की ।मृतक के चचेरे भाई शहजाद ने बताया कि मृतक इनाम जनपद मुजफ्फरनगर के बुढाना कोतवाली में चौकीदार के पद पर कार्यरत था। वह अपने पीछे तीन छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गया है, जिनमें दो बेटे और एक बेटी शामिल हैं। परिवार की जिम्मेदारी अब पूरी तरह अनिश्चितता में आ गई है, जिससे परिजनों की चिंता और भी बढ़ गई है ।घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या और हादसे के बीच उलझा हुआ है। पुलिस दोनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही हैजीआरपी पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा ।पीड़ित परिवार ने सरकार से आर्थिक सहायता और उचित मुआवजे की मांग की है, ताकि बच्चों के पालन-पोषण और भविष्य की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। चौकीदार की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

आजाद अधिकार सेना के पदाधिकारियों ने एडीएम को राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

शामली।((फुरकान जंग)आजाद अधिकार सेना पार्टी के पदाधिकारियों ने सोमवार को एडीएम न्यायिक को ज्ञापन देकर शिक्षा और स्वास्थ्य के बुनियादी सेवाओं पर समुचित व्यय किए जाने के संबंध में भारत के राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। सोमवार को दिए ज्ञापन में उन्होने बताया कि भारत में केंद्र और राज्य सरकारें स्वास्थ्य सेवाओं पर जीडीपी का केवल 1.8 प्रतिशत और शिक्षा के क्षेत्र पर 2.7 प्रतिशत व्यय करती हैं। इस प्रकार, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए कुल जीडीपी का मात्र 4.5 प्रतिशत खर्च होता है। वहीं, अमेरिका और इंग्लैंड जैसे विकसित देशों में स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी व्यय 20-30 प्रतिशत और शिक्षा सेवाओं पर 10-15 प्रतिशत होता है। आजाद अधिकार सेना पार्टी ने यह भी कहा कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए शिक्षा के क्षेत्र में 15 से 18 प्रतिशत और स्वास्थ्य के क्षेत्र में 12 से 15 प्रतिशत, यानी इन दोनों क्षेत्रों में जीडीपी का लगभग एक तिहाई व्यय किया जाना आवश्यक है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कुछ क्षेत्रों में न्यूनतम अनिवार्य व्यय किए जाने की मांग की। मौके पर प्रदेश महासचिव विनोद कुमार, जिलाध्यक्ष ओमबीर कश्यप, मुस्लिम प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष युनुस, जिला मंत्री सोहनवीर, मुकेश कुमार मौजूद रहे।

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के उपलक्ष्य में बद्रीनाथ में 21 से 24 अप्रैल तक भंडारे का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) बाबा बद्री विशाल भंडारा सेवा संघ शामली द्वारा 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के उपलक्ष्य में बद्रीनाथ में 21 से 24 अप्रैल तक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को शामली से संघ के पदाधिकारी भंडारे के सामान से भरे ट्रक के साथ जयकारे लगाते हुए बद्रीनाथ धाम के लिए रवाना हुए।

सोमवार को बाबा बद्री विशाल भंडारा सेवा संघ के नेतृत्व में बडी संख्या में संस्था के पदाधिकारी बद्रीनाथ धाम के लिए रवाना हुए। संघ के संरक्षक विपिन गोयल ने बताया कि 23 अप्रैल को बाबा बद्रीनाथ के कपाट खुल रहे हैं, इस उपलक्ष्य में संघ द्वारा 21 अप्रैल से लेकर 24 अप्रैल तक बद्रीनाथ स्थित भारत सेवा आश्रम पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को संघ के पदाधिकारी भंडारे के सामान से लदे ट्रक के साथ बद्रीनाथ धाम के लिए रवाना हुए। रवानगी से पूर्व सभी पदाधिकारियों ने बाबा बद्री विशाल के जयकारे लगाए। इस मौके पर मुकेश गर्ग, राजेश कुमार, राजवीर सिंह निर्वाल, अनुराग गोयल, कमल सरोहा, प्रीत पाराशर, योगेश सैनी, निर्वाल मणि कांबोज, कपिल, प्रदीप सैनी, देवानंद, हरिओम पाठक आदि शामिल रहे।

आलोक यादव बने शामली जनपद के जिलाधिकारी, अरविंद चौहान सहारनपुर भेजें

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अहम प्रशासनिक फेरबदल करते हुए शामली के जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान का तबादला कर दिया है। अब अरविंद कुमार चौहान सहारनपुर जिले के डीएम के रूप में अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके स्थान पर आलोक यादव को शामली जिले का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है।

आलोक यादव जो 2015 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी हैं, इससे पहले झांसी विकास प्राधिकरण में उपाध्यक्ष के पद पर तैनात थे। अब वे शामली जिले के डीएम के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उनका यह तबादला उत्तर प्रदेश सरकार के प्रशासनिक फेरबदल का हिस्सा है, जिसमें लगभग 40 आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है ।इस बदलाव को लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों में हलचल देखी जा रही है, जबकि स्थानीय लोग भी नए जिलाधिकारी आलोक यादव का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। पूर्व जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम किया गया था, और अब यह देखना होगा कि नए जिलाधिकारी आलोक यादव किस प्रकार से शामली जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करते हैं।

स्मार्ट मीटर और छापेमारी से किसानों में आक्रोश

- बिजलीघर पर भाकियू (आजाद) का धरना, कनेक्शन न काटने की चेतावनी

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

स्मार्ट मीटर लगाए जाने और बिजली विभाग की लगातार चल रही छापेमारी को लेकर किसानों व उपभोक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है। इसी मुद्दे को लेकर भारतीय किसान यूनियन (आजाद) के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी शाहरुख के नेतृत्व में किसानों ने नगर के बिजलीघर पर धरना प्रदर्शन किया। और समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसडीओ को सौंपा।धरने के दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग के कर्मचारी अनावश्यक रूप से उपभोक्ताओं को परेशान कर रहे हैं। बिना स्पष्ट कारण के कनेक्शन काटे जा रहे हैं और स्मार्ट मीटर के नाम पर ग्रामीणों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। किसानों का कहना है कि भीषण गर्मी के इस दौर में बिजली कनेक्शन काटना अमानवीय है, जिससे आमजन और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,प्रदर्शन कर संगठन के लोगों ने मांग की कि स्मार्ट मीटर के स्थान पर पुराने मीटर ही लगाए जाएं तथा प्री-पेड मीटर व्यवस्था को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक उपभोक्ता को बिजली खपत का लिखित विवरण,कागजी बिल दिया जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि धारा 56 का भय दिखाकर उपभोक्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है, जिसे तत्काल बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने बुजुर्गों और किसानों के शोषण पर रोक लगाने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान धरने में पअंकित चौहान,बबला चौधरी,सुधीर प्रधान, सुनील कुमार, रिजवान अंसारी, आजम, दीपक, सुनील कुमार, देव कुमार, जमा आलम सहित कई किसान व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीच-बचाव करना पड़ा भारी, पीटकर किया घायल, जिला अस्पताल रेफर

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे के बाईपास मार्ग पर झगड़ा शांत कराने पहुंचे युवक के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल के परिजनों ने घायल को पहले नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। सोमवार को थाना क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग निवासी अनवर पुत्र इकबाल ने बताया कि वह किसी कार्य से दिल्ली बस स्टैंड की ओर जा रहा था। जैसे ही वह बाईपास मार्ग स्थित चार खंभों के पास पहुंचा, वहां दो लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे। उसने दोनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान आरोपियों ने उस पर ही हमला कर दिया और मारपीट कर उसे घायल कर दिया ।शोर-शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।पीड़ित ने डॉक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने पहुँच कर नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए सभी आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है ।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तीन धर्मों की विरासत है बागपत, इतिहास से लेकर खेल तक में बनाई पहचान': वरिष्ठ पत्रकार अनिल शर्मा

यमुना किनारे बसे जनपद को बताया ऋषि-मुनियों की भूमि, कोताना गांव से लेकर बाबा शाहमल तक का किया जिक्र

समाज जागरण

बागपत। जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार एवं जय हिंद मंच नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल शर्मा ने मीडिया से रूबरू होते हुए बागपत जनपद के गौरवशाली इतिहास और वर्तमान उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यमुना नदी के किनारे बसा यह जनपद ऋषि-मुनियों और तपस्वियों की भूमि है, जो तीन धर्मों की विरासत के रूप में भी जाना जाता है। जागौश बागपत निवासी अनिल शर्मा ने कहा, "हंसता-खेलता बागपत मैंने देखा है, देखता हूं और कोशिश रहेगी देखता रहूं। लेकिन मेरे पत्रकारिता जगत में मैंने बागपत को बड़ी गहराई से देखा और समझा है। न जाने क्यों बागपत चचाओं में बना रहता है, चाहे देश हो या दुनिया हो, बागपत अपनी छाप छोड़ता रहता है। उन्होंने बताया कि जनपद बागपत की गहराई उत्तर प्रदेश में नंबर वन पर आती है। यमुना किनारे बसे कोताना गांव को महाभारत कालीन माना जाता है। इस गांव का नाम पहले कुंतनगर था, फिर अकबरपुर ठसका पड़ा। अकबर नाम का व्यक्ति हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल था। इसी गांव में कुंती की ननिहाल थी, जिसके बाद नाम कोताना पड़ गया। अनिल शर्मा ने बताया कि इसी गांव में पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की ननिहाल थी और उनका जन्म भी यहीं हुआ था। बेगम समरू की ननिहाल भी कोताना में थी और उनका जन्म भी इसी गांव में हुआ। बाद में बेगम समरू ने ईसाई धर्म अपना लिया था, जिनका चर्च आज मेरठ के सरधना में है। इस तरह कोताना गांव तीन धर्म की विरासत माना जाता है। वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि बागपत के पहलवान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। यहां के निशानेबाज भी देश-विदेश में बड़े-बड़े मेडल जीत रहे हैं।उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का जिक्र करते हुए कहा कि बिजरोल गांव के बाबा शाहमल ने अंग्रेजों के साथ डटकर मुकाबला किया। अंग्रेजों से लोहा लेते हुए वे वीरगति को प्राप्त हो गए। बाबा शाहमल इतने बड़े योद्धा थे जिन्होंने अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे।अनिल शर्मा ने कहा कि यह वही हंसता-खेलता बागपत है जिसका आज देश-विदेश में नाम रोशन है। यमुना नदी के किनारे बसा यह जनपद बड़े ही सौभाग्य की बात है और यमुना नदी का तीर्थ स्थल भी बड़े तीर्थ स्थलों में जाना जाता है।

शॉर्ट सर्किट से परचून की दुकानों में लगी भीषण आग, करीब एक करोड़ का नुकसान

कोताना रोड पर सुबह 6 बजे हुआ हादसा, फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू, परिवार बाल-बाल बचा

समाज जागरण

बड़ौत। नगर के कोताना रोड पर सोमवार सुबह शॉर्ट सर्किट होने से परचून की दो दुकानों में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि बराबर की कन्फेक्शनरी की दुकान भी चपेट में आ गई। इस हादसे में लगभग एक करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।नगर के कोताना रोड पर देवेंद्र पुत्र चंदकी राम की राम ज्ञानू परचून की लंबे समय से दुकान थी। बराबर में कन्फेक्शनरी की दुकान भी थी। आग लगने से तीनों दुकानों में रखा लाखों रुपए का परचून का सामान जलकर राख हो गया। आग दुकान के ऊपर बने मकान तक भी पहुंच गई। मकान में सो रहे परिवार में हड़कंप मच गया और सभी इधर-उधर भागने लगे। गनीमत रही कि परिजन आग की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। भारी नुकसान होने से परिजनों में गम का माहौल है। आग लगने पर कोताना रोड के आसपास के दुकानदार एवं मकान मालिक भी आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े, मगर आग पर किसी प्रकार का काबू नहीं पाया जा सका। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों और पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग दुकान के ऊपर बने मकान में ज्यादा फैलने से पहले ही बुझा दी गई। देवेंद्र पुत्र चंदकी राम का परचून का रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। हालांकि अभी तक नुकसान का सही आंकड़ा नहीं मिल पाया है, मगर पूरा नुकसान एक करोड़ रुपए के आसपास बताया जा रहा है। यह आग लगने की घटना सुबह करीब 6 बजे की है, जब मार्केट में कोई भी दुकान नहीं खुली थी। सभी दुकानदार शाम को अपनी दुकान बंद करके घर चले जाते हैं और सुबह जाकर दुकान खोलते हैं। चंदकी पुत्र देवेंद्र पुत्र ज्ञानू निवासी ढिकाना लंबे समय से कोताना रोड पर परचून की दुकान करते आ रहे हैं।

लू के थपेड़ों से झुलसाने लगी गर्मी, तापमान 45 डिग्री के पार जाने का अनुमान

18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं गर्म हवाएं, दोपहर में सूनी पड़ीं सड़कें, ग्रामीण बोले- अप्रैल में ऐसी गर्मी पहले नहीं देखी

समाज जागरण

बड़ौत। एनसीआर क्षेत्र में सूरज के तेवर तल्ख हो गए हैं। गर्मी के साथ लू भी चलने लगी है। लू के थपेड़े इतने कातिल हो गए हैं कि सड़क पर चलने वाले बाइक सवार और स्कूटी सवार युवतियां चेहरे को सूती कपड़े और तौलिये से लपेटकर निकलने को मजबूर है। सोमवार को दिनभर गर्मी का प्रकोप जबरदस्त रहा। दिनभर 18 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गर्म हवाएं चलती रहीं। लोगों को मई जैसी गर्मी का एहसास करना पड़ा। दोपहर के समय बाजारों में चहल-पहल भी कम देखने को मिली। शाम को सूरज अस्त होने के बाद ही लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। मौसम विभाग ने इस सप्ताह तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने का अनुमान जताया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का कहना है कि अप्रैल के महीने में इस तरह की गर्मी कभी नहीं देखी गई। लोगों को चिंता है कि आगे आने वाले दो महीनों में मौसम कितना भयानक होगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। भरी दुपहरी में सड़कों पर निकलने वाले मुसाफिर लू से बचने के लिए सिर पर तौलिया रखकर और चेहरे को ढककर चल रहे हैं। गर्म हवाओं के चलते लोग जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

बड़ौत से लखनऊ के लिए पश्चिमी यूपी एक्सप्रेस बस सेवा शुरू, यात्रियों में खुशी की लहर

सुबह 9:30 बजे डिपो से चलेगी बस, समय सारणी जारी, मुसाफिरों से समय से पहले पहुंचने की अपील

समाज जागरण

बड़ौत। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा नगर से लखनऊ तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस सेवा शुरू होने पर जनपद बागपत के मुसाफिरों और क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह बस सेवा बड़ौत डिपो से लखनऊ तक संचालित होगी। रोडवेज विभाग ने बस की समय सारणी भी जारी कर दी है। मुसाफिरों को यह सुविधा सुबह 9:30 बजे से मिलनी शुरू हो गई है। डिपो प्रबंधक ने बताया कि सभी मुसाफिर इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए समय से पहले स्टैंड पर पहुंचें। बड़ौत से सीधे लखनऊ तक बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। लंबे समय से क्षेत्रवासी इसकी मांग कर रहे थे।

बड़ौत सीएचसी में खुला जन औषधि केंद्र, 90% तक सस्ती मिलेंगी दवाएं

भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने किया उद्घाटन, कहा– मोदी सरकार का संकल्प 'सबसे सस्ता, सबसे अच्छा'

समाज जागरण

बड़ौत। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का शुभारंभ हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता हमेशा अच्छी गुणवत्ता और सस्ती दवाएं लोगों तक पहुंचाना है। जन औषधि केंद्र से आमजन को 50% से 90% तक की छूट पर दवाइयां मिलेंगी। उन्होंने कहा कि 'सबसे सस्ता, सबसे अच्छा' के संकल्प के साथ मोदी सरकार जन-जन के स्वास्थ्य की चिंता कर रही है। इस मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. विजय गर्ग, बीपीएम सचिन मलिक, प्रबंधक उमा सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. पवन शर्मा, डॉ. श्रवण भारद्वाज, राजगोपाल कश्यप, मनोज कश्यप, आशु कश्यप, अमित कश्यप, विनय कश्यप, नितिन कश्यप, निखिल कश्यप, डॉ. कपिल कुमार, लक्खी कुमार आदि मौजूद रहे।

रटौल में पहुचें लेखक का किया स्वागत

24 अप्रैल को लांच हो रही है दा राईजिग मेन पुस्तक

समाज जागरण

चांदीनगर। रटौल पहुंचे लेखक का कस्बें के लोगो ने स्वागत किया जहा उनकी उपलब्धि से कस्बें सुन लोगो में उत्साह का माहौल है। रटौल में चौधरी उम्मेद के आवास पर पहुंचे लेखक धीरेन्द्र सिंह का कस्बें के लोगो ने स्वागत किया वही उन्होंने अपनी पुस्तक दा राइजिंग में के बारे में बताया वही उम्मेद नें बताया भारत में सफलता की बातें बहुत होती हैं, लेकिन स्वयं को समझने की बात कम होती है। पिछले दो दशकों में, धीरेंद्र सिंह ने 2,75,000 से अधिक लोगों को 60+ देशों में प्रशिक्षित किया है—लेकिन उनका असली काम लोगों को उनके रिश्तों और भावनाओं से जोड़ना है। उनकी पहली पुस्तक “Rise in Every Relationship” ने 15,000+ प्रतियों की बिक्री के साथ यह साबित किया कि लोग केवल सफलता नहीं, संतुलन भी चाहते हैं। अब उनकी नई पुस्तक “The Rising Man” जो 24 अप्रैल को लॉन्च हो रही है, खासतौर पर उन पुरुषों के लिए है जो जिम्मेदारियों के पीछे अपनी आवाज खो बैठे हैं। यह किताब सिखाती नहीं, आईना दिखाती है। सवाल यह नहीं कि आप क्या बन गए हैं—सवाल यह है कि आप असल में कौन हैं?

व्यापारियों के मसीहा पं. श्याम बिहारी मिश्रा की पुण्यतिथि पर निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित

- 84 नेत्र रोगियों की जांच, 12 के मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए दिल्ली भेजा
- 32 मरीजों को मिले निशुल्क चश्मे, अग्रवाल मंडी टटीरी में लगा शिविर

समाज जागरण

बागपत। व्यापारियों के मसीहा, चार बार सांसद रहे अखिल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष स्वर्गीय पंडित श्याम बिहारी मिश्रा की पांचवीं पुण्यतिथि पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जनपद बागपत की ओर से लायंस नेत्र चिकित्सा केंद्र, अग्रवाल मंडी टटीरी में निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया। शिविर में डॉ. अमित उपाध्याय ने 84 नेत्र रोगियों की जांच की। 12 रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु चयनित कर वाहन द्वारा लायंस नेत्र चिकित्सा केंद्र फ्रेंड्स कॉलोनी दिल्ली भेजा गया। वहीं 32 रोगियों को निशुल्क चश्मे प्रदान किए गए। शिविर के मुख्य संयोजक जिला अध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि पं. श्याम बिहारी मिश्रा ने व्यापारियों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। भाजपा के सांसद होते हुए भी उन्होंने व्यापारी हितों के लिए सरकारी तंत्र से कोई समझौता नहीं किया। उनकी याद हमेशा व्यापारियों के दिलों में रहेगी। मेरठ मंडल मंत्री दीपक गोयल ने कहा कि पंडित जी ने व्यापारियों को उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया और सफल रहे। इस अवसर पर जिला महामंत्री हंसराज गुप्ता एवं पंकज गुप्ता, बागपत नगर अध्यक्ष मनोज गोयल, आशुतोष मित्तल, अंकित जिंदल, कुमारी सोनम चौहान ने सहयोग किया।

ब्राह्मण समाज ने मेधावी बालिकाओं का किया सम्मान

समाज जागरण

बागपत। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सर्व खाप 360 ब्राह्मण समाज द्वारा नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु एक भव्य एवं प्रेरणादायक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की मेधावी बालिकाओं निकिता शर्मा, वंशिका शर्मा एवं जारा अहमद को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, गर्व और सम्मान से परिपूर्ण रहा। समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। समारोह में सर्व खाप 360 ब्राह्मण समाज के चौधरी पंडित नरेश शर्मा, थंबा चौधरी अश्वनी कौशिक, थंबा चौधरी पुनीत शर्मा, ब्राह्मण समाज खेकड़ा के अध्यक्ष पंडित जय किशन बक्शी, रमाकांत शर्मा, अनुज शर्मा, ओमदत्त शर्मा, गुरुदत्त शर्मा एवं एडवोकेट राकेश कौशिक सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान चौधरी सर्व खाप 360 पंडित नरेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि बेटियाँ आज हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। समाज का यह कर्तव्य है कि उन्हें हर संभव प्रोत्साहन और अवसर प्रदान किया जाए, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें। नारी सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि समाज के विकास की नींव है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के सम्मान समारोह समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य बालिकाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। वहीं, ब्राह्मण समाज खेकड़ा के अध्यक्ष पंडित जय किशन बक्शी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे समाज को सशक्त और समृद्ध बनाया जा सकता है। बेटियों की शिक्षा और उनका सम्मान करना हमारे समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए। आज जिन बालिकाओं को सम्मानित किया गया है, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगी। समारोह में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी बालिकाओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा समाज में शिक्षा और समान अवसरों के महत्व पर जोर दिया। अंत में सभी अतिथियों ने सम्मानित बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में नई ऊर्जा और जागरूकता का संचार करते हैं। यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि यदि बेटियों को सही दिशा और सहयोग मिले, तो वे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं और समाज का नाम रोशन कर सकती हैं।

बडौत के व्यापारी संगठनों ने एसडीएम को सौपा ज्ञापन

समाज जागरण

बागपत। बिनोली रोड प्रकरण, जिसमे साकेत के कुछ तथाकथित नेता अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने के लिए व्यापारियों को आतंकित एवं धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन पर नाजायज दवाब बनाकर सर्विस रोड 20 फिट की डिमांड कर रहे है, ताकि व्यापारी परेशान होकर यहां से पलायन कर जाये, उसके विरोध में व्यापारी संगठनों ने उपजिलाधिकारी बड़ौत को ज्ञापन दिया कि

पीडब्लूडी के नक्शे के अनुसार ही सर्विस रोड बनाई जाये। ज्यादती बर्दाश्त नहीं कि जाएगी एवं जो व्यक्ति भय का वातावरण बनाना चाह रहे है उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जाये। ज्ञापन देने के बाद सभी व्यापारी थाना बड़ौत गए और थाना प्रभारी से भय का वातावरण पैदा करने वालो, जान से मारने कि धमकी देने वालो के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने का अनुरोध किया। व्यापारी नेता डॉ योगेश जिन्दल ने कहा कि यदि प्रशासन इन नेताओं के दवाब मे आकर नियम विरुद्ध कार्य करेगा तो व्यापारी आंदोलन करने पर मजबूर होगा। बाजार बंद किये जायेंगे और यदि ज्यादा परेशान किया गया तो व्यापारी सामूहिक रूप से बड़ौत से पलायन करने पर मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी इन नेताओं और इन्हे संरक्षण देने वालो की होंगी। ज्ञापन देने मे अंकुर जैन प्रधान, अतुल जैन सर्राफ, मा ओंकार शर्मा, अतुल जैन डिंपल, अतुल राय जैन, अखिलेश जैन,मुदित जैन,पोली जैन,अंकुर जिंदल, सौरभ जैन मेनुद्दीन अब्बासी, सभासद, बिजेन्दर कश्यप, अय्यूब एलवी, दानिश कुरैशी, राकेश वर्मा, शेखर वर्मा, देवेंद्र गुप्ता, सुभाष ठेकेदार, सतेंद्र गोयल, प्रदीप गुप्ता, मोनू बिजली आदि सेकड़ो व्यापारी मौजूद थे।

ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल के प्रबंधक जयसिंह शर्मा का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

बागपत। ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल मवीकलां खेकड़ा के प्रबंधक एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी व प्रधानाचार्य ब्रिजेश कुमार शर्मा के पिता पंडित जय सिंह शर्मा का हृदय गति रुकने से देहांत हो गया। वह लगभग 85 वर्ष के थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी और उनके घर पर सांत्वना देने वालों का तांता लग गया। ब्रिजेश कुमार शर्मा के पिता पंडित जय सिंह शर्मा एक सामाजिक व धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे और आने-जाने वाले सभी लोगों का बेहद सम्मान करते थे। वह रक्षा मंत्रालय में राजपत्रित अधिकारी से 1998 में सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद वह निरंतर सामाजिक कार्यों में लग रहे और ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल मवीकलां के मार्गदर्शक रहे। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। उनका निधन वास्तव में समाज के लिए एक अपूर्णीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी पूरी नहीं की जा सकती। लोगों ने उनके निधन पर बेहद दुख व्यक्त किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। साथ ही भगवान से उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने के लिए प्रार्थना की।

दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे पर दो अलग-अलग हादसे हुए

- मेरठ-बागपत-सोनीपत हाईवे पर ई-रिक्शा टक्कर में श्रमिक की मौत
- दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे पर दो अलग-अलग हादसे हुए।
- मेरठ-बागपत-सोनीपत हाईवे पर ई-रिक्शा टक्कर में श्रमिक की मौत

समाज जागरण

बागपत। दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे पर हादसे नहीं रुक रहे हैं। रविवार रात एक स्थान पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। उसमें सवार दिल्ली के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उनके दो रिश्तेदार घायल हुए। दूसरे स्थान पर आगे चल रहे किसी वाहन से कार टकराई। उसमें सवार एक युवक की मौत हुई। मेरठ-बागपत-सोनीपत हाईवे पर हादसे में श्रमिक की मौत हो गई। दिल्ली के तुगलकाबाद निवासी 44 वर्षीय नरेश कुमार पुत्र धर्मदत्त अपने दो रिश्तेदार शिवम और अरुण के साथ कार से मुजफ्फरनगर जा रहे थे। हाईवे पर ग्राम बाघू के पास पहुंचने पर किसी वाहन को बचाने के प्रयास में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर दो पथले खाते हुए डिवाइडर से टकरा गई। उसमें सवार तीनों लोग घायल हो गए। पुलिस व राहगीरों ने उन्हें कार से निकाल अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने नरेश कुमार को मृत घोषित किया। उनके दोनों रिश्तेदार शिवम और अरुण का उपचार किया। इसके अलावा 35 वर्षीय मनोज उर्फ हनुमंत निवासी कृष्णा बाग कालोनी इंदौर (मध्य प्रदेश) अपने दो साथियों के साथ किसी काम से कार से उत्तराखंड जा रहे थे। हाईवे पर ग्राम हसनपुर मसूरी के पास उनकी कार आगे चल रही किसी अज्ञात वाहन ने टकरा गई। उन्हें अस्पताल भिजवाया गया। चिकित्सकों ने मनोज को मृत घोषित किया तथा अन्य दोनों घायलों का उपचार किया। वहीं पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवाया। पुलिस ने दोनों हादसों स्थलों की जांच की। घायल और मृतकों के स्वजन को फोन करके हादसों की जानकारी दी गई। उधर एसपी सूरज कुमार राय का कहना है कि तहरीर मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट के तीन आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद

बागपत। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने मारपीट के एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान गौरीपुर निवासी नजरान, नाजिम और मुफिद के रूप में हुई है। ये तीनों नियाज के पुत्र हैं। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई पीड़ित पक्ष द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई। शिकायत में आरोप था कि इन तीनों ने पीड़ित के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। शिकायत मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान, पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर तीनों अभियुक्तों की पहचान की और दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय पुलिस ने उनके पास से घटना में इस्तेमाल किया गया एक डंडा भी बरामद किया है। इसे अब मामले में साक्ष्य के तौर पर शामिल किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। उनका कहना है कि भविष्य में भी अपराधियों पर इसी तरह सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। तीनों आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ जारी है, ताकि घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सके।

स्क्रैप बिक्री और गैर-किराया आय से मजबूत हो रही भारतीय रेलवे की वित्तीय स्थिति, यात्रियों को मिल रही बेहतर सुविधाएं

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने स्क्रैप से होने वाली आय और गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) में लगातार वृद्धि के जरिए अपनी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करते हुए यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। खास बात यह है कि यह सुधार बिना यात्री किराया बढ़ाए किया जा रहा है।

रेलवे द्वारा निष्क्रिय संपत्तियों के प्रभावी उपयोग और नए राजस्व स्रोतों के विस्तार से स्टेशन सुविधाओं, स्वच्छता, डिजिटल सेवाओं और यात्री सुविधाओं में लगातार सुधार हो रहा है।

तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा में टक्कर मारी, श्रमिक की मौत

समाज जागरण

मेरठ-बागपत-सोनीपत हाईवे पर शहर में हिना गार्डन के पास तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। उनमें सवार श्रमिक की मौत हो गई। उनकी पत्नी और ई-रिक्शा चालक घायल हो गए। ग्राम हमीदाबाद उर्फ नयागांव निवासी 55 वर्षीय रकम सिंह कश्यप उर्फ रकमू गन्ना फसल की बधाई का कार्य करते थे। वह अपनी पत्नी 52 वर्षीय हरपाली के साथ ई-रिक्शा से शनिवार रात करीब 11 बजे बागपत से अपने घर लौट रहे थे। गांव के सुनील ई-रिक्शा चल रहे थे। बताया गया कि मेरठ-बागपत-सोनीपत हाईवे पर हीना गार्डन के पास पहुंचने पर पीछे से तेज गति से आई कार ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। इससे ई-रिक्शा पलट गई। चालक सुनील समेत तीनों यात्री हाईवे पर गिर गए। रकमू डिवाइडर से टकराए। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी हरपाली व सुनील को सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहीं हादसे के बाद लोगों की भीड़ एकत्र हो गई थी। उन्होंने कार सवारों की पिटाई की तथा चालक को पकड़कर पुलिस को सौंपा। रकमू डिवाइडर से टकराए। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी हरपाली व सुनील को सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहीं हादसे के बाद लोगों की भीड़ एकत्र हो गई थी। उन्होंने कार सवारों की पिटाई की तथा चालक को पकड़कर पुलिस को सौंपा। रकमू के भतीजे बिट्टू ने हादसे का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। उधर कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार का कहना है कि आरोपित चालक आयान निवासी जाकिर कालोनी लोहिया नगर मेरठ को गिरफ्तार कर कार बरामद की गई है।

बिजली तार टूटने से मवेशीयों का चारा जलकर हुआ राख

समाज जागरण

कालांवाली 20 अप्रैल (सुरेश जोरासिया) गेंहू कटाई का सीजन चल रहा है। चारों ओर किसान अपनी गेंहू की फसल की कटाई मे लगे हुऐ है। गेंहू की कटाई के बाद मवेशीयों के लिए चारा बनाने का कार्य भी जोरो से चल रहा है। किसान दलबारा सिंह ने बताया कि खेत से बिजली की तारे गुजर रही है। अचानक बिजली की तार टुट कर गिरने से खेत में आग लग गई।

खेत में पशुओं के लिए चारा बनाने के लिए मशीन चलानी थी कि पहले हीआग लगने से पशुओ का चारा पुरा चलकर राख हो गया। खेत के पड़ोसी ने फोन से हमें सुचना दी कि खेत में आग लग गई है खेत में जाकर देखा और दमकल विभाग, बिजली विभाग को सूचना दी मौके पर विभाग के कर्मचारी पहुचे ओर बिजली की सप्लाई बंद करवाई है एवं दमकल विभाग के द्वारा आग पर काबू पाया गया। साथ ही किसान के द्वारा खेत को जोत कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। गनीमत रही अत्याधिक नुकसान नही हुआ। बिजली विभाग के कर्मचारीयों ने तार को पुनः जोड़कर सप्लाई को शुरू किया। इस मौके पर किसान दलबारा सिंह काला सिंह एवं अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

फिरोजपुर छावनी-पटना-फिरोजपुर छावनी आरक्षित स्पैशल एक्सप्रेस आज से दौड़ेगी

(दैनिक समाज जागरण रघुनंदन पराशर चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो,20 अप्रैल : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि समर सीजन के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा फिरोजपुर छावनी-पटना-फिरोजपुर छावनी आरक्षित स्पैशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। 04616/04615 फिरोजपुर छावनी-पटना-फिरोजपुर छावनी आरक्षित एक्सप्रेस।

आरक्षित स्पैशल एक्सप्रेस ट्रेन 04616 फिरोजपुर कैंट से पटना के लिए 21 अप्रैल 2026 से 14 जुलाई.2026 (13 ट्रिप) के बीच प्रत्येक मंगलवार को खुलेगी। यह आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 04616 फिरोजपुर कैंट से दोपहर 12:00 बजे प्रस्थान करके लगभग 30 घंटे बाद शाम 18:35 बजे पटना पहुँचेगी।आरक्षित स्पैशल एक्सप्रेस ट्रेन 04615 पटना से फिरोजपुर कैंट के लिए दिनांक 22 अप्रैल 2026 से 15 जुलाई.2026 (13 ट्रिप) के बीच प्रत्येक बुधवार को खुलेगी। यह आरक्षित स्पैशल एक्सप्रेस ट्रेन 04615 पटना से रात्रि 20 :20 बजे प्रस्थान करके लगभग 27 घंटे बाद रात्रि 23:55 बजे फिरोजपुर कैंट पहुंचेगी।यात्रियों की सुविधा के लिए मार्ग में ये आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन मोगा, लुधियाना, अम्बाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, रुड़की, नजीबाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, बालामऊ, आलमनगर, उतरेटिया, रायबरेली, माँ बेल्हा देवी धाम (प्रतापगढ़), जंघई, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, रघुनाथपुर, आरा तथा दानापुर रेलवे स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी। इसमें वातानुकूलित, शयनयान एवम् साधारण श्रेणी के कोच लगे हुए है। रेलयात्रियों से आग्रह है कि वे त्योहार स्पैशल ट्रेन का लाभ उठाये और अपनी यात्रा सुगम और आसान बनाए।

सीआईए व एएनसी डबवाली की बड़ी कार्रवाई, प्याज के कट्टों में छिपी नशे की खेप पकड़ी

समाज जागरण सुरेश जोरासिया

नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डबवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। सीआईए स्टाफ डबवाली और एएनसी डबवाली की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए प्याज के कट्टों की आड़ में ले जाई जा रही भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने इस दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक पिकअप और एक कार को भी जब्त किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक जसलीन कौर आईपीएस के नेतृत्व में नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में डीएसपी कालांवाली संदीप धनखड़ ने प्रेस वार्ता में बताया कि 19 अप्रैल को पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि राजस्थान से पंजाब की ओर एक पिकअप में नशे की खेप लाई जा रही है, जिसे एक कार द्वारा पायलट किया जा रहा है।

सूचना के आधार पर गांव सकता खेड़ा के पास भारतमाला रोड पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान एक स्विफ्ट डिजायर कार और उसके पीछे आ रही पिकअप को रोककर तलाशी ली गई। जांच में पिकअप में रखे प्याज के कट्टों के बीच पांच कट्टों में छिपाकर रखा गया 1 क्विंटल 490 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। साथ ही करीब 15 लाख रुपये मूल्य के वाहन भी जब्त किए गए हैं।

पुलिस ने मौके से चार आरोपियों– राजस्थान के नागौर जिले के रहने वाले नरसीराम, तेजाराम, रितिक सैन और नरसीराम (भवरूराम) को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले भी तस्करी गतिविधियों में शामिल रहे हैं और सब्जी की आड़ में नशा व शराब तस्करी करते थे।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उन्हें न्यायालय में पेश कर रिमांड लिया जाएगा, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके।

डीएसपी संदीप धनखड़ ने बताया कि इस वर्ष अब तक डबवाली पुलिस द्वारा 120 मामले दर्ज कर 183 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही करोड़ों रुपये के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं, जिनमें हेरोइन, अफीम और डोडा पोस्त शामिल हैं।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशा तस्करी से संबंधित किसी भी जानकारी को तुरंत साझा करें। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 1933 और मानस पोर्टल पर सूचना दी जा सकती है। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

पुलिस का कहना है कि नशा तस्करी के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार और सख्ती के साथ जारी रहेगा।

'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए विशेष अभियान:डी.सी. पूनमदीप कौर

पंजाब फरीदकोट रघुनंदन पराशर जैतो/समाज जागरण चीफ ब्यूरो

फरीदकोट, 20 अप्रैलःभारत सरकार, 'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत, विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों को खोजकर, सम्मानित करके और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने का एक गंभीर प्रयास कर रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए, फरीदकोट की उपायुक्त श्रीमती पूनमदीप कौर (आईएएस) ने बताया कि इस मिशन के अंतर्गत, भारत सरकार प्राचीन पांडुलिपियों और हस्तलिखित ग्रंथों आदि के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। इस मिशन के तहत, इन सभी पांडुलिपियों की खोज करने के बाद, उनकी जानकारी 'ज्ञान भारतम' ऐप पर अपलोड की जाएगी। इस कार्य के लिए जिले में सर्वेक्षण टीमों का गठन किया गया है। ये

सर्वेक्षण टीमें इन पांडुलिपियों की पहचान करेंगी और उनकी जानकारी 'ज्ञान भारतम' ऐप पर अपलोड करेंगी।उपायुक्त ने जिले के निवासियों से इस मिशन में सहयोग करने की अपील की और कहा कि यदि किसी व्यक्ति या किसी संस्था, पुस्तकालय, श्री गुरुद्वारा साहिब, मंदिर, डेरा या किसी अन्य स्थान के पास ऐसी कोई दुर्लभ पांडुलिपि है, तो उसकी जानकारी सहायक नोडल अधिकारी-सह-जिला भाषा अधिकारी मनजीत सिंह पुरी के साथ साझा की जानी चाहिए। मनजीत सिंह पुरी को इस मिशन के लिए ही तैनात किया गया है; उनसे WhatsApp नंबर 9814815026 या ई-मेल dlofaridkot509@gmail.com के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है, ताकि इस मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके। उन्होंने जिले के निवासियों से इस महत्वपूर्ण मिशन की सफलता के लिए अधिकतम सहयोग देने की अपील की।

भारतीय रेलवे 18,000 से ज्यादा समर स्पैशल ट्रेन ट्रिप चलाएगा

समाज जागरण पंजाब जैतो रघुनंदन पराशर/वायस इंडिया

जैतो,20 अप्रैल : रेल मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भारतीय रेलवे 15 अप्रैल से 15 जुलाई, 2026 के बीच पूरे देश में 18,262 समर स्पेशल ट्रेन ट्रिप चलाएगा, ताकि यात्रा के पीक सीजन के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।मंत्रालय के अनुसार, इस दौरान यात्रियों के लिए यात्रा को ज्यादा आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए कुल 908 समर स्पैशल ट्रेनों को चलाने की मंजूरी दी गई है।इनमें से 660 ट्रेनों के बारे में पहले ही जानकारी दे दी गई है, जिनसे 11,294 ट्रिप होंगी; इससे यात्री अपनी यात्रा की योजना पहले से बना सकेंगे।

मंत्रालय ने कहा कि स्पेशल ट्रेनों को बड़े पैमाने पर चलाना, छुट्टियों, त्योहारों और यात्रा के पीक महीनों के दौरान होने वाली मौसमी भीड़ को संभालने के लिए भारतीय रेलवे के सक्रिय रवैये को दिखाता है।

जोन के हिसाब से, सेंट्रल रेलवे, ईस्ट सेंट्रल रेलवे और नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे ने प्लान की गई ट्रिप की संख्या के मामले में सबसे ज्यादा योगदान दिया है।

ये सेवाएं सभी बड़े रेलवे जोन में फैली होंगी, जिससे संतुलित क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को कुशलता से संभालने की पक्की व्यवस्था होगी।रेल मंत्रालय ने कहा कि इन ट्रेनों को शुरू करने से वेटिंग लिस्ट कम होने, ज्यादा बर्थ मिलने और खास जगहों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है।मंत्रालय ने आगे कहा कि इस कदम से गर्मियों की यात्रा के सीजन के दौरान लाखों यात्रियों के लिए यात्रा को ज्यादा आसान और आरामदायक बनाने में मदद मिलेगी।ज्यादा मांग वाले रूट पर स्पेशल ट्रेनें चलाकर, भारतीय रेलवे का मकसद यात्रियों को होने वाली परेशानी को कम करना और यात्रा के पूरे अनुभव को बेहतर बनाना है।मंत्रालय ने फिर दोहराया कि यात्रियों की सुविधा सबसे पहली प्राथमिकता है, और समय पर योजना बनाने तथा सेवाओं का विस्तार करने का मकसद गर्मियों के महीनों के दौरान बढ़ती मांग को कुशलता से पूरा करना है।

वार्डों के सीमांकन में विसंगतियों को लेकर शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना

- नोटिफिकेशन और नक्शों में 'बड़ी गलतियों' पर उठे गंभीर सवाल

(रघुनंदन पराशर,जैतो/समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

बठिंडा, 20 अप्रैलःनगर निगम बठिंडा चुनावों से पहले पंजाब सरकार द्वारा जारी वार्डों के सीमांकन संबंधी नोटिफिकेशन और नक्शे में सामने आई विसंगतियों के कारण राजनीति गरमा गई है। सोमवार को शिरोमणि अकाली दल के बठिंडा शहरी हलका इंचार्ज इकबाल सिंह बबली ढिल्लों की अगुवाई में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पार्टी नेताओं ने राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए.इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने कहा कि राज्य में आम आदमी पार्टी के अनुभवहीन नेताओं के कारण प्रशासनिक कार्यों में बड़ी खामियां सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले जारी किए गए वार्ड सीमांकन में स्पष्टता का अभाव था, और अब 31 मार्च को जारी नए नोटिफिकेशन तथा उसके बाद जारी किए गए नक्शों में भारी विसंगतियां दिखाई दे रही हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि कई वार्डों की गलियां नक्शों में तो दिखाई गई हैं, लेकिन नोटिफिकेशन में उनका कोई ज़िक्र नहीं है। इसी तरह, कुछ गलियां नोटिफिकेशन में तो शामिल हैं, लेकिन नक्शों में उन्हें नहीं दिखाया गया है। इसके अलावा, वार्डों में मतदाताओं की संख्या में भी भारी असमानता है। कुछ जगहों पर मतदाताओं की संख्या लगभग 1100-1200 है, जबकि कुछ जगहों पर यह संख्या 8500 के करीब पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि 10 से 15 प्रतिशत का अंतर तो समझ में आता है, लेकिन इतनी बड़ी असमानता पूरी प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े करती है।अकाली नेता ने आरोप लगाया कि इलाके के आम आदमी पार्टी के विधायक जगरूप सिंह गिल ने भी इस मामले पर कोई ध्यान नहीं दिया और लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया। जबकि जगरूप गिल लंबे समय तक नगर निगम कमिश्नर रह चुके हैं और कई अन्य उच्च पदों पर भी कार्य कर चुके हैं। उन्होंने इसे विधायक की ओर से गंभीर लापरवाही करार दिया और कहा कि इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बबली ढिल्लों ने मांग की कि पंजाब सरकार विपक्षी दलों के साथ चर्चा करके इन खामियों को तुरंत दूर करे, ताकि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि शिरोमणि अकाली दल इस मामले से जुड़े कानूनी पहलुओं पर भी विचार कर रहा है और उनके वकील सुप्रीम कोर्ट में इस अधिसूचना तथा नक्शों को चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं।शिरोमणि अकाली दल के प्रेस सचिव ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर शहर अध्यक्ष गुरसेवक सिंह मान, पूर्व मेयर बलजीत सिंह बीड बहमन, पूर्व शहर अध्यक्ष राजबिंदर सिंह सिद्धू, अधिवक्ता दलजीत सिंह बराड़, मोहनजीत सिंह पुरी, कुलदीप सिंह नंबरदार और गुरप्रीत सिंह संधू सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

नए भारत की एमएसएमई क्रांति के केंद्र में है नारी शक्ति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम का सितंबर 2023 में संसद में समर्थन करते हुए विश्वास व्यक्त किया था कि भारत तभी आगे बढ़ सकता जब देश की नारियां भी इसके साथ ही उन्नति करें। उनका यह विश्वास एमएसएमई क्षेत्र (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) में सरकार के काम में हर रोज दिखाई देता है।

एमएसएमई क्षेत्र को अक्सर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। लेकिन अगर गहराई से देखें तो इसके दिल में महिला उद्यमियों का मूक बल बसता है। आखिरकार आज इस मूक बल को वह राष्ट्रीय मान्यता, संस्थागत समर्थन और नीतिगत गति मिल रही है जिसका वह हमेशा से हकदार है।

आँकड़े बयां करते हैं कहानी

भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम में महिलाओं की भागीदारी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 2026 की शुरूआत तक, 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' और 'उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म' पर 3.11 करोड़ से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम पंजीकृत हुए हैं। वास्तव में, 'उद्यम' और 'उद्यम असिस्ट' पंजीकरण के अनुसार, देश के कुल पंजीकृत एमएसएमई में महिला-स्वामित्व वाले उद्यमों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है और ये रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिला उद्यमियों के लिए सबसे प्रभावशाली सुधारों में से एक 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है। पूरी तरह से ऑनलाइन, कागज रहित और स्व-घोषणा पर आधारित इस व्यवस्था ने उस नौकरशाही बाधा को समाप्त कर दिया, जो महिलाओं के लिए एक बड़ी रुकावट बनी हुई थी। जनवरी 2023 में शुरू किए गए 'उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म' ने अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत उन महिलाओं तक पहुँच बनाकर इस दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया, जिनके पास हृपैनहृ नंबर या 'जीएसटीएन' नहीं था। इसने उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र में दिए जाने वाले ऋण और सरकारी योजनाओं के लाभों के दायरे में लाने का काम किया।

सरकार ने महिलाओं को विकास वाहक के रूप में अपने आर्थिक एजेंडे के केंद्र में रखने का निर्णय लिया है।

आर्थिक शक्ति के रूप में 'नारी शक्ति'

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय रणनीति है। उन्होंने ही कहा था कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार सशक्त होते हैं और जब परिवार सशक्त होते हैं, तो राष्ट्र निरंतर मजबूत होता जाता है।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' राजनीतिक क्षेत्र में इस दर्शन की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में, विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एक व्यापक और बहुआयामी नीतिगत ढांचे के रूप में सामने आई है, जो ऋण, कौशल, बाजार तक पहुंच, पहचान और गरिमा जैसे पहलुओं को समाहित करती है।

महिलाओं के लिए तैयार की गई एक नीतिगत संरचना

एमएसएमई मंत्रालय ने अपने हर बड़े कार्यक्रम और योजना में महिलाओं के सशक्तिकरण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया है।

ये सभी मिलकर, आपूर्ति पक्ष पर आठ मुख्य श्रेणियों के माध्यम से उद्यमियों को सहायता प्रदान करते हैं: तकनीक तक पहुँच, ऋण और वित्त तक पहुँच, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, अवसरंचना सहायता, औपचारिकीकरण और समावेशन, बाजार तक पहुँच, और उद्योग-स्तरीय कौशल विकास।

पिछले पाँच वर्षों में, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 3.2 लाख से ज्यादा महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को सहायता दी गई है। हाल के आँकड़ों के अनुसार, पीएमईजीपी के कुल लाभार्थियों में से 39% महिलाएँ हैं जो इस योजना की रूपरेखा और महिलाओं की कुछ कर दिखाने की ललक, दोनों को दर्शाता है।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट महिला ऋणदाताओं को 90 प्रतिशत तक का बढ़ा हुआ गारंटी कवर प्रदान करता है। इससे बैंक बिना कुछ गिरवी रखे महिलाओं को ऋण देने के लिए तैयार हैं।

इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक खरीद नीति में संशोधन कर यह अनिवार्य किया गया कि केंद्रीय मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपनी वार्षिक खरीद का कम से कम 3 प्रतिशत हिस्सा महिला-स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से ही खरीदें। इससे महिला उद्यमियों के लिए एक सुनिश्चित और अनुमानित बाजार तैयार होता है, जिससे सरकारी खर्च को महिलाओं के व्यवसाय की वृद्धि में बदला जा रहा है। यह देखकर खुशी होती है कि वित्त वर्ष 2025-26 में, केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों/केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा की गई कुल खरीद का 3.5 प्रतिशत हिस्सा महिला एमएसएमई से ही खरीदा गया था।

'जेडइडी' (जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट) प्रमाणन योजना के तहत, महिला-स्वामित्व वाले एमएसएमई को प्रमाणन शुल्क पर सौ प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। ये विस्तृत विवरण काफी महत्वपूर्ण हैं और ये मंत्रालय के प्रयासों को दर्शाते हैं। मंत्रालय ने इस बारे में गहराई से विचार किया है कि महिलाओं को कहाँ कहाँ बाधाओं का सामना करना पड़ता है और ठीक उन्हीं बाधाओं को दूर करने के लक्ष्य के साथ सहायता दी गई।

'महिला कॉयर योजना', के तहत कॉयर क्षेत्र में काम करने वाली महिला कारीगरों को विशेष कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। 'एमएसएमई- व्यापार सशक्तिकरण और विपणन' के तहत महिलाओं को मार्केटिंग के लिए मदद करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 5 लाख लाभार्थियों में से 50 प्रतिशत महिलाओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। 'यशस्विनी अभियान' में, एमएसएमई योजनाओं और पंजीकरण से मिलने वाले लाभों के बारे में महिलाओं को जानकारी देने के लिए पूरे देश में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से महिला उद्यमियों के लिए आयोजित 'एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन' 3.0 के तहत 18,888 से अधिक आइडिया प्राप्त हुए, जो स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि महिलाओं में रचनात्मक और उद्यमशीलता की ऊर्जा का भंडार मौजूद है, जो बस बाहर आने का इंतजार कर रहा है।

इसके अलावा, मंत्रालय के पास एक समर्पित महिला उद्यमिता प्रकोष्ठ है, जो विभिन्न योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करके, महिलाओं के लिए प्राप्त परिणामों की निगरानी और मूल्यांकन करके, तथा इकोसिस्टम के हितधारकों के साथ जुड़कर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में कार्य करता है।

इन सभी पहलों ने जेंडर टारगेटिंग (लैंगिक लक्ष्यीकरण) और अभिसरण पर ध्यान केंद्रित किया है। ये कदम योजनाओं के भीतर केवल एक सब्सिडी प्रावधान के रूप में 'महिलाओं के समावेश' से आगे बढ़कर, महिला-अनुकूल उद्यमिता सहायता के लिए एक अधिक सुविचारित और व्यापक ढांचे की ओर बढ़ने के सफर को दर्शाते हैं।

कौशल, आत्मविश्वास, समुदाय

क्रेडिट और बाजारों से परे, सरकार ने यह माना है कि उद्यमिता कौशल और आत्मविश्वास का भी विषय है। विशेष रूप से पूर्वोत्तर में, जहाँ महिलाएँ पारंपरिक रूप से अपने समाज की आर्थिक रीढ़ रही हैं, लक्षित उद्यमिता विकास कार्यक्रमों ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रशिक्षित प्रतिभागियों में महिलाओं की संख्या सबसे अधिक हो।

स्वयं सहायता समूहों को एमएसएमई सहायता तंत्रों के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे महिला उद्यमियों के ऐसे समुदाय बने हैं जो एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। वे न केवल अपना व्यवसाय खड़ा करते हैं, बल्कि आपस में जुड़कर एक मजबूत नेटवर्क भी तैयार करते हैं।

यह एक ऐसी सरकार है जो निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रत्येक बजट, प्रत्येक योजना और प्रत्येक पोर्टल का सरलीकरण उस विशाल इमारत की एक ईंट के समान है, जिसकी नींव प्रधानमंत्री मोदी ने एक सरल, किंतु क्रांतिकारी विचार के साथ रखी थी–कि भारत की महिलाएं एक ऐसी शक्ति हैं जिन्हें अब स्वतंत्र और सशक्त होने का अवसर मिलना चाहिए।

हर उद्यम में 'नारी शक्ति' की भावना

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने दुनिया को बताया कि भारत की महिलाएँ यहाँ की संसद का हिस्सा हैं। इस सरकार की एमएसएमई नीतियां दुनिया को यह बता रही हैं कि भारत की महिलाएँ देश के बाजारों, कारखानों, उसकी निर्यात श्रृंखलाओं, उसके नवाचार केंद्रों और उसके बोर्डरूम्स की भी हकदार हैं।

ये उसी एक सत्य की अभिव्यक्तियाँ हैं, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक 'विकसित भारत' के अपने विजन का आधार बनाया है। एक विकसित भारत वह भारत है, जहाँ 3 करोड़ से भी ज्यादा महिला उद्यमी (और यह संख्या लगातार बढ़ रही है) विकास की असली ताकत हैं।

अभी हम उस लक्ष्य तक पूरी तरह नहीं पहुँचे हैं, लेकिन इस सरकार की देखरेख में और प्रधानमंत्री के पक्के इरादों के साथ, हम यकीनन उस राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

सीटीआईएल ने नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ के फैसले पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के व्यापार और निवेश विधि केंद्र (सीटीआईएल) ने दक्षिण एशियाई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विधि नेटवर्क (एसएआईएलएन) और भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विधि सोसायटी (आईएसआईएल) के समन्वय से नई दिल्ली स्थित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विधि सोसायटी में इंडोनेशिया से स्टेनलेस स्टील कोल्ड-रोल्ड फ्लैट उत्पादों पर यूरोपीय संघ के प्रतिपूरक और एंटी-डंपिंग शुल्क (डीएस 616) विवाद में अंतर्राष्ट्रीय सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ पैनल के फैसले पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

चर्चा विश्व व्यापार संगठन पैनल की रिपोर्ट से उत्पन्न होने वाले कानूनी और नीतिगत निहितार्थों पर केंद्रित थी, विशेष रूप से सब्सिडी और प्रतिकारी उपायों पर करार (एससीएम समझौते) और अंतर्राष्ट्रीय सब्सिडी के लिए इसके अनुप्रयोग के संदर्भ में। विचार-विमर्श में विदेशी संस्थाओं, जिनमें राज्य से संबंधित पक्ष भी शामिल हैं, जिनमें इंडोनेशिया सरकार को प्रदान किए गए वित्तीय योगदानों को आवंटित करने और ऐसे योगदानों को प्रतिपूरक सब्सिडी के रूप में मानने के संबंध में यूरोपीय संघ के दृष्टिकोण की जांच की गई। पैनल ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) पैनल के निष्कर्षों का विश्लेषण किया, जिसमें स्पष्ट किया गया कि एससीएम समझौते के अनुच्छेद 1.1(ए)(1) के तहत सरकार द्वारा हृहृवित्तीय योगदानहृहृ की परिभाषा एक सीमित सूची है, जिससे सरकार-से-सरकार प्रलोभन इसके दायरे से बाहर हो जाता है। चर्चा में हृहृसार्वजनिक निकायहृहृ का दर्जा निर्धारित करने से संबंधित मुद्दों पर भी विचार किया गया, जिसमें किसी संस्था की विशेषताओं और सरकार के साथ उसके संबंधों के ठोस मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सब्सिडी को विनियमित करने के लिए इस फैसले के व्यापक निहितार्थों की भी जांच की गई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून और विकसित हो रही औद्योगिक नीतियों के बीच संबंधों पर इसके संभावित प्रभाव शामिल हैं। सत्र में सीमा पार राज्य सहायता तंत्रों की बढ़ती जटिलता और मौजूदा डब्ल्यूटीओ ढांचे के लिए उनके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विधि सोसायटी (आईएसआईएल) के अध्यक्ष और धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (डीएनएलयू), जबलपुर के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) मनोज कुमार सिन्हा (वर्चुअल) ने उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें उन्होंने सीमा पार आर्थिक सहयोग और विकसित हो रही औद्योगिक रणनीतियों के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विनियमन की बढ़ती जटिलता पर जोर दिया।

इस पैनल चर्चा की अध्यक्षता सीटीआईएल के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. जेम्स जे. नेदुमपारा ने की और इसमें एएसएल लीगल के प्रबंध भागीदार श्री शरद भंसाली; डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर श्री मुकेश भटनागर; आर्थिक कानून अभ्यास (ईएलपी) के भागीदार श्री पार्थसारथी झा; और सीटीआईएल के शोध फेलो श्री आशुतोष कश्यप शामिल हुए थे।

सत्र का समापन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून अध्ययन केंद्र के निदेशक और धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (डीएनएलयू), जबलपुर में विधि के सहायक प्रोफेसर डॉ. उत्कर्ष के मिश्रा (वर्चुअल) के संबोधन के साथ हुआ, जिसके बाद पैनल रिपोर्ट के भविष्य के व्यापार विवादों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रतिभागियों के साथ एक संवादात्मक चर्चा हुई।

भारत में उच्च मूल्य वाली फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा

कृषि विकसित भारत के विजन में एक आधारभूत स्थान रखती है। पिछले एक दशक में, इस क्षेत्र ने 4.45 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की है, जो पूर्ववर्ती दशकों की तुलना में सर्वाधिक है। यह वृद्धि एक गहरी कहानी कहती है– विविधीकरण और मूल्य संवर्धन की कहानी। इस परिवर्तन के केंद्र में बागवानी है, जो भारत की उच्च मूल्य फसल अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में उभरी है। फलों और सब्जियों से लेकर फूलों, मसालों और बागान फसलों तक, बागवानी ग्रामीण परिदृश्यों को रूपांतरित कर रही है। पारंपरिक मुख्य फसलों के विपरीत, उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलें प्रति इकाई भूमि पर अधिक प्रतिफल उत्पन्न करती हैं और कृषि सकल मूल्य संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। बागवानी पोषण को सुदृढ़ करती है, कृषि-प्रसंस्करण को बढ़ावा देती है, निर्यात का समर्थन करती है और स्थानीय रोजगार सृजित करती है। सतत और आय-आधारित कृषि विकास की दिशा में भारत की यात्रा में, बागवानी परिधीय नहीं है। यह केंद्रीय है।

उच्च मूल्य वाली फसलें मुख्यतः बागवानी उत्पादों को संदर्भित करती हैं, जैसे फल, सब्जियाँ, फूल, मसाले और सुगंधित पौधे। इन फसलों को उच्च मूल्य इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये परंपरागत मुख्य फसलों जैसे अनाज और दालों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक शुद्ध प्रतिफल उत्पन्न करती हैं।

भारत में कृषि के विकास के प्रेरक के रूप में बागवानी

बागवानी क्षेत्र, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के कृषि फसल उप-क्षेत्र के सकल मूल्य उत्पादन (जीवीओ) में लगभग 37 प्रतिशत योगदान देता है और भारत की कृषि विकास की दिशा में एक आधारशिला के रूप में उभरा है। पिछले एक दशक में, बागवानी उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2013-14 में रहे 277.35 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 370.74 मिलियन टन हो गया है। यह विस्तार प्रमुख उप-क्षेत्रों में व्यापक वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें शामिल हैं:

सिस्टम की ढिलाई से पैदा हुआ भस्मासुर, अब उसी पर भारी

समाज जागरण

शहडोल खनिज विभाग के दफ्तर तक पहुंचकर निरीक्षक को धमकाने की घटना कोई अचानक उपजी समस्या नहीं है, बल्कि यह उस व्यवस्था का परिणाम है जिसे हमने वर्षों से ढील, समझौते और मिलीभगत के सहारे खुद खड़ा किया है। आज रेत माफियाओं के बढ़ते हौसले दरअसल उसी सिस्टम की देन हैं, जो समय रहते सख्ती दिखाने में नाकाम रहा।

जब अवैध खनन और परिवहन को शुरूआती स्तर पर ही प्रभावी ढंग से रोका नहीं जाता, जब छोटे-छोटे उल्लंघनों पर आंखें मूंद ली जाती हैं, जब जिम्मेदार विभागों के बीच समन्वय की कमी रहती है और कभी-कभी अंदरूनी स्तर पर भी समझौते होते हैं—तभी ऐसे तत्व ताकतवर बनते हैं। यही ताकत आज भस्मासुर का रूप ले चुकी है, जो अब उसी सिस्टम को चुनौती दे रही है जिसने उसे पनपने दिया।

खनिज निरीक्षक पर आरोप-प्रत्यारोप और कार्यालय में घुसकर हंगामा करना केवल एक घटना नहीं, बल्कि कानून के प्रति घटते भय का संकेत है। अगर सरकारी दफ्तर और अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिक की सुरक्षा की कल्पना कैसे की जा सकती है? इस स्थिति के लिए केवल माफियाओं को दोष देना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरी है कि सिस्टम अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करे—चाहे वह निगरानी की कमी हो, भ्रष्टाचार की गुंजाइश हो या कार्रवाई में ढिलाई। अब भी समय है कि कठोर और पारदर्शी कदम उठाए जाएं, ताकि यह भस्मासुर और विकराल रूप न ले सके।

अन्यथा, ऐसी घटनाएं केवल खबर बनकर नहीं रहेंगी, बल्कि शासन-प्रशासन की विश्वसनीयता पर स्थायी सवाल खड़े करती रहेंगी।

अमरकंटक में अक्षय तृतीया पर इंदौर निवासी अमजद खान ने अपनाया सनातन हिंदू धर्म

नर्मदा उद्गम स्थल में मिला नया नाम रामदास

समाज जागरण

अमरकंटक - मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली/पवित्र नगरी अमरकंटक जो मां नर्मदा की उद्गम स्थली के रूप में प्रसिद्ध है जहां आज सोमवार दिनांक 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर एक विशेष धार्मिक घटना देखने को मिली ।

इंदौर निवासी अमजद खान ने मां नर्मदा उद्गम मंदिर में संतों , पुजारियों और ब्राह्मणों की उपस्थिति में सनातन हिंदू धर्म को अपनाया । इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी रामभूषण दास जी महाराज शांति कुटी सहित नर्मदा मंदिर पुजारी पंडित उमेश द्विवेदी , पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी , पंडित उत्तम द्विवेदी , पंडित धनेश द्विवेदी , पंडित श्रेयांक द्विवेदी , पंडित जुगुल किशोर द्विवेदी , पंडित मयंक द्विवेदी , पंडित रूपेश द्विवेदी , पंडित आकाश द्विवेदी सहित आदि उपस्थित रहे ।

हिंदू धर्म स्वीकार के बाद पुराना नाम अमजद खान की जगह नया नाम रामदास रखा गया । नाम करण के बाद रामदास ने बताया कि वे पहले से ही हिंदू धर्म के प्रति अपनी आस्था और विश्वास रखते थे और पूजा-पाठ करते रहे हैं । उन्होंने कहा कि वे अपनी इच्छा से सनातन धर्म को अपने जीवन में अपना रहे हैं और आगे भी इसके सिद्धांतों का पालन करेंगे । उन्होंने स्वयं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि नर्मदा परिक्रमा के दौरान उन्हें अमरकंटक जैसी पवित्र नगरी में नया जीवन और नई पहचान मिली है ।

इस अवसर पर स्वामी रामभूषण दास जी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में सभी जीवों के प्रति करुणा और अहिंसा का भाव सिखाया जाता है और यह समस्त विश्व को एक परिवार मानने की प्रेरणा देता है । उन्होंने रामदास का सनातन धर्म में आने से उनका स्वागत किया है ।

रामदास ने भी भगवान परशुराम जयंती पर मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली से भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें वे शामिल हुये साथ ही सैकड़ों ब्राह्मण , संत , नगरवासी सहित भारी संख्या में लोग एकत्रित हुए ।

पेंड्रा में स्वीकृत 13 किमी बायपास निर्माण की मांग कब होगी पूरी

समाज जागरण

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ।जिले के पेंड्रा क्षेत्र में वर्ष 2018 में तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा 13 किलोमीटर लंबी बायपास सड़क की घोषणा एवं स्वीकृति दी गई थी। इस परियोजना के लिए लगभग 55 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत हुई, किंतु अब तक केवल आंशिक भूमि अधिग्रहण ही हो सका है और निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है ।वर्तमान स्थिति में इस बायपास के निर्माण हेतु लगभग 100 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। पेंड्रा नगर के व्यस्ततम मार्ग से प्रतिदिन भारी मालवाहक ट्रक एवं ट्रेलर गुजरते हैं, जिससे लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है और आमजन की सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

पेंड्रा क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस बायपास निर्माण की प्रतीक्षा कर रही है और इससे क्षेत्र के यातायात, सुरक्षा एवं विकास में बड़ा सुधार संभव है।

जैतहरी के परशुराम चौक में गूंजा जय जय परशुराम, स्थायी शेड निर्माण का संकल्प, विप्र समाज की अद्वितीय एकता का भव्य प्रदर्शन

समाज जागरण

जैतहरी। भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर जैतहरी स्थित परशुराम चौक में विप्र समाज द्वारा अत्यंत भव्य, धार्मिक एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में जिले भर से बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोगों ने सहभागिता कर समाज की एकजुटता और आस्था का अद्वितीय परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान यह महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई कि परशुराम चौक में स्थायी शेड का निर्माण कराया जाएगा, जिससे भविष्य में धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को और अधिक सुव्यवस्थित रूप से संपन्न किया जा सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के पूजन, अर्चन, वंदन एवं महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ। पूरे आयोजन स्थल पर जय जय परशुराम और भगवान परशुराम अमर रहें के गगनभेदी नारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं में अपार उत्साह और श्रद्धा का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

विप्र समाज के आवाहन पर विशेष रूप से जैतहरी एवं आसपास के क्षेत्रों सहित पूरे जिले से ब्राह्मण समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व में जैतहरी में प्रदर्शित ब्राह्मण एकता की ऐतिहासिक सफलता की चर्चा करते हुए सभी समाजजनों को साधुवाद दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि जिस प्रकार समाज ने एक मंच पर संगठित होकर अपनी शक्ति का परिचय दिया है, वह पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है।

समारोह का संचालन पंडित महेश प्रसाद तिवारी ने प्रभावशाली शैली में किया। मुख्य वक्ता के रूप में विप्र समाज के संयोजक पंडित राम नारायण द्विवेदी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि आज हम जिस स्वरूप की पूजा कर रहे हैं, वह केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि सजीव दिव्य सत्ता का प्रतीक है। भगवान परशुराम सात चिरंजीवों में से एक हैं और कलियुग में भी उनकी उपस्थिति समाज का मार्गदर्शन करती है। उनके इस भावपूर्ण वक्तव्य से उपस्थित जनसमूह अत्यंत भावविभोर हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान शीतल पेयजल, प्रसाद, फल-फूल एवं अन्य तरल पदार्थों का विशाल स्तर पर वितरण किया गया। अंत में समाज के हितों की रक्षा और आवश्यकता पड़ने पर सदैव एकजुट रहने का सामूहिक संकल्प लिया गया। सभी ने एक स्वर में कहा कि ब्राह्मण समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है, और जब भी समाज को आवश्यकता होगी, सभी एक साथ खड़े रहेंगे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पंडित विद्याधर शुक्ला, पंडित रोहिणी त्रिपाठी, पंडित सुरेंद्र शुक्ला, पंडित रोहिणी प्रसाद तिवारी, पंडित शेषनारायण शुक्ला, रामसजीवन गौतम, पंडित सत्येंद्र दुबे, पंडित विजय शुक्ला, पंडित महेश प्रसाद तिवारी, पंडित राजेंद्र द्विवेदी, पंडित दुर्गा प्रसाद तिवारी, पंडित विजय मिश्रा, पंडित मयंक त्रिपाठी, पंडित विद्याधर पांडे, पंडित श्याम नारायण शुक्ला, शास्त्री जी पंडित राम जी शर्मा पंडित आशीष पांडे ,पंडित जनार्दन तिवारी ,पंडित विकास त्रिपाठी, पंडित बृजेश गौतम तथा पंडित द्वारिका प्रसाद त्रिपाठी (अनूपपुर) सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अंत में जिले की ओर से आयोजकों को इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी समाजहित के प्रत्येक कार्य में साथ रहने का आश्वासन दिया गया।

रेलवे अंडर ब्रिज के निर्माण से नगर वासियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

रेलवे ने संयुक्त सर्वे के जरिये लिया जायजा, नगर पालिका अध्यक्ष की पहल लायी रंग

समाज जागरण

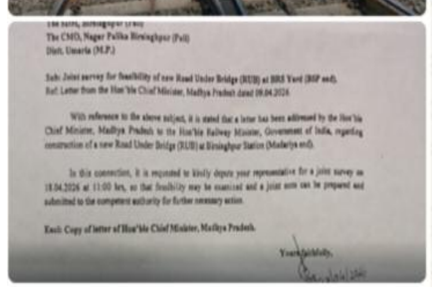

The CMO, Nagar Palika Birsinghpur (Pali)
Distt. Umaria (M.P.)

Sub: Joint survey for feasibility of new Road Under Bridge (RUB) at BRS Yard (BSP end).
Ref: Letter from the Hon'ble Chief Minister, Madhya Pradesh dated 09.04.2026

With reference to the above subject, it is stated that a letter has been addressed by the Hon'ble Chief Minister, Madhya Pradesh to the Hon'ble Railway Minister, Government of India, regarding construction of a new Road Under Bridge (RUB) at Birsinghpur Station (Madariya end).

In this connection, it is requested to kindly depute your representative for a joint survey on 18.04.2026 at 11:00 hrs, so that feasibility may be examined and a joint note can be prepared and submitted to the competent authority for further necessary action.

Encl: Copy of letter of Hon'ble Chief Minister, Madhya Pradesh.

Yours faithfully,

बिरसिंहपुर पाली --- नगर पालिका परिषद पाली वर्तमान में रेलवे लाइन के कारण लगभग दो भागों में बटा हुआ है, जिस कारण से नागरिकों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पडता था, यद्यपि पश्चिमी छोर में बने एक अंडर ब्रिज के सहारे नागरिकों को आवागमन करना पडता रहा है चूंकि नगर के दक्षिणी दिशा से राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के गुजरने के कारण एक अंडर ब्रिज पर्याप्त नहीं है, साथ ही नगर के साथ अन्य ग्रामीण जनों को चक्कर लगाकर इस अंडर ब्रिज के सहारे तहसील कार्यालय, अनुविभागीय कार्यालय राजस्व, जनपद पंचायत, न्यायालीन काम, धाना, सिंचाई विभाग, नगर पालिका कार्यालय, विद्यालय, बैंक, पोस्ट आफिस और बाजार के लिये दक्षिणी छोर से उत्तर की ओर भारी संख्या में लोगों को आना जाना पड़ता है। इस समस्या से जुझ रहे नागरिकों ने समय समय पर अंडर ब्रिज निर्माण की मांग करते रहे हैं। इस समस्या से नागरिकों को निजात दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष की अध्यक्ष सुश्री शंकुतला प्रधान ने मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव जी से आग्रह किया था, जिस पर मुख्यमंत्री जी ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर जनता की समस्या को निजात दिलाने के लिए आग्रह किया था। जिस पर रेल प्रशासन ने अमल में लेते हुए स्थल निरीक्षण कर अंडर ब्रिज बनाने के लिए उच्च प्रबंधन को प्रस्ताव भेजा गया है। अंडर ब्रिज निर्माण स्थल के निरीक्षण के अवसर पर रेल विभाग, नगर पालिका परिषद पाली और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अवलोकन किया।

इस अंडर ब्रिज की मांग पिछले पंच वर्षीय से चलती आ रही है। अब आम नागरिकों को आश बनी हुई है कि जनता की मांग पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए अंडर ब्रिज सड़क मार्ग का निर्माण कराया जाना जन हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से रखी गई अंग्रेजी एवं देशी शराब जप्त

समाज जागरण विजय तिवारी

जैतहरी ।दिनांक 19/04/2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नं. 5, जैतहरी में प्रकाश सोनी अपने किराना दुकान के सामने अवैध रूप से अंग्रेजी शराब विक्रय हेतु रखे हुए है। सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की गई।

मौके पर प्रकाश सोनी के पास एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी पाई गई। बोरी की तलाशी लेने पर उसमें बैगपाइपर, गोवा, ऑफिसर चॉइस आदि विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब एवं देशी प्लेन/मसाला शराब कुल 80 पाव (कुल मात्रा 14 लीटर 160 मिलीलीटर) बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत ₹11,264/- है।

आरोपी के पास शराब रखने एवं विक्रय करने का कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया गया, जिससे उसका कृत्य आबकारी अधिनियम की धारा 34(ए) के अंतर्गत दंडनीय पाया गया। पुलिस द्वारा उक्त अवैध शराब को विधिवत जप्त कर आरोपी प्रकाश सोनी (पिताः गुरुदयाल सोनी, उम्र 33 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 5, जैतहरी) के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया ।उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनूपपुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जैतहरी निरीक्षक अमर वर्मा, सहायक उपनिरीक्षक मणिराज सिंह, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश कुमार कोरी, आरक्षक नरेंद्र जाट एवं महिला आरक्षक मंजू भट्ट की सराहनीय भूमिका रही।

जन आक्रोश पदयात्रा में जीपीएम जिला पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व में महिलाएं शामिल

समाज जागरण

गौरेला ।महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्री मति विभा अवस्थी के अगुवाई में भाजपा महिला मोर्चा जन आक्रोश पदयात्रा, रायपुर में निकाली गई । इस

जन आक्रोश पदयात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा के नेतृत्व में सैकड़ो महिलाएं शामिल हुई। आक्रोश पद यात्रा में जिला जीपीएम जिले की महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने इस जन आक्रोश पदयात्रा में सामिल हुई और महिला विरोधी कांग्रेस के खिलाफ जोरदार विरोध और पुरजोर विरोध दर्ज कराई।

साल दर साल बढ़ती गर्मी को रोकने का एकमात्र उपाय है वृक्षारोपण

विकसित भारत जी राम जी योजना से हो गांवों में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का कार्य -अक्षय नामदेव

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

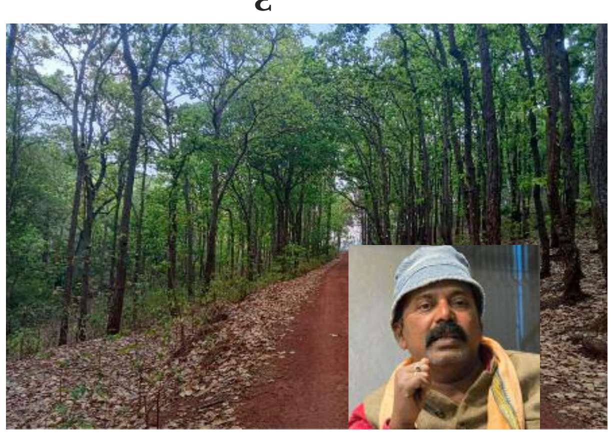

गौरेला /जिले में नदियों के संरक्षण के लिए अलख जगाने वाले पर्यावरण विद् अक्षय नामदेव ने कहा है कि विकास की कीमत पर जिस तरह पूरे देश के हर हिस्से में वनों की कटाई हो रही है जिससे साल दर साल गर्मी बढ़ती जा रही है गर्मी को रोकने का एकमात्र उपाय है वृक्षारोपण। इस वृक्षारोपण को देश व्यापी बनाने के लिए विकसित भारत जी राम जी योजना से हो गांवों में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का कार्य होना चाहिए।नामदेव का कहना है कि हर साल की तरह इस साल भी अप्रैल समाप्त होते होते गर्मी चरम पर पहुंचने जा रही है। अलग-अलग माध्यमों से जनता तक सूचना पहुंचाई जा रही है कि हीट वेव चल रहा है अपना बचाव रखें। रातें बेचैनी भरी हो गई है। सब जगह दिन का तापमान लगभग 45 पहुंच रहा है। गर्मी से बचाव के लिए मध्यवर्गीय जनता का साधन कूलर और पंखा काम नहीं कर रहा है। शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण क्षेत्र सभी जगह गर्मी का भीषण प्रकोप देखने को मिल रहा है। ऐसा नहीं है यह इसी साल पहली बार हो रहा है यह हर साल का किस्सा है। गर्मी जिस तरह बढ़ रही है उससे स्वाभाविक रूप से गर्मी बढ़ने के कारणों पर भी चर्चा हो रही है उन कारणों में प्रमुख है विकास के लिए वृक्षों की कटाई। नई सड़क का निर्माण हो या चौड़ीकरण, नई रेल लाइनों का निर्माण, बांध का निर्माण हो या नहरों का निर्माण चाहे कोल माइंस हो। इन सब कार्यों के कारण स्वाभाविक रूप से वृक्षों की कटाई हो रही है। सरकार हो या न्यायालय चाह कर भी वृक्षों की कटाई रोक नहीं पा रही है परंतु नए वृक्षारोपण और उनकी सुरक्षा से कौन रोक सकता है। सरकारी योजना बनाकर व्यक्तिगत जवाब देही तय करके पर्यावरण की रक्षा कर सकता है। श्री नामदेव ने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग कारणों से जिस तरह से पेड़ों की कटाई हुई है उससे तापमान में वृद्धि हुई है। विकास की कीमत पर जितनी बड़ी संख्या में पेड़ों को काटे गए हैं उसकी तुलना में वृक्षारोपण और उसकी रक्षा पर ठीक ढंग से काम नहीं किया गया है। ऐसे में अब जरूरी है की पर्यावरण के संतुलन को बनाने के लिए वृक्षारोपण एवं रोपे गये वृक्षो की रक्षा के लिए योजना बनाकर काम किया जाए।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर वृक्षारोपण और उसकी रक्षा के लिए भारत सरकार विकसित भारत की राम जी के माध्यम से योजना बनाकर काम करने का सुझाव दिया है। जी राम जी योजना से वृक्षारोपण और उसकी रक्षा की योजना सफल हो सकती है। इसके लिए भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय को राज्यों के साथ समन्वय बनाकर गांव-गांव काम करना होगा। विकसित भारत जी राम जी जिसे पूर्व में मनरेगा कहा जाता था के माध्यम से अभी तक तालाब खोदने और सीमेंट कंक्रीट के निर्माण पर ही ज्यादा काम हुए हैं बहुत कम ऐसे उदाहरण हैं कि वृक्षारोपण और उसकी रक्षा पर योजना बनाकर काम किया गया हो।उल्लेखनीय है विकसित भारत-जी राम जी योजना, जिसे 2025 में मनरेगा के स्थान पर पेश किया गया है, ग्रामीण श्रमिकों को प्रति वर्ष 100 के बजाय 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देती है। यह योजना मुख्य रूप से स्थायी ग्रामीण बुनियादी ढांचे, जल संरक्षण, और आजीविका बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती है, जिसके तहत 15 दिन में काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान है।जी राम जी योजना की मुख्य विशेषता में ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का सुनिश्चित रोजगार उपलब्ध कराना है तब इस योजना के माध्यम से वृक्षारोपण एवं उसकी रक्षा के लिए काम इसी बरसात से शुरू किया जाना चाहिए। यह इस योजना पर यदि ईमानदारी पूर्वक काम हुआ तो वह दिन दूर नहीं जब हम बढ़ते तापमान पर नियंत्रण पा सकते हैं। विकसित भारत जी राम जी के माध्यम से वृक्षारोपण और उसकी रक्षा योजना पर काम करके भूजल स्तर में भी वृद्धि की जा सकती है। नदियों के संरक्षण के लिए भी योजना मील का पत्थर साबित हो सकती है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर हटा में दिव्य हवन-पूजन, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

हटा/ आराध्य भगवान श्री परशुराम जी के पावन जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर नगर हटा में धर्म, भक्ति और सनातन परंपराओं का अनुपम दृश्य देखने को मिला। सर्व ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन में भगवान परशुराम जी की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना, अभिषेक एवं वैदिक रीति से हवन-पूजन संपन्न किया गया।

प्रातःकालीन बेला से ही ब्राह्मण समाज धर्मशाला में श्रद्धालुओं का आगमन

प्रारंभ हो गया और संपूर्ण परिसर वेद मंत्रों की गूंज, शंखध्वनि से भक्तिमय हो उठा। विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में यज्ञ कुंड में आहुतियाँ अर्पित की गईं, जिससे वातावरण दिव्यता, पवित्रता एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया। ब्राह्मण समाज के लोगों के द्वारा श्रद्धा भाव से भगवान परशुराम जी के चरणों में पुष्प अर्पित कर धर्म, सत्य, पराक्रम एवं न्याय के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लेते नजर आए।

इस पावन अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों के महंतों एव मदिरो के-महात्माओं का सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा तिलक-वंदन कर पुष्पमालाओं एवं श्रीफल भेंट कर उन्हे सम्मानित किया गयाऔर

कार्यक्रम के अंतर्गत दोपहर 2:00 बजे से विशाल भोजन प्रसादी (भंडारा) का आयोजन किया गया। इस पुण्य प्रसाद वितरण में नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से आए ब्राह्मण समाज ने सहभागिता निभाई और प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया। भंडारे में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी,

इस दिव्य आयोजन में सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष, युवा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, महिला अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारीगण एवं समाज के गणमान्य नागरिक सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। साथ ही नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ब्राह्मण बंधुओं एवं श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक भव्यता प्रदान की।

यह पावन आयोजन न केवल धार्मिक आस्था और श्रद्धा का प्रतीक बना, बल्कि समाज में एकता, सद्भाव, नैतिक मूल्यों एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का प्रेरणादायी संदेश देता है

हिण्डोरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 63 लीटर अवैध शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण जिला संवाददाताः उदय सिंह लोधी

दमोह। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हिण्डोरिया थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 63 लीटर अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र उपाध्याय को 20 अप्रैल को सूचना मिली कि कादीपुर-लुहर्रा मार्ग से मोटरसाइकिल पर अवैध शराब ले जाई जा रही है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्वारी खेर माता मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर नाकेबंदी की। इस दौरान कादीपुर की ओर से आ रही बिना नंबर की होण्डा साइन मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन सवार युवक भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर घेराबंदी करते हुए चालक अमित लोधी (24) को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी गौरव ठाकुर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल से दो चादरों में लिपटे सात कार्टून बरामद किए गए, जिनमें तीन कार्टून देशी मदिरा मसाला और चार कार्टून देशी मदिरा प्लेन शामिल हैं। कुल 350 पाव (करीब 63 लीटर) शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 36,500 रुपये आंकी गई है। साथ ही बिना नंबर की मोटरसाइकिल (कीमत करीब 40,000 रुपये) भी जब्त की गई। कुल जब्ती राशि लगभग 76,500 रुपये बताई गई है।

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि यह शराब ग्राम मंहतपुर स्थित शासकीय शराब दुकान मुड़िया के गढ़ीदार द्वारा उपलब्ध कराई गई थी। पुलिस ने मामले में सप्लाई करने वाले व्यक्ति को भी सह-आरोपी बनाया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 42 एवं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र उपाध्याय, उपनिरीक्षक रामकुमार ठाकुर, उपनिरीक्षक जागेश्वर साहू सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही। वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की तत्परता की प्रशंसा की है।

अक्षय तृतीया पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का बाल विवाह रोकथाम अभियान

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह/बटियागढ़ अक्षय तृतीया के अवसर पर जिले में बाल विवाह रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह एवं महिला बाल विकास विभाग ने संयुक्त रूप से पहल करते हुए विभिन्न टीमों का गठन किया जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पैरा लीगल वालंटियर सम्मिलित रहे । इन टीमों को जिले के मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर तैनात किया गया, जहां इस दिन बड़ी संख्या में विवाह आयोजित होते हैं। बटियागढ़ तहसील अंतर्गत मां कलेही मंदिर मगरोन अजब धाम फतेहपुर मां हरसिद्धि मंदिर बटियागढ़ वाकायन हनुमान मंदिर में टीमें रही तैनात अभियान के दौरान टीमों में शामिल पीएलवी रूपेन्द्र सिंह ने लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। साथ ही, बाल विवाह कराने पर लागू कानूनी प्रावधानों और दंड की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि इससे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। मां कलेही माता मंदिर मगरोन में पीएलवी रूपेन्द्र सिंह सुपरवाइजर श्रीमती निशा ठाकुर श्रीमती जानकी सोनी श्रीमती कुंती विश्वकर्मा श्रीमती पूजा दुवे श्रीमती लक्ष्मी लखेरा ने लोगो से संवाद किया जानकारी दी प्रशासन ने आमजन से अपील की कि वे इस कुप्रथा को समाप्त करने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध बाल विवाह की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें। अभियान को लेकर जिलेभर में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली।

'सलाम नमस्ते' में ह्यसलाम सक्सेस' का आयोजन, बोर्ड टॉपर्स ने साझा किए सफलता के मंत्र

आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो पर छात्रों ने बताई तैयारी की रणनीति, शिक्षकों ने किया मार्गदर्शन

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो 'सलाम नमस्ते' में 'सलाम सक्सेस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं और परीक्षा की तैयारी के अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के उपाध्यक्ष चिराग गुप्ता, सलाहकार प्रोफेसर (डॉ.) जे.के. शर्मा सहित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल, इंदिरापुरम के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी

चिराग गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। वास्तविक सफलता केवल मेहनत, लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से ही प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

टॉपर ने साझा किया अनुभव

कार्यक्रम में योगित जैन ने बताया कि उन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं में 99.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों के मार्गदर्शन और नियमित मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया से दूरी बनाकर उन्होंने पूरी तरह पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे यह उपलब्धि संभव हो सकी।

छात्रों और शिक्षकों ने रखे विचार

स्टेशन हेड वर्षा छबारिया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना और उनके अनुभव साझा करना है। कार्यक्रम में छात्रों ने बोर्ड परीक्षा की तैयारी, पीयर प्रेशर, ग्रुप स्टडी और समय प्रबंधन पर भी चर्चा की।

जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल की शिक्षिका पूजा गौतम ने कहा कि इस वर्ष स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसका श्रेय शिक्षकों, प्रबंधन और छात्रों की मेहनत को जाता है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से हर विद्यार्थी सफलता प्राप्त कर सकता है।

रोजगार संकट में मनरेगा को बहाल करे सरकार - एआईपीएफ

बकाया मजदूरी का तत्काल भुगतान हो, 200 दिन काम और 600 रूपए मजदूरी दर

समाज जागरण/
विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। नई वैश्विक परिस्थितियों के कारण आए जबरदस्त रोजगार के संकट व भीषण महंगाई ने शहरों से बड़ी संख्या में ग्रामीण गरीबों को वापस लौटने के लिए मजबूर किया है। इन स्थितियों में सरकार को तत्काल मनरेगा को बहाल करना चाहिए और 200 दिन काम व 600 रूपए मजदूरी दर व बकाया मजदूरी का तत्काल भुगतान करना चाहिए। यह मांग आज म्योरपुर ब्लॉक में आयोजित ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के धरने में जोरदार तरीके से उठी। धरने के बाद जिलाधिकारी को मांग पत्र बीडीओ के माध्यम से भेजा गया।

धरने में कहा गया कि नोएडा श्रमिक आंदोलन के बाद अपनी गलती को स्वीकार करते हुए सरकार ने मजदूरों की मजदूरी दर में वृद्धि करने का नोटिफिकेशन जारी किया। लेकिन मनरेगा मजदूर और कृषि मजदूरों की मजदूरी में कोई भी बढ़ोत्तरी नहीं की गई। यह बेहद अन्यायपूर्ण है और इस महंगाई में मजदूरी न बढ़ने और मजदूरी का महीनों से भुगतान होने व रोजगार संकट के कारण जनपद के अति पिछड़े आदिवासी बाहुल्य दुध्दी क्षेत्र में भुखमरी की हालात पैदा हो गई है।

वक्ताओं ने कहा कि दरअसल केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के बजट में बड़े पैमाने पर कटौती करने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा मजदूरों की मजदूरी कई-कई महीनों से बकाया पड़ी हुई है। संविधान के अनुसार काम करा कर मजदूरी बकाया रखना बंधुआ प्रथा है और मनरेगा के प्रावधानों के खिलाफ है। केंद्र सरकार आधुनिक गुलामी को फिर से थोप देने में लगी हुई है जिसका प्रतिवाद किया जाएगा।

वक्ताओं ने कहा कि हर घर नल योजना मजाक बनकर रह गई है। आज तक यह योजना जमीनी स्तर पर लागू नही हुई। नल तो लगे पर उनमें पानी नदारद है। इसके नाम पर वैकल्पिक जल स्त्रोतों हैंडपंप, कुंआ आदि के लिए आवंटित बजट खत्म कर दिया गया। परिणाम स्वरूप इस भीषण गर्मी में पूरे इलाके में पेयजल का भी भीषण संकट खड़ा होगा। इसलिए तत्काल हर घर नल योजना को चालू करने, कुआं व हैंडपंप के लिए बजट आवंटित करने और म्योरपुर ब्लॉक के जितने भी आरो प्लांट खराब पड़े हुए हैं उन्हें तत्काल बनवाने की मांग भी की गई।

धरने में एआईपीएफ के जिला संयोजक कृपाशंकर पनिका, जिला सचिव इंद्रदेव खरवार, मजदूर किसान मंच के जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोंड, जिला प्रवक्ता मंगरु प्रसाद श्याम, युवा मंच जिला संयोजक सविता गोंड, रूबी सिंह गोंड, शंखलाल खरवार, मनोहर गोंड, रामखेलावन गोंड, कौशल्या देवी, सुरेश गोंड, राजू यादव, अमित भारती, सिंहलाल गोंड, महावीर गोंड, राम लखन, मोहरलाल, बुध्दिनारायण, श्याम सिंह लाल, मायाराम आदि सैकड़ो लोग मौजूद थे।

"नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023" प्रचार अभियान" के तह पोस्टर एवं चित्र कला का आयोजन

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 प्रचार अभियान के तहत आज शैक्षणिक जागरूकता सत्र में सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो० डॉ प्रमोद कुमार ने कहा इस अभियान के तहत पोस्टर एवं चित्रकला के आयोजन को एक प्रभावी जन-जागरूकता पहल के रूप में देखा जा सकता है। इस प्रकार के आयोजन समाज में महिलाओं से जुड़े मुद्दों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर देते हैं। पोस्टर और चित्रकला के माध्यम से प्रतिभागी न केवल अपने विचारों को अभिव्यक्त करते हैं, बल्कि नारी सशक्तिकरण, अधिकारों की सुरक्षा और सामाजिक बंधनों से मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जनमानस का ध्यान भी आकर्षित करते हैं। इसी क्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विभा पाण्डेय ने कहा कि इस आयोजन की खास बात यह है कि यह कला के माध्यम से कानून की जानकारी को सरल और आकर्षक रूप में लोगों तक पहुँचाता है। साथ ही, यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए संवाद और विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करता है। इस प्रकार के प्रचार अभियान नारी सम्मान और समानता के संदेश को व्यापक स्तर पर फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और एक जागरूक एवं संवेदनशील समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर डॉ संघमित्रा, डॉ बीना यादव, डॉ अंजली सहित महाविद्यालय की समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहीं।

नवगठित बीपैक्स पर टिकी है किसानों की उम्मीदें : अवधेश सिंह

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। नवगठित बीपैक्स सलखन के संचालक मंडल की बैठक सलखन पंचायत भवन पर हुई ।बैठक की अध्यक्षता मुख्य प्रवर्तक / अध्यक्ष अरविंद कुमार ने की।बैठक मे उपस्थित एडीसीओ राबर्टसगंज अवधेश सिंह ने कहा कि नवगठित बीपैक्स पर किसानो की उम्मीदों का भार है और उन उम्मीदों पर खरे उतरने की चुनौती भी।सहकारी समितियाँ आपके जीवन को सरल सुगम और समृद्ध बनाती हैं।मारकुंडी समिति के अध्यक्ष सत्यदेव पांडेय ने उपस्थित संचालको को सहकारिता के नियमो और उद्देश्यो के बारे मे विस्तार से जानकारी दी।बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य प्रवर्तक अरविंद कुमार ने समिति की उधार ग्रहण क्षमता और दृष्टिबंधक ऋणसीमा के बारे मे बताते हुए नियमानुसार प्रस्ताव पारित कराये। बैठक मे सचिव चंद्रभूषण पाल, सचिव मारकुंडी अमरदेव, उपाध्यक्ष इन्द्रदेव पांडेय, कैलाश, रामपति, रिंकू, राजेन्द्र सिंह, अनंती देवी इत्यादि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल पोलवा में चार दिवसीय अंतर विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन, विजेताओं को मिला सम्मान

समाज जागरण

सोनभद्र/दुद्धी। स्थानीय तहसील क्षेत्र के महुली स्थित राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल पोलवा में आयोजित चार दिवसीय अंतर विद्यालयी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन सोमवार, 20 अप्रैल को प्रातः 9 बजे अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन दिवस पर नन्हे-मुन्ने प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन यूकेजी एवं एलकेजी वर्ग के बैलून रेस में बालक खिलाड़ियों में एलेंश कुमार एवं शशिभूषण ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। आरिश एवं आयुष ने द्वितीय तथा आर्यन यादव एवं सूर्य प्रकाश ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सभी विजेता राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल पोलवा के छात्र रहे।

वहीं बालिका वर्ग में आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली की खुशनुमा एवं सलमा ने प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल पोलवा की अनुष्का एवं अनुष्का ने द्वितीय तथा शैरिश फातमा एवं प्रियांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

म्यूजिकल चेयर (कुर्सी दौड़) प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 5 के बालक वर्ग में एलकेजी के छात्र श्रेयांश गुप्ता ने अद्भुत संतुलन और चपलता का परिचय देते हुए सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़ प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं बालिका वर्ग में शैरिश फातमा (दुआ) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वाटर बॉल गेम में बालक वर्ग में आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली के नैतिक सोनी विजेता रहे, जबकि बालिका वर्ग में राष्ट्रीय हायर सेकेंडरी स्कूल पोलवा की सारा खान ने प्रथम स्थान प्राप्त कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को विद्यालय के चेयरमैन मकसूद आलम एवं प्रधानाचार्य केडी त्रिपाठी द्वारा मेडल पहनाकर तथा ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान अभिभावकों, शिक्षकों एवं उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तालियों से बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

अतिथियों के प्रेरणादायी उद्बोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरमैन मकसूद आलम ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास की आधारशिला होती हैं। ऐसे आयोजन बच्चों में अनुशासन, प्रतिस्पर्धा की भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय निरंतर ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करता रहेगा। प्रधानाचार्य केडी त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ खेल का संतुलन ही विद्यार्थियों को सफल और सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने जिस उत्साह और लगन से भाग लिया, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन भागीदारी ही सबसे बड़ी उपलब्धि है।

इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका राकेश कुमार कन्नौजिया (प्रधानाचार्य, आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली), रविंदर कुमार, कृष्णा जायसवाल एवं अंशुमान ने निष्पक्षता एवं कुशलता के साथ निभाई।

कार्यक्रम में आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली के प्रबंधक महबूब आलम, डायरेक्टर मंसूर आलम, मनोज कुमार, आलोक कुमार कन्नौजिया, कृष्णा कुमार, मेराज अंसारी, विकास कुमार, कमलेश कुमार पासवान, शिरीन मसीह, दिव्या अग्रहरि, आशा गुप्ता, पूसा, गुंजा, प्रतिमा, प्रियांशी, राकेश, अंजू कुमारी, कविता कुमारी, मोनिका कुमारी एवं नवनीत मिश्रा सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समापन समारोह में उत्साह, उमंग और उपलब्धियों की गूंज साफ झलक रही थी। नन्हे खिलाड़ियों की प्रतिभा ने यह सिद्ध कर दिया कि ग्रामीण अंचल में भी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मंच और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

ब्लॉक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को खंड शिक्षा अधिकारी ने किया सम्मानित

कोन/सोनभद्र, 17 अप्रैल 2026

समाज जागरण / आदिवासी सुनील त्रिपाठी कोन बीआरसी परिसर में आयोजित शिक्षकों की मासिक बैठक के दौरान नवीन नामांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 11 प्रभारी प्रधानाध्यापकों एवं 4 संकुल शिक्षकों को खंड शिक्षा अधिकारी विश्वजीत कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलता है तथा अन्य शिक्षकों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

शिक्षा गुणवत्ता और नामांकन पर दिए गए निर्देश

बैठक के दौरान नीति आयोग के प्रतिनिधि डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता ने निपुण असेसमेंट, विद्यालयों के 19 पैरामीटर के संतृप्तीकरण एवं निपुण विद्यालय बनाने से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी शिक्षकों को निर्देश दिया कि 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का नामांकन विद्यालयों में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्यालयों की साफ-सफाई व्यवस्था पर भी ध्यान देने को कहा और निर्देश दिया कि यदि ग्राम स्तर पर सफाई कर्मी नियमित कार्य नहीं कर रहे हैं तो इसकी रिपोर्ट जिला कार्य योजना में शामिल की जाए, ताकि शासन स्तर पर आवश्यक कार्रवाई हो सके।

अक्षय तृतीया पर विशेष अभियान: चाइल्ड लाइन की तत्परता से टले दो बाल विवाह, नाबालिग बच्चियां बचाई गईं

समाज जागरण/
अनिल कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। अक्षय तृतीया के अवसर पर चलाए जा रहे विशेष बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की मदद से रायपुर और रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्रों में दो नाबालिग बच्चियों का बाल विवाह होने से रोका गया। दोनों मामलों में चाइल्ड लाइन यूनिट ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए बच्चियों को सुरक्षित किया।

रायपुर थाना क्षेत्र से मिली सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। बच्ची की उम्र संबंधी दस्तावेज मांगे जाने पर परिजन साक्ष्य प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे। प्रथम दृष्टया बालिका नाबालिग प्रतीत होने पर टीम ने तत्काल रेस्क्यू कर उसे रायपुर थाने पहुंचाया और बाल गृह में आवासित कराया गया। इस कार्यवाही में परियोजना समन्वयक मुकेश सिंह, पर्यवेक्षक सुधा गिरी, काउंसलर अमन सोनकर और रायपुर पुलिस टीम शामिल रही।

इसी क्रम में रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र से भी एक नाबालिग बच्ची को संरक्षित किया गया। इस बच्ची का रेस्क्यू टीम सदस्य सीमा शर्मा, सत्यम चौरसिया एवं दीपिका सिंह द्वारा किया गया। रेस्क्यू के बाद बालिका को बाल कल्याण समिति उहउ के समक्ष प्रस्तुत किया गया और समिति के आदेश पर बाल गृह में सुरक्षित आवासित कराया गया है।

परियोजना समन्वयक मुकेश सिंह ने बताया कि अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिले में चाइल्ड हेल्पलाइन एवं पुलिस द्वारा विशेष सतर्कता बरतते हुए संयुक्त कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानूनन विवाह के लिए लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। बाल विवाह में शामिल माता-पिता, रिश्तेदार तथा विवाह संपन्न कराने वाले पंडित आदि के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपील: यदि आपके आसपास कहीं बाल विवाह होने की जानकारी मिले तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर सूचना दें। आपकी एक कॉल किसी बच्ची का भविष्य बचा सकती है।

जिला जेल मारकुंडी मुख्य सम्पर्क मार्ग पर अतिक्रमणकारियों ने स्वयं अतिक्रमण हटाने का कार्य किया प्रारंभ

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

गुरमा/सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमा पुलिस चौकी अन्तर्गत गुरमा मारकुंडी जिला जेल मुख्यमार्ग स्थित मीनाबाजार घाघर नदी पुल काफी जीर्णशीर्ण क्षतिग्रस्त होने के पश्चात नया पुल के निर्माण के पूर्व विभाग द्वारा वैकल्पिक सम्पर्क मार्ग घाघर नदी से मारकुंडी मीनाबाजार होते हुए गुरमा जिला जेल सम्पर्क मार्ग से तो जोड़ दिया गया था लेकिन मीना बाजार का सम्पूर्ण सम्पर्क मार्ग पर स्थानीय व्यवसायियों द्वारा जबरदस्त अतिक्रमण कर मार्ग को काफी सकरा कर दिया गया था। जो जिला जेल समेत बड़े छोटे वाहनों को लेकर प्रतिदिन घंटों जाम की विकट समस्याओं से आमजनमानस को जुझना पड़ रहा था जिसकी शिकायत जेल प्रशासन समेत ग्रामीणों ने भी उठाई थी।इतना ही नहीं जिला जेल गुरमा के त्रैमासिक निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक,जिला मुख्य विकास अधिकारी,मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुमित न्यायिक अधिकारियों की वाहन वापस लौटते समय मीना बाजार में जाम के भीषण जाम में फंस गए जबकि जिला जेल के कैदियों की वहां आए दिनजाम में फसती रहती हैं, इसके पश्चात

संबंधित विभाग एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से सड़क की नपाई कर व्यवसायियों को स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी भी दिया गया था।इसके पश्चात भी कुछ व्यवसायी नहीं मान रहे थे।तत्पश्चात गुरमा पुलिस चौकी प्रभारी अतुल कुमार पटेल अपने दलबल के साथ मीनाबाजार अतिक्रमण किये व्यवसायियों से इस समस्या के संबंध में पहल की और चौकी इंचार्ज की पहल रंग लायी। अतिक्रमणकारियों ने चौकी इंचार्ज गुरमा के बातों से सहमत हो स्वयं बीड़ा उठाकर व्यवसायियों ने अपना अपना अतिक्रमण हटाना प्रारंभ कर दिया है। जिससे आवागमन को लेकर आम जनमानस को राहत मिलना शुरू हो गया है।गुरमा चौकी प्रभारी अतुल कुमार पटेल के इस सराहनीय कार्य की लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए भूरी-भूरी प्रशंसा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयानुसार अतिक्रमण कारी यदि स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाते हैं तो उनके विरुद्ध उचित दंडनात्मक कानूनी कार्रवाई की जाएगी,जिसके लिए अतिक्रमण कारियों स्वयं जिम्मेदार होंगे।

भीषण गर्मी पर बड़ा फैसला, स्कूलों के समय में तत्काल बदलाव

तेज धूप और लू के खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी का आदेश, कक्षा 1 से 8 तक नई समय-सारिणी लागू

ब्यूरो चीफ, समाज जागरण सोनभद्र। जनपद में लगातार बढ़ रही गर्मी, तेज धूप और लू के असर को देखते हुए जिलाधिकारी ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी परिषदीय विद्यालय, सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों सहित सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से संचालित हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक का संचालन अब बदले हुए समय से किया जाएगा। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगी पढ़ाई

जारी आदेश के मुताबिक कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालय अब सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होंगे। आदेश की प्रतिलिपि मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी और सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को भेजी गई है। प्रशासन का कहना है कि बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

निमार्णाधीन मकान में लगी आग, दमकल की तीन गाड़ियों ने पाया काबू

नोएडा के सेक्टर-115 क्षेत्र में कबाड़ी के सामान में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

समाज जागरण

नोएडा। सेक्टर-115 स्थित पुस्ता रोड, सोरखा एफएनजी रोड के पास एक निमार्णाधीन तीन मंजिला मकान में आग लगने की घटना सामने आई। बताया जा रहा है कि मकान में रखे पुराने सामान एवं कबाड़ी के गोदाम में आग भड़क उठी।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग बुझाने का कार्य शुरू किया। दमकल की तीन गाड़ियों ने मिलकर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

अधिकारियों के अनुसार इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। समय रहते आग पर नियंत्रण पाने से बड़ा नुकसान टल गया। अग्निशमन विभाग ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

टब में डूबकर मासूम की मौत, पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर पहुंचे पीड़ित परिवार से मिलने......

विवेक कुमार/समाज जागरण संवाददाता,नगराम थाना क्षेत्र के गढ़ा गांव में बीते रविवार को खेलते-खेलते घर के बाथरूम में पहुंची दो वर्षीय मासूम बच्ची की पानी से भरे टब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस दुख की घड़ी में पूर्व विधायक अमरीश सिंह पुष्कर पीड़ित परिवार से मिलकर शोक संवेदना प्रकट करने पहुंचेनगराम के गढ़ा गांव निवासी मजदूर सोनू कुमार रावत की दो वर्षीय पुत्री तान्या घर में खेल रही थी। परिजन अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त थे, तभी मासूम खेलते-खेलते बाथरूम में पहुंच गई। वहां पहले से रखे पानी से भरे टब में वह अचानक गिर गई। घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को इसकी भनक तक नहीं लग सकी।कुछ देर बाद जब बच्ची नजर नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान जब वे बाथरूम पहुंचे तो तान्या को पानी से भरे टब में अचेत अवस्था में पाया। यह दृश्य देख परिजनों के होश उड़ गए। आनन-फानन में बच्ची को टब से बाहर निकालकर उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मां का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पिता सहित अन्य परिजन गहरे सदमे में हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और शोक संवेदना व्यक्त करने लगे।इस दुखद घटना की सूचना पाकर समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर भी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। साथ ही ईश्वर से दिवंगत मासूम की आत्मा की शांति एवं परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।ग्रामीणों ने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि थोड़ी सी असावधानी ने एक मासूम की जान ले ली। उन्होंने लोगों से अपील की कि छोटे बच्चों पर विशेष ध्यान रखें और घर में ऐसे खतरनाक हालात से बचाव के उपाय करें, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

रानी खेड़ा गांव में भीषण आग का तांडव, पशुओं की मौत और युवक झुलसा।

विवेक कुमार समाज जागरण
संवाददाता

मोहनलालगंज तहसील के अंतर्गत रानी खेड़ा गांव में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक रिहायशी इलाके में अचानक भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में जहां भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, वहीं बेजुबान जानवरों की जान जाने से गांव में मातम पसरा हुआ है हादसे का विवरणआग इतनी तेजी से फैली कि स्थानीय निवासियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस अग्निकांड में एक भैंस, उसका बच्चा (पड़वा) और एक पालतू कुत्ते की झुलसकर मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। वहीं, आग की लपटों से मवेशियों को बचाने के प्रयास में सुशील का पुत्र आदित्य भी गंभीर रूप से झुलस गया। आनन-फानन में परिजनों और ग्रामीणों ने उसे नजदीकी चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है।पुलिस और दमकल की कार्रवाईघटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर पुलिस बल के साथ भागू खेड़ा चौकी इंचार्ज आशीष कुमार, सिसेंडी चौकी इंचार्ज अनूप सिंह और कांस्टेबल राघवेंद्र गौतम (फौजी) मुस्तैद रहे। पुलिस प्रशासन ने स्थिति को संभाला और दमकल कर्मियों की मदद से आग को अन्य घरों तक फैलने से रोका।

पशु चिकित्सा विभाग को सूचनाहादसे में एक अन्य भैंस और उसका बच्चा भी बुरी तरह झुलस गए हैं। ग्रामीणों ने तत्काल पशु चिकित्सालय से संपर्क कर डॉक्टरों की टीम बुलाई है, ताकि घायल पशुओं का समय पर इलाज किया जा सके। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटियां शिक्षित व जागरूक होंगी तभी समाज का कल्याण सम्भव: आर0एन0 सिंह।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी स्थानीय क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राजेश्वरी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज छात्राओं के बौद्धिक विकास और सामाजिक जागरूकता हेतु 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' विषय पर एक भव्य निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में महाविद्यालय की सैकड़ों छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी कलम के माध्यम से महिला आरक्षण, उनके अधिकारों और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। छात्राओं ने अपने लेख में इस बात पर जोर दिया कि कानूनी सशक्तिकरण ही समाज में महिलाओं की स्थिति को और सुदृढ़ बना सकता है।

इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधक डॉ राघवेन्द्र नारायण सिंह जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को देश के महत्वपूर्ण कानूनों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि जब बेटियां शिक्षित और जागरूक होंगी, तभी समाज का वास्तविक कल्याण संभव है।

प्रतियोगिता के दौरान महाविद्यालय का समस्त स्टाफ और शिक्षकगण मौजूद रहे।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल पहुंचा प्राथमिक विद्यालय सीहोरवा उत्तरी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। आराजी लाइन विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय सीहोरवा उत्तरी में सोमवार सुबह लगभग 11 बजे मोनस यूनिवर्सिटी से आए तीन सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय के बच्चों ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं तिलक लगाकर सम्मान किया।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विद्यालय परिसर में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इसके पश्चात वे विभिन्न कक्षाओं में पहुंचे, जहां बच्चों ने कविता, गिनती और पहाड़ा सुनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुति से प्रभावित होकर प्रतिनिधिमंडल ने उनकी सराहना की तथा चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय के स्मार्ट क्लास और पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया तथा वहां संचालित शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल के कंपोजिट विद्यालय बेसहूपुर भी पहुंचा, जहां उन्होंने शैक्षिक व्यवस्था का अवलोकन किया। इस अवसर पर मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक हेमंत राव, बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी आराजी लाइन शशिकांत श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी सेवापुरी संजय कुमार यादव, प्रधानाध्यापक राकेश सिंह, सहायक अध्यापक दिलीप कुमार, कमलेश, सहायक अध्यापिका बबीता सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधि मंडल पहुंचा प्राथमिक विद्यालय बेसहुपुर, सीहोरवा उत्तरी, शिक्षा व्यवस्था का किया अवलोकन

-साज -सज्जा ,संसाधन देख बच्चों से किया संवाद, किया चॉकलेट वितरित।

- टीम ने भारतीय शिक्षण प्रणाली, व्यवस्था की किया सराहना।

समाज जागरण

वाराणसी। सेवापुरी ब्लाक के पीएम श्री बेसहुपुर में सोमवार को सुबह साढ़े नौ बजे मोनाश यूनिवर्सिटी से तीन सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधि मण्डल एसोसिएट प्रो0 डिना लिहि , टीचिंग एक्सीलेंस एकेडमी लीड डॉ0 प्रभात राय एवं विशिष्ट प्रो0 मनीषा प्रियम का बच्चों ने बैंड बाजे के साथ माल्यार्पण व तिलक लगाकर स्वागत किया। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने डिजिटल लाइब्रेरी ,आईसीटी लैब ,साइंस लैब ,एलबीडी लैब का अवलोकन कर कक्षा 1से 3 के बच्चों से वार्ता कर कविता, गिनती, पहाड़ा सहित प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन देखा। प्रभावित होकर बच्चों में चॉकलेट वितरित किया। प्रधानाध्यक सन्तोष कुमार दुबे ने शिक्षा की गतिविधियों की जानकारी दी।

दोपहर में ब्लाक आराजी लाइन उत्तरी में टीम पहुंची। विद्यालय के बच्चों ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं तिलक लगाकर सम्मान किया।इस दौरान वे विभिन्न कक्षाओं में पहुंचे, जहां बच्चों ने कविता, गिनती और पहाड़ा सुनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुति से प्रभावित होकर प्रतिनिधिमंडल ने उनकी सराहना की। विद्यालय के स्मार्ट क्लास और पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया तथा वहां संचालित शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

त्रिसदस्यीय टीम के साथ अवसर पर मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक हेमंत राव,बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव,खंड शिक्षा अधिकारी सेवापुरी संजय यादव, आराजी लाइन शशिकांत श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक राकेश सिंह, सन्तोष कुमार दुबे,सहायक अध्यापक दिलीप कुमार कमलेश, सहायक अध्यापिका बबीता सिंह सहित शिक्षक वर्ग उपस्थित रहे।

कृत्रिम अंग वितरण हेतु शिविर का आयोजन-अपने ब्लाक पर पहुंच कर दिव्यांग बंधु कराएं पंजीकरण

समाज जागरण

मीरजापुर /जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण राजेश सोनकर ने जानकारी देते हुए बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजनान्तर्गत चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। चिन्हांकन शिविर आयोजन जिसमें 23 अप्रैल को जमालपुर एवं नगर पालिका अहरौरा विकास खण्ड जमालपुर दिन गुरूवार को, 28 अप्रैल नरायनपुर एवं नगर पालिका चुनार विकास खण्ड नरायनपुर परिसर दिन मंगलवार को, विकास हलिया के परिसर में दिन गुरूवार को, 02 मई को विकास खण्ड के राजगढ़ के परिसर में दिन शनिवार को, 06 मई को विकास खण्ड छानबे के परिसर में दिन बुधवार को, 07 मई को विकास सीखड़ के परिसर में दिन गुरूवार को, 12 मई को विकास खण्ड मझवां एवं नगर पंचायत कछवां में विकास खण्ड मझवां के परिसर में दिन मंगलवार को, 13 मई को विकास खण्ड लालगंज परिसर में दिन बुधवार को, 15 मई को विकास खण्ड पहाड़ी के परिसर में दिन शुक्रवार को, 19 मई को विकास खण्ड मड़िहान के परिसर में दिन मंगलवार को, 20 मई विकास खण्ड सिटी एवं नगर पालिका सदर में विकास खण्ड नगर सिटी परिसर में दिन बुधवार को एवं 22 मई को विकास खण्ड कोन के परिसर में दिन शुक्रवार को शिविर का आयोजन होगा। चिन्हांकन शिविर में उपरोक्त तिथियों पर दिव्यांगजन अपने साथ मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्गत 40 प्रतिशत से अधिक का दिव्यांगता प्रमाण पत्र या यू0डी0आई0डी0 कार्ड, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान/तहसील द्वारा निर्गत (ग्रामीण क्षेत्र में रू 46080/- से अधिक का न हो एवं शहरी क्षेत्र में रू0 56460/- से अधिक का न हो), आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रदर्शित पासपोर्ट साइज 04 फोटो अपने लाकर शिविर में पंजीकरण करा सकते है।

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग 21 अप्रैल, 2026 को 18वां सिविल सेवा दिवस मनाएगा

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय का प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग 21 अप्रैल, 2026, मंगलवार को 18वां सिविल सेवा दिवस मनाएगा। उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लेंगे और इसे संबोधित करेंगे।

सिविल सेवा दिवस प्रतिवर्ष देश भर के सिविल सेवकों के लिए नागरिकों के हित में स्वयं को समर्पित करने और लोक सेवा में उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर होता है। 1947 में इसी दिन तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए सिविल सेवकों को भारत का इस्पात स्तंभ बताया था। यह अवसर सिविल सेवकों को नागरिक-केंद्रित प्रशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर प्रदान करता है। सिविल सेवा दिवस 2026 का विषय है विकसित भारतः नागरिक-केंद्रित शासन और अंतिम छोर तक विकासह्व। यह विकसित भारत 2047 की भविष्य दृष्टि के अनुरूप है और अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने और समावेशी विकास पर विशेष बल देते हुए पारदर्शी, दायित्वपूर्ण और नागरिक-केंद्रित शासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता रेखांकित करती है।

कार्यक्रम के दौरान निर्धारित चार अलग-अलग सत्र में शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं पर केंद्रित विषयगत संवाद आयोजित किया जाएगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा के माध्यम से सतत आजीविका' विषय पर सत्र की अध्यक्षता करेंगे। सत्र का शुभारंभ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अपर सचिव और विकास आयुक्त डॉ. रजनीश के स्वागत भाषण से होगा, जिसके बाद संवाद सत्र के अध्यक्ष और परिसंवाद

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का दिया संदेश

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। सेवापुरी स्थानीय विकासखंड के हरिहरपुर गांव में सोमवार दोपहर लगभग 12 बजे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को ह्लबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व का सशक्त संदेश दिया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय के जरिए बेटियों के महत्व, उनके अधिकारों और शिक्षा की जरूरत को सरल और मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया।

नाटक में दिखाया गया कि किस प्रकार समाज में आज भी बेटियों के साथ भेदभाव किया जाता है और शिक्षा से वंचित रखा जाता है। कलाकारों ने संवाद और गीतों के माध्यम से यह समझाने का प्रयास किया कि बेटियां भी परिवार और समाज का समान रूप से गौरव बढ़ा सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान लोगों को जागरूक किया गया कि वे लिंग भेदभाव को समाप्त करें और बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।स्थानीय लोगों ने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होते है।

अपेन्डिस ऑपरेशन के बाद महिला की मौत, परिजनों में आक्रोश, अस्पताल पर किया हंगामा

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ चौकी अंतर्गत हरहुआ चौराहा पंचकोशी रामेश्वर मार्ग स्थित एस.ए,एस. हॉस्पिटल में सोमवार को इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर के बाहर हंगामा करते हुए हॉस्पिटल के खिलाफ लापरवाही और धोखाधड़ी का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची हरहुआ पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार लोहता थाना क्षेत्र के मंगलपुर गांव निवासी शबनम बानो (38), पत्नी मोबिन हाशमी, को 13 अप्रैल को एस.ए,एस. हॉस्पिटल में पेट दर्द की शिकायत पर भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक महिला को अपेन्डिक्स की समस्या थी, जिसके चलते शनिवार को उनका ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद उनकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ और सोमवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतका के परिवार में चार बेटे और एक बेटी हैं–जिशान (21), जावेद (17), आयान (15), मुज्जमिल (12) और फलक (14)। मृतका के बेटे जावेद ने आरोप लगाया कि विजय कुमार नामक व्यक्ति के माध्यम से उन्हें इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसने आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज का भरोसा दिलाया था।

परिजनों का कहना है कि भर्ती के समय उनसे तीन हजार रुपये यह कहकर लिए गए कि इलाज पूरा होने के बाद पैसा खाते में वापस कर दिया जाएगा। इसके बाद अस्पताल प्रशासन द्वारा लगातार दवाइयों और जांच के नाम पर 10से 12हजार रुपये लिए गए लेकिन कोई रसीद नहीं दी गई। जब भी रसीद मांगी गई, अस्पताल कर्मी फाइल में जोड़ने का बहाना बनाकर टालते रहे। सोमवार की सुबह लगभग 6 बजे

महिला की मौत के बाद परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने अस्पताल के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया।एस ए एस हॉस्पिटल के डॉक्टर यस पांडेय से संपर्क किया गया तो उसने ओटी में होने व बाद में बात करने की बात कही गयी।

हंगामे की सूचना मिलते ही हरहुआ चौकी प्रभारी विवेकानंद द्विवेदी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने परिजनों को न्याय दिलाने का आश्वासन देते हुए डॉक्टरों से बातचीत की।

पुलिस ने मृतका के पति की तहरीर के आधार पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा का झंडा लेकर युवक मोबाइल टावर पर चढ़ा, चला हाई-वोल्टेज ड्रामा

समाज जागरण

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र में जमीन संबंधी विवाद से परेशान एक युवक ने सोमवार सुबह बीएसएनएल कार्यालय परिसर में स्थित मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा खड़ा कर दिया। काफी देर तक चले घटनाक्रम के बाद युवक खुद नीचे उतरा, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर शांति भंग की धारा में चालान कर दिया।

मामला कैंट थाना क्षेत्र के छावनी स्थित बीएसएनएल कार्यालय परिसर का है, जहां चोलापुर के चंदापुर निवासी राजेश राजभर सोमवार सुबह करीब 5 बजे परिसर में पहुंचा और मोबाइल टावर पर चढ़ गया। बताया जाता है कि वह अपने साथ भाजपा का झंडा भी लेकर ऊपर चढ़ा था। टावर पर चढ़ने के बाद उसने खुद ही मोबाइल फोन से फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी और अपनी समस्या के निस्तारण के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक बात पहुंचाने की मांग करने लगा।

राजेश राजभर का आरोप है कि उसकी एक कीमती जमीन का काफी कम दाम पर हुए सौदे/एग्रीमेंट से वह काफी परेशान है। मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले राजेश का कहना था कि इस विवाद के चलते उसकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और कैंट पुलिस मौके पर पहुंच गई और उसे नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया। हालांकि घंटों की मशक्कत के बाद भी वह टावर से नीचे नहीं उतरा। अंततः तेज धूप के कारण दोपहर करीब 2 बजे वह खुद ही नीचे आ गया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर शांति भंग की धारा में चालान कर दिया।

नीति आयोग ने ट्रेड वॉच क्वार्टरली का सातवां अंक जारी किया

नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री सुमन बेरी ने आज नई दिल्ली में वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) के "ट्रेड वॉच क्वार्टरली " प्रकाशन का नवीनतम अंक जारी किया। नीति आयोग के सदस्य श्री अरविंद विरमानी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इसे जारी किया गया।

वैश्विक व्यापार में निरंतर व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद स्थिति अनुकूलता (विपरीत परिस्थितियों, तनाव या आघात के बाद भी वापस संभलने की क्षमता) के बीच यह प्रकाशन वैश्विक और घरेलू व्यापार रुझानों का व्यापक आकलन प्रस्तुत करता है। इस तिमाही अंक का विषयगत खंड भारत के रत्न और आभूषण क्षेत्र पर केंद्रित है, जिसमें वैश्विक मांग में वृद्धि, भारत का निर्यात, प्रयोगशाला में उत्पादित हीरे जैसे उभरते क्षेत्र और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में इसकी स्थिति का विश्लेषण किया गया है। यह प्रमुख संरचनात्मक बाधाओं, विकसित होते मांग पैटर्न (निश्चित नियम या व्यवस्था के अनुसार बार-बार दोहराए जाने वाले व्यवहार, या अनुक्रम) और प्रतिस्पर्धात्मकता सुदृढ़ करने और निर्यात प्रदर्शन बढ़ाने के लिए आवश्यक नीतिगत प्राथमिकताओं की भी पहचान करता है।

वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में भारत के व्यापार में मिश्रित लेकिन मजबूत रुझान रहा। व्यापारिक माल निर्यात में 1.6 प्रतिशत की मामूली बढ़ोत्तरी दर्ज की गई, जबकि आयात में 7.9 प्रतिशत की तेज वृद्धि हुई। इसके विपरीत, सेवा निर्यात में 7.8 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि रही, जबकि सेवा आयात में अपेक्षाकृत औसत वृद्धि हुई, जिससे निरंतर अधिशेष के कारण समग्र बाह्य संतुलन (देश के विदेशी मुद्रा भंडार और आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने) को मजबूती मिली।

इस तिमाही अंक का मुख्य विषय रत्न और आभूषण हैं, जो भारत के श्रम-प्रधान विनिर्माण तंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ और व्यापार में एक अहम योगदानकर्ता बने रहे हैं। कच्चे सोने को छोड़कर, वैश्विक बाजार का आकार 2024 में लगभग 378 अरब डॉलर होने के अनुमान के अनुसार भारत का निर्यात विश्व निर्यात में 7.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 29.5 अरब डॉलर का रहा।

इस क्षेत्र में भारत की निर्यात क्षमता हीरे और मूल्यवान धातु के आभूषणों में केंद्रित रही, जो मिलकर वैश्विक मांग के आधे से अधिक (लगभग 207.3 अरब डॉलर) की पूर्ति करते हैं। इन क्षेत्रों में, भारत ने 26.7 अरब डॉलर के निर्यात के साथ मजबूत वैश्विक उपस्थिति हासिल की है, जो मूल्यवर्धन द्वारा संचालित आयातित कच्चे माल में वैश्विक प्रसंस्करण केंद्र के रूप में उसकी स्थापित भूमिका दर्शाती है जिसमें सूरत विश्व के सबसे बड़े कटिंग और पॉलिशिंग केंद्र के रूप में उभर रहा है।

विश्लेषण से पता चलता है कि इस क्षेत्र में भारत की व्यापार संरचना में उत्पाद और बाजार का अत्यधिक केंद्रीकरण है। निर्यात मुख्य रूप से कुछ प्रमुख बाजारों, विशेषकर अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और हांगकांग की ओर निर्देशित है, जबकि आयात कच्चे माल के लिए सीमित आपूर्तिकताओं पर केंद्रित है। अवसरों के बावजूद, इस क्षेत्र को संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें बिखरावपूर्ण एमएसएमई आधार के कारण सीमित मूल्यवर्धन, आयातित कच्चे माल पर अत्यधिक निर्भरता, वित्तीय संस्थानों के भरोसे में कमी के कारण ऋण अंतर, कौशल और डिजाइन की कमियां और वैश्विक व्यापार केंद्रों में सीमित पहुंच शामिल हैं। इनके समाधान के लिए उच्च मूल्यवर्धन के लिए विशेष प्रयास, उभरते क्षेत्रों में विविधीकरण, वित्त और कच्चे माल तक बेहतर पहुंच, प्रौद्योगिकी और कौशल में निवेश और अनुकूल नीतिगत ढांचों द्वारा समर्थित अधिक एकीकृत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र का विकास करना आवश्यक होगा। सुमन बेरी ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्विक व्यापार में संरचनात्मक बदलाव द्वारा प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू क्षमता सुदृढ़ बनाकर निर्यात आधार में विविधता लाने की भारत की क्षमता, निरंतर विकास और लचीलेपन (स्थिति अनुकूल) बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगी। रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों में, बदलती वैश्विक मांग के अनुरूप ढलना, मूल्यवर्धन मजबूत बनाना और संरचनात्मक बाधाओं को दूर करना प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने हेतु आवश्यक है।

बाइक के धक्के से विक्षिप्त युवक घायल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। जंसा थाना क्षेत्र के भाऊपुर बाजार में सोमवार को एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार बाइक सवार ने एक विक्षिप्त युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर मारने के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। क्षेत्रीय लोगों ने बताया घायल युवक बाजार में रहकर लोगों से मांगकर अपना जीवनयापन करता है। सोमवार को वह सड़क पार कर रहा था, तभी जंसा से रामेश्वर की ओर जा रहे एक बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाथी भिजवाया। वहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों ने बताया कि युवक की हालत फिलहाल स्थिर है।

जंसा पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश में जुट गई है। मामले की आगे की जांच की जा रही है।

नवगठित बीपैक्स पर टिकी है अन्नदाताओ की उम्मीदें: अवधेश सिंह

समाज जागरण

वाराणसी। नवगठित बीपैक्स सलखन के संचालक मंडल की बैठक सलखन पंचायत भवन पर हुई ।बैठक की अध्यक्षता मुख्य प्रवर्तक / अध्यक्ष अरविंद कुमार ने की।

बैठक मे उपस्थित एडीसीओ राबर्टसगंज अवधेशसिंह ने कहा कि नवगठित बीपैक्स पर किसानो की उम्मीदो का भार है और उन उम्मीदो पर खरे उतरने की चुनौती भी।सहकारी समितियाँ आपके जीवन को सरल सुगम और समृद्ध बनाती हैं।मारकुंडी समिति के अध्यक्ष सत्यदेव पांडेय ने उपस्थित संचालको को सहकारिता के नियमो और उद्देश्यो के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य प्रवर्तक अरविंद कुमार ने समिति की उधार ग्रहण क्षमता और दृष्टिबंधक ऋणसीमा के बारे मे बताते हुए नियमानुसार प्रस्ताव पारित कराये।

बैठक मे सचिव चंद्रभूषण पाल, सचिव मारकुंडी अमरदेव, उपाध्यक्ष इन्द्रदेव पांडेय,कैलाश, रामपति,रिंकू, राजेन्द्र सिंह, अनंती देवी इत्यादि मौजूद रहे।

अर्टिगा और टोटो के टक्कर में दो की हालत गंभीर रूप से घायल

समाज जागरण

हरहुआः बड़ागांव थाना क्षेत्र के चक्का गांव में सोमवार की रात 9 बजे तेज रफ्तार अर्टिगा कार और एक टोटो के बीच टक्कर हो गई जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार हरहुआ से रामेश्वर की ओर तेज गति से जा रही थी। चक्का गांव के पास कार ने टोटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टोटो सड़क पर पलट गया। हादसे के तुरंत बाद कार सवार आरोपी वाहन को मौके पर ही लॉक कर फरार हो गए। हादसे में चक्का गांव निवासी टोटो चालक राजेंद्र वनवासी (50) और उसका सहयोगी सीताराम बिंद (48) को गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलने के बाद चौकी प्रभारी विवेकानन्द द्विवेदी व उपनिरीक्षक के0 के0 वर्मा मौके पर पहुंच दोनो घायलों को हरहुआ स्थित खुशहाल अस्पताल में भर्ती करा दिया जहां उपचार चल रहा है। राजेंद्र की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वहीं, सीताराम बिंद भी अस्पताल में भर्ती है जो खतरे से बाहर है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों वाहनों के चालक नशे की हालत में थे। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है और फरार कार सवारों की तलाश जारी है।

दो बाइको की आमने सामने टक्कर में चार घायल

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के हलिया ड्रमण्डगंज मार्ग के पुरवा औसान सिंह गांव में सोमवार की सुबह दो बाइको की आमने सामने टक्कर होने से चार लोग घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घायलों को एम्बुलेंस सेवा वाहन 108 से उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए। जंहा पर चिकित्सक द्वारा घायल किशोरी की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है थाना क्षेत्र भटवारी गांव निवासी 18 वर्षीय सतीश कुमार अपने साथ बाइक से बैधा गांव निवासी 16 वर्षीय अंतिमा के साथ ड्रमण्डगंज की तरफ जा रहा था की जैसे ही हलिया ड्रमण्डगंज मार्ग के पुरवा औसान सिंह गांव में पहुंचा की सामने से गड़बड़ा धाम से वापस दर्शन कर लौट रहे थोथा गांव निवासी 18 वर्षीय निलेश व 19 वर्षीय अंकज की बाइक से आमने सामने टक्कर होने से दोनों बाइक सवार चारों लोग घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने एम्बुलेंस सेवा 108 पर सूचना दिया मौके पर पहुँचे एम्बुलेंस सेवा वाहन के चालक दिलीप यादव ने घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए जंहा पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार व रीना पटेल ने प्राथमिक उपचार के बाद अंतिमा के जबडे में गंभीर चोट को देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है

भारत जामुन के विकास के उद्गम स्थल के रूप में उभर रहा है

एक नए अध्ययन के अनुसार, जामुन की उत्पत्ति पहले की मान्यता से कहीं अधिक पहले हुई थी, और इसके विकासवादी इतिहास में भारत ने केंद्रीय भूमिका निभाई है। यह अध्ययन, जो लगभग 80 मिलियन वर्ष पूर्व के पूर्वी गोंडवाना में सिजीगियम वंश की उत्पत्ति की ओर इशारा करता है , जिसमें भारत प्रारंभिक विविधीकरण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है, पौधों के विकास के बारे में हमारी समझ को नया आकार देता है।

पहले यह माना जाता था कि सिजीगियम (जिसे आमतौर पर जामुन के नाम से जाना जाता है) की उत्पत्ति ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण-पूर्व एशिया तक ही सीमित थी। हालांकि, शोधकताओं ने जीवाश्म प्रमाणों और लगभग 51 मिलियन वर्ष पूर्व की उत्पत्ति के अनुमानों के आणविक विकासवादी कालक्रमों के बीच विसंगतियां पाईं। इसके अतिरिक्त, भारत से लगभग 60 से 20 मिलियन वर्ष पूर्व के जीवाश्मों की पहले की रिपोर्टों का व्यापक रूप से पुनर्मूल्यांकन नहीं किया गया था।

नए मायोसीन जीवाश्मों (लगभग 20 मिलियन वर्ष पूर्व) की खोज ने एक एकीकृत ढांचे में सिज़िजियम की उत्पत्ति और प्रसार के इतिहास का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर प्रदान किया ।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज (बीएसआईपी) के नेतृत्व में, एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च (एसीएसआईआर), केंद्रीय भूविज्ञान विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, कीर्तिपुर, काठमांडू, और भूविज्ञान विभाग, बीरेंद्र मल्टीपल कैंपस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, चितवन, भरतपुर के शोधकताओं ने प्रारंभिक मायोसीन अवसादी अनुक्रमों के प्रारंभिक अन्वेषण के बाद हिमाचल प्रदेश में लगभग 20 मिलियन वर्ष पूर्व के कसौली फॉर्मेशन से जीवाश्म नमूने एकत्र किए।

जुगसलाई में होल्डिंग टैक्स वृद्धि के खिलाफ पार्षदों का विरोध, सरकार से पुनर्विचार की मांग

समाज जागरण 20.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर के जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स में की गई 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के खिलाफ क्षेत्र के सभी पार्षदों ने एकजुट होकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस मुद्दे को लेकर पार्षदों ने माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार को संबोधित एक ज्ञापन जिला उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में टैक्स वृद्धि को जनविरोधी बताते हुए तत्काल पुनर्विचार की मांग की गई है।

पार्षदों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा लागू किए गए नए सर्किल रेट और सड़क की चौड़ाई आधारित फॉर्मूले के तहत टैक्स में यह बढ़ोतरी की गई है, जो आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली है। विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों और छोटे व्यापारियों के लिए यह निर्णय गंभीर चिंता का विषय बन गया है। उनका तर्क है कि पहले से ही महंगाई और आर्थिक दबाव झेल रहे लोगों के लिए इस तरह की वृद्धि असहनीय साबित हो सकती है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि जुगसलाई क्षेत्र में अभी तक मूलभूत सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। कई इलाकों में सड़कें जर्जर हैं, नालियों की समुचित व्यवस्था नहीं है, जल निकासी की समस्या बनी हुई है और सफाई व्यवस्था भी अपेक्षित स्तर पर नहीं है। इसके अलावा पेयजल की उपलब्धता भी नियमित और पर्याप्त नहीं है। ऐसे हालात में बिना आधारभूत सुविधाओं के सुधार के टैक्स बढ़ाना पूरी तरह अनुचित और जनविरोधी निर्णय बताया गया है।

पार्षदों ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि एक ही प्रकार के मकानों पर केवल लोकेशन और सड़क की चौड़ाई के आधार पर अलग-अलग टैक्स निर्धारित किया जा रहा है। उनके अनुसार, इससे क्षेत्र में असमानता की भावना बढ़ रही है और लोगों में असंतोष उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने इसे न्यायसंगत और पारदर्शी कर प्रणाली के विपरीत बताया।

इसके साथ ही पार्षदों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि हाल ही में नगर निकाय चुनाव संपन्न हुए हैं और जनता ने अपने प्रतिनिधियों को चुना है, लेकिन इस महत्वपूर्ण निर्णय में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को विश्वास में नहीं लिया गया। इसे उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया और कहा कि ऐसी नीतिगत घोषणाओं से पहले जनप्रतिनिधियों से सलाह-मशविरा किया जाना चाहिए था।

ज्ञापन के माध्यम से पार्षदों ने राज्य सरकार से मांग की है कि होल्डिंग टैक्स में की गई बढ़ोतरी पर तत्काल रोक लगाई जाए और इस पर पुनर्विचार किया जाए। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि जब तक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं में ठोस सुधार नहीं हो जाता, तब तक किसी भी प्रकार की टैक्स वृद्धि को स्थगित रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में नई कर प्रणाली लागू करने से पहले आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से सुझाव लिया जाना चाहिए ताकि निर्णय अधिक संतुलित और जनहितकारी हो।

इस ज्ञापन का नेतृत्व जुगसलाई नगर परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना दुबे ने किया। इस दौरान पार्षद अनिल मोदी, सत्यनारायण अग्रवाल मुन्ना, जीशान हुसैन, शिल्पा तापड़िया, सुरेंद्र कौर सहित अन्य पार्षद मौजूद रहे। इसके अलावा समाजसेवी बड़ेलाल दुबे, रविशंकर तिवारी और ओम प्रकाश पाठक समेत कई स्थानीय नागरिक भी इस विरोध में शामिल हुए। इस मुद्दे पर पार्षद अनिल मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि सरकार इस टैक्स वृद्धि को वापस नहीं लेती है, तो सभी पार्षद और आम जनता मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि आवश्यक होने पर आंदोलन की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी, ताकि जनता के हितों की रक्षा की जा सके।

पार्षदों ने विश्वास जताया कि राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जनहित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी। उनका कहना है कि सरकार को जनता की समस्याओं और उनकी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए संतुलित और न्यायसंगत नीति अपनानी चाहिए, ताकि विकास और जनसुविधाओं के बीच संतुलन बना रहे।

महिला आरक्षण पर सियासत तेज: "अधिकार नहीं, राजनीतिक धोखा" – मेयर सुधा गुप्ता

समाज जागरण 20.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर के तिलक पुस्तकालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला आरक्षण को लेकर राजनीतिक बहस एक बार फिर तेज हो गई। इस दौरान मेयर सुधा गुप्ता ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर देश की महिलाओं को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया कि जिस विधेयक को महिला सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम बताया गया, उसे जानबूझकर ऐसी शर्तों में बांध दिया गया है कि उसका वास्तविक लाभ वर्षों तक महिलाओं को नहीं मिल पाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सुधा गुप्ता ने कहा, ह्लयह महिला अधिकार नहीं, बल्कि महिला आरक्षण के नाम पर राजनीतिक धोखा है ह्व उन्होंने कहा कि सरकार ने 2023 में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान तो पारित कर दिया, लेकिन उसे लागू करने की कोई ठोस और तत्काल व्यवस्था नहीं की गई। उनके अनुसार, यह कदम केवल राजनीतिक संदेश देने तक सीमित रहा, जबकि वास्तविक क्रियान्वयन को भविष्य के अनिश्चित समय पर टाल दिया गया।

उन्होंने विस्तार से बताया कि कानून में यह स्पष्ट प्रावधान है कि महिला आरक्षण लागू करने से पहले नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। वर्तमान स्थिति में देश में नई जनगणना अब तक शुरू भी नहीं हो पाई है, जिसके कारण यह पूरा मामला स्वतः ही टल गया है। सुधा गुप्ता ने इसे एक सुनियोजित रणनीति बताते हुए कहा कि सरकार ने जानबूझकर ऐसी शर्तें जोड़ी हैं, जिससे आरक्षण का लाभ तत्काल न मिल सके।

प्रेस वार्ता में यह भी कहा गया कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए महिला आरक्षण के लागू होने की संभावना 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद ही बनती है। इसका अर्थ यह है कि महिलाओं को उनके अधिकार देने के नाम पर कम से कम पांच से छह वर्षों तक इंतजार करना होगा। इस देरी को लेकर उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाया और कहा कि यदि नीयत साफ होती, तो यह कानून तुरंत लागू किया जा सकता था।

सुधा गुप्ता ने विपक्ष के रुख को भी सामने रखते हुए बताया कि विपक्षी दलों ने मांग की थी कि मौजूदा सीटों पर ही 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए, ताकि महिलाओं को तत्काल लाभ मिल सके। हालांकि, सरकार ने इस सुझाव को स्वीकार नहीं किया। उनके अनुसार, यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार महिलाओं को तुरंत राजनीतिक भागीदारी देने के पक्ष में नहीं है।

उन्होंने परिसीमन के मुद्दे पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि परिसीमन के बाद सीटों की संख्या और सीमाओं में बदलाव होगा, जिससे विभिन्न राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर असर पड़ सकता है। इस स्थिति में महिला आरक्षण का मुद्दा और अधिक जटिल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल महिला अधिकारों का सवाल नहीं है, बल्कि देश के संघीय ढांचे और राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ा विषय है।

अपने संबोधन में सुधा गुप्ता ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ह्लअगर सरकार की नीयत साफ होती, तो महिला आरक्षण आज से ही लागू हो जाता। लेकिन इसे जनगणना और परिसीमन के जाल में फंसाकर जानबूझकर लटकाया गया है ह्व उन्होंने आगे कहा कि यह कानून महिलाओं को अधिकार देने के बजाय उन्हें लंबे इंतजार में रखने का माध्यम बन गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने अपनी मांगों को भी स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को बिना किसी शर्त के तुरंत लागू किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि जनगणना और परिसीमन को बहाना बनाकर महिलाओं के अधिकारों को टालना बंद किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि जनगणना के साथ ही 33 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के प्रावधान को जोड़ते हुए महिला आरक्षण बिल को लागू किया जाए, ताकि सभी वर्गों की महिलाओं को समान अवसर मिल सके।

सुधा गुप्ता ने अंत में चेतावनी भरे स्वर में कहा कि देश की महिलाएं अब पहले से अधिक जागरूक हो चुकी हैं और वे अपने अधिकारों के साथ हो रही राजनीति को समझ रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही इस मुद्दे पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो यह आंदोलन का रूप ले सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ी तो यह लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ी जाएगी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद महिला आरक्षण के मुद्दे पर एक बार फिर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। जहां एक ओर सरकार इसे ऐतिहासिक कदम बता रही है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष और कई सामाजिक-राजनीतिक हस्तियां इसे अधूरा और भ्रामक करार दे रही हैं। आने वाले समय में यह मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में बना रह सकता है।

थाना जैतपुर पुलिस की कार्यवाही: 04 किलो 28 ग्राम गांजा एवं 31,000/- रुपये जप्त, 03 आरोपी गिरफ्तार, 01 फरार

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

शहडोल जैतपुर पुलिस शहडोल द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कम में थाना जैतपुर पुलिस को दिनांक 19.04.2026 को एनडीपीएस एक्ट में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार तलबशुदा संदेही से पूछताछ के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपीगण द्वारा नवैध रूप से गांजा का भंडारण एवं विक्रय किया जा रहा है। संदेही के कथन के आधार पर विधिवत पंचनामा कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा ग्राम नौगई में दबिश दी गई। तलाशी के दौरान आरोपी रामपाल सिंह गोंड के कब्जे से एक सफेद बोरी में रखा हुआ 04 किलो 28 ग्राम नवैध गांजा एवं नकदी 31,000/- रुपये बरामद किये गये। बरामद मादक पदार्थ एवं नगदी को विधिवत सील कर प्त किया गया।

उक्त प्रकरण में आरोपी 01. रामपाल सिंह गोंड निवासी ग्राम नौगई थाना जैतपुर 02. सोनू बैगा निवासी टिकुरीटोला थाना बुढार 03. देवेश्वर उर्फ सुनील पनिका निवासी कल्याणपुर थाना कोतवाली शहडोल को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।उक्त प्रकरण में एक अन्य आरोपी दादू उर्फ राजेश पटेल निवासी मौहारटोला साखी थाना जैतपुर घटना के ाद से फरार है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।उक्त कायार्वाही मे निरी. जेपी शर्मा थाना प्रभारी जैतपुर के नेतृत्व में, सउनि लालदास बौधरी, प्र.आर. रावेन्द्र वर्मा, प्र.आर. नारेन्द्र सिह, आर. राममोहन शर्मा, आर. विजय कुमार महरा, आर. संदीप सिह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

भीषण गर्मी के बीच झारखंड में स्कूलों के समय में बड़ा बदलाव, 21 अप्रैल से लागू होगा नया शेड्यूल

समाज जागरण 20.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

रांची। झारखंड में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए राज्य सरकार ने स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूलों के समय में बड़ा बदलाव किया है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य के सभी सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त, अल्पसंख्यक तथा निजी विद्यालयों के संचालन समय में संशोधन किया गया है। यह नया समय 21 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और अगले आदेश तक लागू रहेगा।

जारी निर्देशों के अनुसार, कक्षा के.जी. से लेकर कक्षा 8 तक की कक्षाएं अब सुबह 7:00 बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे तक संचालित की जाएंगी। वहीं कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल का समय सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। सरकार का यह निर्णय बच्चों को तेज धूप और लू के प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है, ताकि वे सुरक्षित वातावरण में अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि समय में बदलाव केवल विद्यार्थियों के लिए है, जबकि शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए कार्य अवधि में आंशिक परिवर्तन किया गया है। आदेश के मुताबिक, सभी सरकारी विद्यालयों के शिक्षक एवं कर्मचारी सुबह 7:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वे गैर-शैक्षणिक कार्यों जैसे प्रशासनिक दायित्व, रिकॉर्ड संधारण, योजना कार्यान्वयन तथा अन्य आवश्यक गतिविधियों का निष्पादन करेंगे, जिससे विद्यालयी व्यवस्था सुचारु बनी रहे। शिक्षा विभाग के इस निर्णय को सचिव स्तर पर स्वीकृति प्राप्त होने के बाद तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अनुपालन को सुनिश्चित कराने के लिए सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भेज दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

इस फैसले का व्यापक स्तर पर स्वागत किया जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि लगातार बढ़ते तापमान के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ने की आशंका रहती है। दोपहर के समय तेज धूप और लू के कारण स्कूल से घर लौटने वाले बच्चों को विशेष रूप से परेशानी होती थी। ऐसे में सुबह के समय कक्षाएं संचालित करने का निर्णय अत्यंत उपयोगी और समयानुकूल है।

शिक्षकों ने भी इस निर्णय को सकारात्मक बताया है। उनका मानना है कि सुबह के समय वातावरण अपेक्षाकृत ठंडा रहने के कारण बच्चों की उपस्थिति बेहतर रहेगी और वे अधिक एकाग्रता के साथ पढ़ाई कर सकेंगे। इससे शिक्षण प्रक्रिया की गुणवत्ता में भी सुधार होने की संभावना है।

गौरतलब है कि झारखंड के विभिन्न हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच रहा है। मौसम विभाग ने कई जिलों में हीटवेव की चेतावनी भी जारी की है। ऐसे हालात में बच्चों को लंबे समय तक गर्मी में रखना स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह एहतियाती कदम उठाया है।

प्रशासन ने सभी स्कूल प्रबंधन समितियों को निर्देश दिया है कि वे नए समय का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। साथ ही विद्यालयों में बच्चों को गर्मी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया गया है। इसमें पर्याप्त पानी पीना, धूप से बचाव, हल्के कपड़े पहनना और आवश्यक सावधानियां बरतना शामिल है।

सरकार ने संकेत दिया है कि यदि तापमान में और वृद्धि होती है या हीटवेव की स्थिति और गंभीर होती है, तो भविष्य में और कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। इसमें स्कूलों के समय में और बदलाव या अवकाश की घोषणा भी शामिल हो सकती है। इस निर्णय से राज्य के लाखों विद्यार्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि निजी विद्यालय इस आदेश का कितना पालन करते हैं और प्रशासन इसकी निगरानी किस प्रकार सुनिश्चित करता है। कुल मिलाकर, यह पहल बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

खाद्य व्यवसाय स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्यक्रम 2.0

खाद्य व्यवसाय प्रबंधन विभाग ने तंजावुर स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम) में 16 और 17 अप्रैल 2026 को दो दिवसीय खाद्य व्यवसाय स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्यक्रम 2.0 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यम संबंधी क्षमताओं को मजबूत करना और इच्छुक खाद्य उद्यमियों, छात्रों और प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप संस्थापकों को संरचित मार्गदर्शन प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के ज्ञान को बढ़ाना और खाद्य व्यवसाय उद्यमिता में उनकी क्षमता का विकास करना था। इसका लक्ष्य आज के प्रतिस्पर्धी और नवाचार-प्रधान बाजार परिवेश में खाद्य उद्यम शुरू करने, प्रबंधित करने और उसका विस्तार करने से जुड़ी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। इस पहल का उद्देश्य देश में खाद्य स्टार्टअप्स के लिए उपलब्ध संस्थागत सहायता प्रणालियों, नियामक आवश्यकताओं और वित्तीय सहायता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

देश भर से कुल 82 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इनमें महत्वाकांक्षी उद्यमी, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने में रुचि रखने वाले व्यक्ति और छात्र शामिल थे। कार्यक्रम ने ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक संवादात्मक मंच प्रदान किया, जिससे प्रतिभागियों को खाद्य व्यवसाय इकोसिस्टम की बदलती गतिशीलता को समझने और उभरते अवसरों का पता लगाने में मदद मिली।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित सत्र में खाद्य व्यवसाय, अनुसंधान और उद्योग प्रथाओं में अनुभव रखने वाले विषय विशेषज्ञों और पेशेवरों ने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में खाद्य व्यवसाय विकास के लिए आवश्यक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें पैकेजिंग तकनीक, कॉर्पोरेट कानून, शासन और कराधान, ब्रांडिंग और विपणन रणनीतियां, मूल्य निर्धारण तकनीक तथा निर्यात के अवसर शामिल थे। प्रतिभागियों को उद्यमियों के लिए उपलब्ध संस्थागत सहायता प्रणालियों, इनक्यूबेशन सुविधाओं और प्रौद्योगिकियों से भी अवगत कराया गया।

सत्रों में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, इन्वेंट्री नियंत्रण, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और मशीनरी का चयन जैसे परिचालन और रणनीतिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, ग्राहक जुड़ाव, व्यावसायिक विचार सत्यापन और नए उत्पाद विकास पर भी जोर दिया गया। खाद्य सुरक्षा विनियम, गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली, सार्वजनिक नीतियां और खाद्य स्टार्टअप को समर्थन देने वाली अनुदान योजनाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम ने सफल खाद्य व्यवसाय उद्यमों के विकास और उन्हें बनाए रखने के लिए आवश्यक तकनीकी, प्रबंधकीय और नियामक पहलुओं पर व्यापक जानकारी प्रदान की, जिससे प्रतिभागियों को तेजी से बढ़ते खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उद्यमशीलता के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आवश्यक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला।

सी-डॉट और जंप्स ऑटोमेशन के बीच समझौता, साइबर सुरक्षा जागरूकता के लिए बनेगा गेमिफिकेशन प्लेटफॉर्म

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने सी-डॉट कोलैबोरेटिव रिसर्च प्रोग्राम (सीसीआरपी) के तहत जंप्स ऑटोमेशन एलएलपी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य व्यक्तियों और उद्यमों में साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नवोन्मेषी गेमिफिकेशन प्लेटफॉर्म विकसित करना है।

एक समारोह के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर किया गया, जिसमें सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय, जंप्स ऑटोमेशन एलएलपी के प्रौद्योगिकी प्रमुख श्री रोहन चंदक, बोर्ड के सदस्य और सी-डॉट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय, जंप्स ऑटोमेशन एलएलपी के प्रौद्योगिकी प्रमुख श्री रोहन चंदक, बोर्ड के सदस्य और सी-डॉट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस महत्वपूर्ण साझेदारी का मुख्य उद्देश्य साइबर सुरक्षा जागरूकता को सुदृढ़ करना, साइबर सुरक्षा तैयारियों को बढ़ाना और पारंपरिक प्रशिक्षण को एक आकर्षक, संवादमूलक और प्रभावी शिक्षण अनुभव में बदलना है। इस प्लेटफॉर्म में गेमिंग एरिना, लीडरबोर्ड, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, चर्चा मंच और फिशिंग, सोशल इंजीनियरिंग, मैलवेयर से बचाव और समय सीमा के भीतर संकट प्रबंधन जैसे विषयों पर आधारित वास्तविक सिमुलेशन परिदृश्य शामिल होंगे। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से संगठन साइबर सुरक्षा को और अधिक मजबूत बना सकते हैं। इस सॉल्यूशन में एक सशक्त पुरस्कार और प्रदर्शन ट्रैकिंग प्रणाली के साथ-साथ एक एआई-संचालित व्यवहार विश्लेषण इंजन शामिल होगा जो उपयोगकर्ता के प्रदर्शन का निरंतर मूल्यांकन करेगा, चुनौती की जटिलता को गतिशील रूप से समायोजित करेगा और उभरते साइबर खतरों के साथ सामग्री को अपडेट रखेगा। इसे जंप्स ऑटोमेशन की एआई और स्वचालन विशेषज्ञता एवं सी-डॉट की स्वदेशी दूरसंचार तथा सुरक्षा प्रौद्योगिकी क्षमताओं के संयोजन से बनाया जाएगा।

यह भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सामाजिक प्रभाव डालने और साइबर सुरक्षा की मजबूत संस्कृति विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना नई दिल्ली स्थित सी-डॉट सुविधाओं में संपूर्ण सत्यापन के साथ एक संरचित विकास, परीक्षण और स्वीकृति प्रक्रिया का पालन करेगी। इस प्लेटफॉर्म को भविष्य में उद्यमों के साथ एकीकृत करने के प्रावधानों के साथ एक वाणिज्यिक-स्तरीय एसएएएस सॉल्यूशन के रूप में तैनात किए जाने की उम्मीद है।

साइबर सुरक्षा विभाग (सी-डॉट) के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने एक प्रभावी साइबर सुरक्षा जागरूकता मंच विकसित करने में इस सहयोग के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला और आत्मनिर्भर भारत के विजन के प्रति सी-डॉट की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि इस मंच का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को साइबर खतरों को प्रभावी ढंग से पहचानने और उनसे निपटने, घटना प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक सर्वोत्तम प्रणालियों को अपनाने में सक्षम बनाना है, जिससे देश में साइबर सुरक्षा जागरूकता और लचीलेपन की संस्कृति को मजबूत करने में योगदान मिलेगा।

इस अवसर पर श्री रोहन चंदक ने साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण को संवादमूलक और प्रभावशाली बनाने में प्लेटफॉर्म की परिवर्तनकारी क्षमता को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य व्यवहारिक परिवर्तन लाना और मानव-संबंधित साइबर जोखिमों को कम करना है।

टेलीमैटिक्स विकास केंद्र (सी-डॉट) भारत सरकार का प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र है, जो देश की रणनीतिक और सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक संचार प्रौद्योगिकियों के डिजाइन, विकास और तैनाती से जुड़ा है। सी-डॉट ने उद्योग, शिक्षा जगत, स्टार्टअप और अन्य हितधारकों के साथ साझेदारी के माध्यम से दूरसंचार और संबंधित प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए सी-डॉट सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम (सीसीआरपी) आरंभ किया है। इस सहयोगी अनुसंधान एवं विकास नीति ढांचे के तहत, सी-डॉट अपने नेतृत्व वाली परियोजनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय स्टार्टअप, संगठनों, अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी आमंत्रित करता है। फंडों के अतिरिक्त, सी-डॉट स्वदेशी अनुसंधान और उत्पाद विकास को बढ़ावा देने के लिए एक सूत्रधार, एकीकरणकर्ता और संसाधन प्रदाता के रूप में कार्य करता है। जंप्स ऑटोमेशन एलएलपी एक प्रौद्योगिकी सॉल्यूशन कंपनी है जिसकी एआई, स्वचालन और अनुकूलित उद्यम एआई सॉफ्टवेयर विकास में विशेषज्ञता है। कंपनी जटिल व्यावसायिक और सामाजिक चुनौतियों को हल करने के लिए नवोनमेषी, डेटा-संचालित समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

आईएनएस सुदर्शनी मोरक्को के कैसाब्लांका से रवाना

भारतीय नौसेना के सेल प्रशिक्षण पोत, आईएनएस सुदर्शनी, ने 18 अप्रैल 2026 को मोरक्को के कैसाब्लांका में अपनी सफल और सार्थक बंदरगाह यात्रा सम्पन्न की। यह यात्रा मौजूदा ह्यलोकयान 26ह्ण तैनाती के हिस्से के रूप में भारत-मोरक्को समुद्री साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बंदरगाह यात्रा के दौरान आईएनएस सुदर्शनी के कमांडिंग ऑफिसर ने मोरक्को के वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों के साथ पेशेवर बातचीत की, जिसमें मुख्य रूप से प्रशिक्षण आदान-प्रदान और समुद्री सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। ह्यलोकयान' के मूल भाव को सक्रिय प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जहां भारतीय नौसेना के प्रशिक्षुओं ने क्रॉस डेक दौरों और मैत्रीपूर्ण खेल प्रतियोगिताओं के दौरान रॉयल मोरक्कन नेवल स्कूल के कैडेटों के साथ बातचीत की। राजनयिक पहुंच को और बढाते हुए आईएनएस सुदर्शनी पर एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसके जवाब में रॉयल मोरक्कन नौसेना ने भी एक दोपहर के भोज की मेजबानी की, जिससे पेशेवर एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूती मिली।

यह यात्रा साझा समुद्री हितों और रणनीतिक तालमेल से प्रेरित दोनों देशों के बीच गहरे होते समुद्री संबंधों की पुनः पुष्टि करती है। आईएनएस सुदर्शनी अबह्यवसुधैव कुटुंबकम ह्य और समुद्र के पार सद्भावना का संदेश लेकर स्पेन के लास पाल्मास के लिए रवाना हो गई है।

राष्ट्रपति से मिले रेलवे व सड़क सेवा के युवा अधिकारी, विकास में निभाने को कहा अहम भूमिका

भारतीय रेलवे के परिवीक्षाधीन अधिकारियों (2022 और 2023 बैच) और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़क) के सहायक कार्यकारी इंजीनियरों (2021, 2022, 2023 और 2024 बैच) ने आज (20 अप्रैल, 2026) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने इन अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे देश के विकास के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर सार्वजनिक सेवा में शामिल हुए हैं। राष्ट्र एक विकसित भारत के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। भारतीय रेलवे और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़क) के युवा अधिकारी होने के नाते, वे ऐसी भूमिकाओं में कदम रख रहे हैं जो लाखों नागरिकों के जीवन को सीधे प्रभावित करती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके निर्णय और कार्य नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता पर सीधा और दीर्घकालिक प्रभाव डालेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि बुनियादी ढांचा ही आधुनिक राष्ट्रों की नींव है। रेल और राजमार्ग केवल परिवहन के साधन नहीं हैं; वे आर्थिक विस्तार, सामाजिक समावेशन और राष्ट्रीय एकता के उपकरण हैं। जब कोई रेल किसी दूरदराज के गांव तक पहुंचती है या कोई राजमार्ग किसी दूरस्थ क्षेत्र से जुड़ता है, तो इससे उन क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास के अपार अवसर खुल जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचा लॉजिस्टिक्स लागत को कम करता है, व्यापार को बढ़ावा देता है, निवेश आकर्षित करता है और उत्पादकता बढ़ाता है। यह क्षेत्रों और लोगों को करीब लाकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है। उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि केवल आंकड़े ही सफलता का पैमाना नहीं होते। उनके काम की असली कसौटी यह है कि इससे लोगों के जीवन में कितना सुधार होता है।

टॉप-10 में शामिल सीएसपी लूटकांड का आरोपी गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

किशनगंज। किशनगंज पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में जिले के टॉप-10 अपराधियों में शामिल एक वांछित

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी पिछले करीब दस महीनों से फरार चल रहा था।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला आसूचना इकाई एवं एसटीएफ की टीम ने कोचाधामन थाना क्षेत्र से सीएसपी (कस्टमर सर्विस प्वाइंट) संचालक केंद्र से 1 लाख 32 हजार रुपये की लूट के मामले में वांछित आरोपी को दबोचा।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. शकिल (42 वर्ष), पिता लजमोद्दीन, निवासी रूइया कुम्हरार टोली, वार्ड संख्या-09, थाना कोचाधामन, जिला किशनगंज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ तीन आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं, जिनमें लूट, चोरी एवं गृहभेदन जैसे संगीन अपराध शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया है। फिलहाल उससे उसके गिरोह के अन्य सदस्यों तथा जिले में पूर्व में हुई चोरी, गृहभेदन और लूट की घटनाओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

इस कार्रवाई में जिला आसूचना इकाई, एसटीएफ पटना तथा कोचाधामन थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल रहे।

रमजान नदी के अतिक्रमण हटाने व सुंदरीकरण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद की अध्यक्षता में रमजान नदी के अतिक्रमण हटाने एवं सुंदरीकरण को लेकर समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय स्थित महानंदा सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में सांसद एवं जिला पदाधिकारी विशाल राज ने रमजान नदी के नक्शे का बारीकी से अवलोकन करते हुए जिले में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार ने बताया कि नदी के अतिक्रमित क्षेत्रों को चिन्हित कर लिया गया है।

सांसद ने जिला पदाधिकारी को रमजान नदी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करने तथा अतिक्रमण वाले क्षेत्रों को हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही वर्ष 1902 के अभिलेखों के आधार पर भूमि का सीमांकन कर सुंदरीकरण कार्य को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जहां-जहां कार्य पूरा हो चुका है, उसका निरीक्षण किया जाए तथा अतिक्रमण मुक्त भूमि का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जाए। इस संबंध में एफसीडी विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सांसद ने प्रत्येक वार्ड में कार्यरत सफाई कर्मियों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए नगर परिषद द्वारा स्वच्छता कार्य में हुए सुधार की सराहना की।

जिला पदाधिकारी विशाल राज ने बताया कि रमजान नदी के लगभग 9.50 किलोमीटर क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। अतिक्रमण मुक्त क्षेत्रों में फेज-1 के तहत कार्य जारी है, जबकि शेष अतिक्रमित भूमि को विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकारी भूमि घोषित कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी तथा कमरुल होदा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पोषण पखवाड़ा को मिला जनआंदोलन का स्वरूप बहादुरगंज में शुभारंभ

मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर दिया गया जोर

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

20 अप्रैल। जिले के बहादुरगंज प्रखंड में पोषण पखवाड़ा के तहत ICDS परियोजना द्वारा कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। दीप प्रज्वलन एवं रिबन कटिंग के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जिसमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, बहादुरगंज ने संतुलित आहार, स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा कुपोषण से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पोषण पखवाड़ा का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि लोगों के दैनिक जीवन में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाना है।

इस अवसर पर गोदभराई, अन्नप्राशन एवं विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। गोदभराई के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व और पोषण के प्रति जागरूक किया गया, जबकि अन्नप्राशन के जरिए शिशुओं में समय पर पूरक आहार शुरू करने का संदेश दिया गया।

जिला पदाधिकारी विशाल राज ने अपने संदेश में कहा कि पोषण अभियान एक बहुआयामी पहल है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे बच्चों के पोषण, टीकाकरण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता दें तथा आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़कर इस अभियान को सफल बनाएं।

बिहार में महिला सशक्तिकरण को नई उड़ान

स्वरोजगार के लिए मिलेंगे 20-20 हजार रुपये

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार सरकार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की इस पहल के तहत, अब लाभार्थियों को दूसरी किस्त के रूप में 20-20 हजार रुपये देने की तैयारी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में इस योजना को गति दी जा रही है, जिससे राज्य की लाखों महिलाओं के स्वरोजगार को विस्तार मिलेगा।योजना के तहत पहली किस्त (10 हजार रुपये) प्राप्त करने वाली लगभग 40 लाख महिलाओं का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। सर्वे के उत्साहजनक परिणामों से पता चला है कि करीब 70 प्रतिशत महिलाओं ने इस राशि का उपयोग कर पशुपालन, किराना दुकान, सिलाई-कढ़ाई और ब्यूटी पार्लर जैसे व्यवसाय सफलतापूर्वक शुरू कर दिए हैं। जीविका समूहों के माध्यम से अब तक 1 करोड़ 81 लाख महिलाओं को पहली किस्त का लाभ मिल चुका है। अधिकारियों के अनुसार, दूसरी किस्त के लिए लाभार्थियों को 5 हजार रुपये का अंशदान करना होगा। यह योजना कुल पांच चरणों में संचालित है। पहली किस्त में 10 हजार रुपये दी जा चुकी है। दूसरी किस्त में 20 हजार रुपये देने की तैयारी जारी है।

वही तीसरी व चौथी किस्त में क्रमश 40 हजार और 80 हजार रुपये दी जाएगी। जबकिपांचवीं किस्त में 60 हजार रुपये बिना किसी अंशदान के दी जाएगी। कुल मिलाकर प्रत्येक पात्र महिला को 2 लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। जैसे-जैसे सर्वेक्षण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, पात्र महिलाओं के बैंक खातों में राशि सीधे ट्रांसफर की जाएगी।

विदेशी फंडिंग को लेकर पांच संस्थाओं की जांच

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज जिले में विदेशी फंडिंग से जुड़े मामलों को लेकर प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। जिला पदाधिकारी विशाल राज एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर बेथल एजुकेशनल ट्रस्ट सहित पांच संस्थाओं की जांच की जा रही है।

इसी क्रम में शहर के फूलबाड़ी स्थित ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय में प्रशासनिक टीम ने पहुंचकर जांच-पड़ताल की। इस दौरान संबंधित संस्थाओं के बैंक लेनदेन, विदेशी फंड (रेमिटेंस) तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की समीक्षा की गई।

संस्था की ओर से बताया गया कि विदेशी फंडिंग से संबंधित औपचारिक जांच के लिए प्रशासन की टीम पहुंची थी और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। यदि किसी प्रकार की अनियमितता के प्रमाण मिलते हैं, तो मामले को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंपा जा सकता है।

फिलहाल जिला प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और जांच प्रक्रिया जारी है।

खांसी के पीछे छुपी सच्चाई: सबा परवीन ने टीबी को हराकर दी नई दिशा

समय पर जांच और नियमित उपचार से मिली नई जिंदगी

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

20 अप्रैल। खांसी, बुखार और कमजोरी जैसे लक्षणों को अक्सर लोग सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यही लापरवाही कई बार गंभीर बीमारी का रूप ले लेती है। किशनगंज के मोतीबाग की 28 वर्षीय सबा परवीन की कहानी इस सच को सामने लाती है, जिन्होंने समय पर सही जांच और उपचार के जरिए टीबी जैसी गंभीर बीमारी को मात दी।

शुरूआत में सबा परवीन को लगातार खांसी, बुखार और कमजोरी की शिकायत थी। स्थानीय स्तर पर इलाज के दौरान इसे टाइफाइड और निमोनिया समझकर दवा दी गई, जिससे अस्थायी राहत मिली, लेकिन बीमारी पूरी तरह ठीक नहीं हुई। जब लक्षण दो सप्ताह से अधिक समय तक बने रहे, तब स्वास्थ्य विभाग की सलाह पर टीबी की जांच कराई गई। 1 जुलाई 2025 को आई रिपोर्ट में टीबी की पुष्टि हुई, जिसके बाद उनका इलाज शुरू किया गया।

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत उन्हें निःशुल्क दवाएं, नियमित जांच और स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग मिला। सबा परवीन ने अनुशासन के साथ उपचार जारी रखा और 16 दिसंबर 2025 को उन्हें पूर्णतः स्वस्थ घोषित कर दिया गया।

इलाज के दौरान उन्हें निक्षय पोषण योजना के तहत आर्थिक सहायता भी मिली, जिससे उनके पोषण स्तर में सुधार हुआ और स्वास्थ्य लाभ तेजी से हुआ।

स्वस्थ होने के बाद अब सबा परवीन लोगों को जागरूक कर रही हैं कि दो सप्ताह से अधिक खांसी होने पर तुरंत जांच करानी चाहिए और इलाज को बीच में नहीं छोड़ना चाहिए।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान के तहत जिले में जांच और उपचार की व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। वहीं जिला यक्ष्मा नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. मंजर आलम ने कहा कि समय पर पहचान और नियमित उपचार से टीबी को पूरी तरह हराया जा सकता है।

सबा परवीन की यह कहानी बताती है कि सही समय पर जांच, नियमित उपचार और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर टीबी जैसी बीमारी को हराया जा सकता है। यह न केवल एक व्यक्ति की जीत है, बल्कि जागरूकता और स्वास्थ्य व्यवस्था की सफलता का उदाहरण भी है।

पटना के बिहटा में रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब रेलवे लाइन के किनारे झाड़ियों में एक 27 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान मुशेपुर स्थित नारायणपुर गांव निवासी शंकर राय के पुत्र विकास कुमार के रूप में की गई है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, विकास रविवार सुबह किसी काम से बिहटा बाजार गया था, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटा। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। देर रात पुलिस को बिहटा बाजार के समीप एक सिनेमा हॉल के पीछे सुनसान इलाके में शव होने की सूचना मिली। मृतक के पिता और परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि विकास को मारकर साक्ष्य छिपाने की नियत से शव को झाड़ियों में फेंका गया है। उन्होंने पुलिस से न्याय और दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है।सूचना मिलते ही बिहटा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। प्रारंभिक जांच में युवक के पास मिले पहचान पत्र से उसकी शिनाख्त हुई। पुलिस ने घटनास्थल पर विधि विज्ञान प्रयोगशाला (ऋछ) की टीम को बुलाकर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं।

बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा की परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, लेकिन मौत के सटीक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। पुलिस सभी संभावित पहलुओं, जिसमें हत्या और दुर्घटना शामिल हैं, की गंभीरता से जांच कर रही है। फिलहाल, पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है।

पटना कॉलेज घाट पर गंगा में मिला अधेड़ का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पीरबहोर थाना क्षेत्र अंतर्गत पटना कॉलेज घाट के पास गंगा नदी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। नदी में शव तैरता देख घाट पर मौजूद छात्रों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पीरबहोर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 50 वर्ष के आसपास है। शव की तलाशी लेने पर उसके पास से कोई पहचान पत्र या दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है, जिससे पहचान तत्काल संभव नहीं हो सकी। मृतक ने शरीर पर हाफ टी-शर्ट पहन रखी थी और उसके गले में एक माला थी। फिलहाल, शिनाख्त के लिए पुलिस ने मृतक की तस्वीर आसपास के सभी थानों को भेज दी है ताकि गुमशुदगी की रिपोर्ट से मिलान किया जा सके।पीरबहोर थाना प्रभारी सज्जाद गद्दी ने बताया कि पुलिस ने यूडी (अप्राकृतिक मृत्यु) का मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा की प्राथमिक तौर पर मौत का कारण डूबना प्रतीत हो रहा है, लेकिन वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। शिनाख्त होने के बाद परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद घाट पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोग नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी के पास इस हुलिये के व्यक्ति की जानकारी हो, तो तुरंत नजदीकी थाने को सूचित करें।

पटना के दीघा सेतु घाट पर मचा कोहराम

गंगा में नहाने के दौरान चार बच्चे डूबे, दो के शव बरामद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दीघा थाना क्षेत्र के दीघा सेतु घाट पर रविवार को एक बड़ी त्रासदी सामने आई, जहाँ गंगा नदी में नहाने के दौरान अलग-अलग समय पर चार बच्चे डूब गए। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। प्रशासन और एसडीआरएफ (SDRF) की टीम ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद दो बच्चों के शव बरामद कर लिए हैं, जबकि दो अन्य अब भी लापता हैं।नदी से निकाले गए मृतकों की पहचान जक्कनपुर निवासी आदित्य कुमार उर्फ प्रिंस (15 वर्ष) और दानापुर निवासी कृषु कुमार (16 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं, न्यू पुनाईचक के करण कुमार (13 वर्ष) और एक अन्य अज्ञात बच्चे की तलाश जारी है। थाना प्रभारी के अनुसार, हादसे दोपहर 1 बजे से शाम 4:30 बजे के बीच अलग-अलग समय पर हुए। बताया जा रहा है कि कृषु कुमार एक दूसरे बच्चे को बचाने के प्रयास में खुद गहरे पानी में समा गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जदयू नेता नागेंद्र गिरी सहित अन्य परिजनों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब बच्चे डूब रहे थे, तब टीम एनडीआरएफ (NDRF) का इंतजार करती रही और समय पर रेस्क्यू शुरू नहीं किया गया। शाम को अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया, जिससे लोगों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घाट पर सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे और न ही गहरे पानी की चेतावनी के संकेत बोर्ड लगाए गए थे। पुलिस ने बताया कि लापता बच्चों के लिए सोमवार सुबह दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया जाएगा। प्रशासन ने भविष्य में घाटों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने और मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

जेडीयू विधायक दल की बैठक सम्पन्न

विधानमंडल दल के नेता चयन के लिए नीतीश कुमार अधिकृत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ मुख्यमंत्री आवास '1 अणे मार्ग' में सोमवार को आयोजित जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। राज्यसभा सांसद और पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विधानमंडल दल के नए नेता के नाम पर मुहर लगनी थी। हालांकि, बैठक में किसी नाम का चयन नहीं हो सका और सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को ही नेता चुनने के लिए अधिकृत कर दिया गया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बताया कि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने नीतीश कुमार के ऐतिहासिक कार्यों और उनके सामाजिक प्रभाव के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रस्ताव रखा, जिसे स्वीकार किया गया। बैठक में मुंगेर सांसद ललन सिंह और उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने भी अपने विचार रखे। नीतीश कुमार ने विधायकों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि भले ही उन्होंने मुख्यमंत्री का पद छोड़ दिया है, लेकिन वे दिल्ली में संसदीय कार्यों के साथ-साथ बिहार के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर विकास कार्यों की समीक्षा करते रहेंगे। राजनीतिक गलियारों में निशांत कुमार को बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चचाओं पर नीतीश कुमार ने कहा कि वे पार्टी के सर्वमान्य नेता हैं और उनके भविष्य की भूमिका पर राष्ट्रीय नेतृत्व निर्णय लेगा। उल्लेखनीय है कि 16 मार्च को राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद नीतीश कुमार ने 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस बदलाव के साथ ही बिहार की राजनीति में करीब दो दशक लंबे 'नीतीश युग' का अंत हुआ है। अब सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि नीतीश कुमार विधानमंडल दल के नेता के रूप में किसे चुनते हैं।

पटना पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

कुख्यात 'अरशद डी' गैंग का खुलासा, मास्टरमाइंड व साले समेत 4 गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र में पुलिस ने बाइक चोरी और चेन लूट करने वाले एक अंतरजिला गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड अरशद उर्फ अरशद डी को उसके साले और दो अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पटना समेत कई पड़ोसी जिलों में आतंक का पर्याय बना हुआ था। पुलिस के अनुसार, 15 अप्रैल को हुई एक बाइक चोरी की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से अपराधियों का सुराग मिला। सिटी एसपी (वेस्ट) के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने छापेमारी कर अरशद डी, मो. आमिर, मो. साहिल और मो. नौशाद को गिरफ्तार किया। इनके पास से चोरी की दो मोटरसाइकिलें और मोबाइल बरामद हुए हैं। पूछताछ में गिरोह ने अन्य 6 बाइकों के ठिकानों का भी खुलासा किया है। मास्टर माइंड अरशद डी बेहद शातिर अपराधी है, जिस पर पटना के विभिन्न थानों में लूट और आर्म्स एक्ट के करीब दो दर्जन मामले दर्ज हैं। वह अपनी पहचान छिपाकर किराए के मकान में रहता था और गिरोह को मॉनिटर करता था। गिरोह के सदस्य पहले रेकी करते थे और फिर सुनसान सड़कों पर महिलाओं से चेन लूट या बाइक चोरी कर फरार हो जाते थे। चोरी के वाहनों को दूसरे जिलों में सस्ते दामों पर बेच दिया जाता था। थानाध्यक्ष गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरोह की गिरफ्तारी से क्षेत्र में चोरी और लूट की घटनाओं पर लगाम लगेगी। फिलहाल फरार अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी जारी है।

औरंगाबाद में भीषण गर्मी को लेकर डीएम सख्त: 12:30 बजे के बाद 5वीं तक की कक्षाएं बंद

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)औरंगाबाद जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए जिला दण्डाधिकारी अभिलाषा शर्मा, भा०प्र०से० ने बड़ा फैसला लिया है। बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर औरंगाबाद जिले के सभी सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों में 5वीं कक्षा तक की शैक्षणिक गतिविधियां दोपहर 12:30 बजे के बाद प्रतिबंधित कर दी गई हैं।भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत जारी यह आदेश दिनांक 21.04.2026 से लागू होकर 30.04.2026 तक प्रभावी रहेगा। यह प्रतिबंध प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और कोचिंग संस्थानों पर भी लागू होगा।डीएम ने सभी विद्यालय प्रबंधनों को आदेश के अनुरूप टाइम टेबल में बदलाव करने का निर्देश दिया है। दोपहर 12:30 बजे के बाद 5वीं कक्षा तक के बच्चों की कोई भी शैक्षणिक गतिविधि नहीं चलाई जाएगी।जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी, औरंगाबाद को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सभी स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से इस आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया है, ताकि अभिभावकों और स्कूलों तक समय पर सूचना पहुंच सके।जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि भीषण गर्मी से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए एहतियातन यह कदम उठाया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय, जिला दण्डाधिकारी, औरंगाबाद।
-: आदेश :-

जिला दण्डाधिकारी,
औरंगाबाद।

ज्ञापांक- 185 पृ० / दिनांक- 20/04/2026

जिला दण्डाधिकारी,
औरंगाबाद।